आज का विचार
अच्छा वक्त दुनिया को बताया है कि आप कैसे हैं और बुरा वक्त आपको बताया है कि दुनिया कैसी है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शनिवार, 16 मई, 2026 | वर्ष 24, अंक 117, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

भूमि विवादों के समाधान के लिए सभी जिलों में लगाई जाएं राजस्व लोक अदालतें: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अगले 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा की

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा में जमीन संबंधी विवादों के त्वरित समाधान के लिए राजस्व लोक अदालतें लगाई जाएंगी जिनके माध्यम से उपायुक्त, एसडीएम व तहसीलदार विवादित पक्षों के बीच आपसी सहमति से विवादों का समयबद्ध ढंग से समाधान करवाएंगे। यह निर्देश मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा विकसित भारत-2047 के अंतर्गत तैयार किए गए 5 वर्षीय कार्यान्वयन रोडमैप और कार्य योजना की समीक्षा करते हुए कही।

बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं एफसीआर डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि राजस्व संबंधी विवादों के शीघ्र समाधान के लिए विभाग द्वारा डिजिटल कोर्ट केस मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जाएगा ताकि विवादों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा सके। इस पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि भूमि विवादों के तीव्र समाधान के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत की तर्ज पर राजस्व लोक अदालत लगाई जाएं जिसमें संबंधित अधिकारी दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाएं। इसके लिए सभी जिलों में पटवारियों के माध्यम से लोगों को सूचित व जागरूक किया जाए और उपायुक्त, एसडीएम तथा तहसीलदार लक्ष्य निर्धारित कर भू-विवादों का समाधान करवाएं ताकि आमजन को राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व विभाग में परंपरागत तरीकों से अलग हटकर नई ऑनलाइन सेवाएं शुरू की जाएं ताकि आमजन को सभी सरकारी सेवाएं पारदर्शी व सरल तरीके से मिल सकें। उन्होंने कहा कि सभी नव-नियुक्त पटवारियों के लिए लैपटॉप व टेबलेट की खरीद की जाए और हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएं ताकि सभी पटवारी डिजिटल माध्यम से सेवाएं दे सकें। पटवारियों को नई तकनीक व राजस्व कार्यों में पारंगत करने के लिए राज्य स्तरीय प्रशिक्षण केंद्र भी खोला जाए। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में पेपरलैस रजिस्ट्रेशन कार्य की जानकारी मांगने पर अधिकारियों ने बताया कि इसके तहत अब तक 4 लाख रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में किसी भी तहसील में 15 दिन से पुराना कोई भी रजिस्ट्रेशन आवेदन लंबित नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से राजस्व विभाग द्वारा अपने डाटा की स्टोरेज के लिए हारट्रोन के माध्यम से प्रदेश में अपडेटिड डाटा सेंटर स्थापित किया जा रहा है जिसके लिए टेंडर किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने शहरी संपत्ति के राजस्व रिकॉर्ड को प्रॉपर्टी आईडी के साथ लिंक करवाकर सुव्यवस्थित करवाने के भी निर्देश दिए।

राजस्व अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में कृषि विभाग के साथ मिलकर भूमि अभिलेखों का 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण और इनकी जीयो-टैगिंग का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत सभी लैंड पार्सल का यूनिक नंबर जनरेट किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विभागों की सरकारी जमीनों को भी पोर्टल पर अपडेट किया जाए।

आपदा प्रबंधन की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री को बताया गया कि आपदा एवं अग्नि तथा आपात सेवाओं के लिए अलग से विभाग बनाने का प्रस्ताव है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में आपदा मित्र योजना 8 जिलों में चल रही है। इसका सभी 23 जिलों तक विस्तार किया जाएगा। इसके लिए आपदा मित्रों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

अग्निशमन विभाग के महानिदेशक श्री शेखर विद्यार्थी ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में विदेशों की तर्ज पर एआई आधारित एकीकृत कमांड तथा नियंत्रण केंद्र की स्थापना की जाएगी। अग्निशमन कार्यों में रोबोट के इस्तेमाल की भी संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निशमन विभाग का आधारभूत ढांचा मजबूत करते हुए इसका आधुनिकीकरण किया जाए और नवीनतम उपकरण भी खरीदे जाएं। मुख्यमंत्री ने अग्निशमन कार्यों में लगे कर्मचारियों का रिस्क कम करने तथा उनके कल्याण हेतु कार्ययोजना तैयार करने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता, मुख्यमंत्री के ओएसडी व स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल यादव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने यूएई पर हमलों की निंदा की, स्वतंत्र होर्मुज के लिए संवाद और कूटनीति पर जोर

छह दिवसीय विदेश यात्रा के तहत आबूधाबी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी (हि.स.)
अबूधाबी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) यात्रा के दौरान कई अहम समझौते और निवेश घोषणाएं की गई । दोनों देशों के बीच सामरिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर समझौता हुआ। ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति से जुड़े समझौतों पर सहमति बनी। गुजरात के वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा भारतीय अवसंरचना क्षेत्र, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह दिवसीय विदेश प्रवास के दौरान भारतीय समयानुसार शुक्रवार सुबह अबूधाबी पहुंचे। यह उनकी पांच देशों की यात्रा की शुरूआत है। वे आगे नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली जायेंगे। अबूधाबी हवाई अड्डे पर यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। आगमन के बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात की संक्षिप्त यात्रा के दौरान आज यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की उपस्थिति में भारत और यूएई ने समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार दोनों नेताओं ने व्यापक मुद्दों पर सार्थक बैठक की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय साझेदारी को अधिक मजबूत करने पर चर्चा की। चर्चा का मुख्य केंद्र ऊर्जा, व्यापार और निवेश, ब्लू इकोनॉमी, फिनटेक सहित प्रौद्योगिकी, रक्षा और लोगों के बीच आपसी संबंधों जैसे क्षेत्र रहे। उन्होंने पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों और अन्य वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए।

उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान ऊर्जा, रक्षा, शिपिंग सहित बुनियादी ढांचे और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समझौतों का आदान-प्रदान भी हुआ - जिससे भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गति मिली। यूएई ने भारत में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की भी घोषणा की। इससे हमारे बाजार और बुनियादी ढांचा और अधिक मजबूत होंगे।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, ह्लयूएई को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, वह किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है।ह्व प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए यूएई के राष्ट्रपति की ओर से उठाए गए कदमों का स्वागत किया। उन्होंने कठिन समय में यूएई में रहने वाले भारतीय प्रवासियों को दी गई देखभाल के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने आश्वासन दिया कि भारत हर परिस्थिति में यूएई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और आगे भी खड़ा रहेगा। शांति और स्थिरता की बहाली के लिए भारत हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। वार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में युद्ध का प्रभाव आज पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। भारत ने हमेशा मुद्दों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को महत्व दिया है। हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य है कि होर्मुज स्वतंत्र और खुला रहे। इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करना आवश्यक है।

भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा : शिवराज चौहान

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सातारा जिले में शुक्रवार को कहा कि भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा। सभी के लिए पक्के घर प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सातारा जिले के सैनिक ग्राउंड में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री के सुझाव के अनुसार महाराष्ट्र को एक साल में 30 लाख घरों का लक्ष्य दिया गया था। देश के किसी अन्य राज्य को ऐसा लक्ष्य नहीं दिया गया है। केवल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में लक्ष्य हासिल किया। उन्होंने इस सभी क्रांतिकारी काम के लिए उन्हें बधाई दी, चाहे वह हर घर को सोलर एनर्जी पर लाना और जीरो बिजली बिल लाना हो, या रिकॉर्ड कम समय में पांच लाख घर पूरे करना हो, भूमिहीनों को 1 लाख रुपये की सहायता देना हो, और विश्वास व्यक्त किया कि बाकी घर भी जल्द से जल्द पूरे हो जाएंगे। महिला सशक्तिकरण की बात करते हुए, शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में 3 करोड़ दीदी लखपति करोड़पति बन गई हैं, और अब 6 करोड़ दीदी लखपति का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 1 करोड़ लाख बनाने का फैसला किया गया है, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए विकसित भारत जी रामजी योजना 1 जुलाई से शुरू हो रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव आएगा। गांव का डेवलपमेंट प्लान गांव में ही बनेगा, उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि ग्रामीण इलाकों के डेवलपमेंट की रफ्तार बढ़ेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह ऐसे काम कर रहे हैं, जैसे गरीबों की सेवा कर रहे हों और भगवान की पूजा कर रहे हों। हम किसानों और खेती को बेहतर बनाने के लिए कमिटेड हैं। प्याज उगाने वालों के मुद्दे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से बातचीत हुई और वेस्ट एशिया और बांग्लादेश में संकट के कारण प्याज के दाम गिर गए हैं। प्याज उगाने वाले मुश्किल में हैं, उन्हें राहत देने के लिए नाफेड के जरिए 12.35 पैसे प्रति ञ्चद प्याज खरीदना शुरू कर दिया गया है। कपास, सोयाबीन, अरहर समेत कई फसलों की एमएसपी बढ़ाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही एक मीटिंग होगी और चीनी की एमएसपी को लेकर पॉजीटिव फैसला लिया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि देश का पैसा और समय बचाने के लिए 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के सिद्धांत के अनुसार सभी राज्यों के लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कॉन्सेप्ट का सभी को सपोर्ट करना चाहिए। चौहान ने यह भी अपील की कि संकट के समय में सभी को एक देश के रूप में एक साथ खड़ा होना चाहिए और समय-समय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र ने एक साल में 30 लाख घरों का टारगेट पूरा कर लिया है, जो अब तक देश में सबसे ज्यादा है। घरों के लिए नौ हजार करोड़ मिले हैं। हम 30 लाख घरों के टारगेट के मुकाबले बहुत तेजी से काम कर रहे हैं और पांच लाख बेघर लोगों को घरों की चाबियां सौंप रहे हैं।

गोरखपुर की गोड़धोइया नाला परियोजना 15 जून तक पूर्ण हो जाएगी : योगी

एजेंसी (हि.स.)
गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार शाम गोरखपुर में गोड़धोइया नाला परियोजना के कार्यों का दो स्थानों (जीरो पॉइंट जंगल छत्रधारी और बिछिया एसटीपी) पर स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अब तक हुए कार्यों पर संतोष जताते हुए शेष बचे कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद बिछिया एसटीपी के पास उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि यह परियोजना 15 जून तक पूर्ण हो जाएगी और उसके बाद उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 495 करोड़ रुपये की लागत वाले गोड़धोइया नाला परियोजना (पक्का नाला निर्माण, डायवर्जन, इंटरसेप्शन और ट्रीटमेंट की परियोजना) के कार्यों का जायजा लेने सबसे पहले इसके जीरो पॉइंट जंगल छत्रधारी पहुंचे। यहां उन्होंने निर्माण कार्य, पक्के नाले में जल प्रवाह को देखने के साथ ही परियोजना के ड्राइंग मैप व मॉडल का अवलोकन किया। कार्यदायी संस्था जल निगम (शहरी) के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि परियोजना की अब तक की कुल भौतिक प्रगति 95 प्रतिशत है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 9.25 किमी की लंबाई में नाला निर्माण हो चुका है। 38 एमएलडी की एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) बन गई और वर्तमान में इसका ट्रायल रन चल रहा है। 61 एमएलडी क्षमता के पंपिंग स्टेशन का भी कार्य पूर्ण हो गया है और इसका भी ट्रायल रन किया जा रहा है। 17.94 किमी इंटरसेप्टिंग सीवर लाइन में से 17.50 किमी तक काम हो गया है, शेष कार्य भी जारी है। 14 ब्रिज/कल्वर्ट भी बन गए हैं। शेष कार्य को भी तेजी से कराया जा रहा है। यह परियोजना एक मृत नाले को पुनर्जीवित करने का माध्यम बनी है।

पेट्रोल-डीजल तीन रुपये प्रति लीटर हुआ महंगा, नई दर आज से प्रभावी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में 3-3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। सीएनजी के दाम भी दो रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाए गए हैं। नई दरें आज से लागू हो गई हैं। करीब चार साल बाद पेट्रोल-डीजल की कीमत में इजाफा किया गया है।

दिल्ली में अब पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये से बढ़कर 97.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.67 रुपये से बढ़कर 90.67 रुपये प्रति लीटर हो गई है। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में भी ईंधन की कीमतों में उछाल आया है।

कोलकाता में पेट्रोल 3.29 रुपये बढ़कर अब 108.74 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 3.14 रुपये बढ़कर 106.68 रुपये प्रति लीटर में मिल रहा है। दक्षिण भारत के बड़े शहर चेन्नई में पेट्रोल के दामो में 2.83 रुपये का उछाल आया है और नई कीमत 103.67 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

कोलकाता में डीजल की कीमत में 3.11 रुपये का इजाफा हुआ है। वहां एक लीटर डीजल 95.13 रुपये में मिल रहा है। मुंबई में भी डीजल 3.11 रुपये महंगा होकर 93.14 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। चेन्नई में डीजल की कीमत में 2.86 रुपये का इजाफा किया गया है। वहां डीजल अब 95.25 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली के प्रीत विहार स्थित भारत पेट्रोलियम के पंप पर एक ग्राहक ने इस पर कहा, ॅहम इसके बारे में क्या कर सकते हैं? ये सभी चीजें दूसरे देशों से आती हैं। इनका उत्पादन यहां नहीं होता। इसलिए सरकार जो भी कदम उठा रही है, वह देश के हित में है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने पर विपक्ष हमलावर है। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, "महंगाई मैन ने जनता पर हंटर चलाया।" सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि आगे बढ़ना है, तो साइकिल ही विकल्प है। विशेषज्ञों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमत में यह बढ़ोतरी कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों के कारण ईंधन बेचने वाली कंपनियों को लगातार हो रहे नुकसान के बीच की गई है।

युद्ध का मैदान बदल रहा इसलिए आने वाली जंगें हवा में हुआ करेंगी : एयर चीफ मार्शल एपी सिंह

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

युद्ध का मैदान बदल रहा है इसलिए आने वाली जंगें हवा में हुआ करेंगी। यही वजह रही कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में पहली बार भारत-पाक संघर्ष के दौरान ड्रोन सबसे पसंदीदा हथियार बने। ड्रोन आने वाले रोबोटिक युद्ध का सिर्फ शुरूआती एक्शन हैं। आने वाले समय में तीनों सेनाएं एक ही एयर में ऑपरेट करेंगी। इसके लिए अंतरिक्ष में भी आपसी तालमेल होना चाहिए। हवा में युद्ध करने से ऑपरेशन के दौरान इंसानों की जान का खतरा कम होता है और कम कीमत ही युद्ध लड़ा जा सकता है।

इस तरह के विचार नई दिल्ली के एयरफोर्स ऑडिटोरियम में एक एयरोस्पेस पावर सेमिनार में शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने रखे हैं। स्वायत्त रक्षा थिंक टैंक सेंटर फॉर एयरपावर एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज के सहयोग से यह संयुक्त गोष्ठी आयोजित की गई। इस सेमिनार में वरिष्ठ सैन्य हस्तियों, क्षेत्र के विशेषज्ञों और विशिष्ट प्रतिभागियों को एयरोस्पेस क्षमता बढ़ाने में रखरखाव दक्षता और आत्मनिर्भरता की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाया गया। इस सेमिनार में भारत की वायु सेना को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई नीतिगत रूपरेखाओं पर केंद्रित पैनल चर्चाएं हुईं। विशेषज्ञों ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के राष्ट्रव्यापी विजन के अनुरूप रखरखाव रणनीतियों को अपनाने पर अपने विचार साझा किए।

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि 'ड्रोन और अनमैन्ड एरियल (यूए) सिस्टम का यह विषय बहुत प्रासंगिक है, यह एक सच्चाई है। इसलिए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लड़ाई का मैदान बदल गया है। हम केंद्रित वायु शक्ति से विकेंद्रीकृत तक और स्वायत्त तरीके से शिफ्ट हो रहे हैं। हमें यह समझना होगा कि यूए सिस्टम हवाई शक्ति का ही विस्तार हैं। इस तरह के ऑपरेशन के दौरान इंसानी जान का खतरा भी कम होता है। जैसा कि मैंने कहा कि यह एयर पावर का ही एक्सटेंशन है, इसलिए जब आप यूए सिस्टम का इस्तेमाल करेंगे, तो एयर पावर के सभी नियम लागू होंगे। जब हम काउंटर यूए सिस्टम की बात करते हैं, तो यह चूहे-बिल्ली के खेल जैसा है।'

> 'ऑपरेशन सिंदूर' में पहली बार भारत-पाक संघर्ष के दौरान ड्रोन सबसे पसंदीदा हथियार बने

वायु सेना प्रमुख ने कहा कि 'जब आप एक क्षेत्र में तकनीक विकसित करते हैं तो काउंटर प्रौद्योगिकी को भी उसके साथ विकसित होना पड़ता है क्योंकि इसी तरह से खेल खेला जा सकता है। मुझे लगता है कि हमने 'ऑपरेशन सिंदूर' में काफी अच्छा किया है और यह इसलिए संभव था क्योंकि सेनाओं में आपसी तालमेल था। किसी केंद्रीय एजेंसी के सहयोग बगैर यह संभव नहीं होता। हमारे पास एक ढांचा है, ताकि हर बार हम इन चीजों का मुकाबला कर सकें।' उन्होंने कहा कि 'इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लड़ाई का मैदान बदल गया है इसलिए हमें समझना होगा कि ड्रोन, काउंटर यूए सिस्टम और अनमैन्ड एरियल सिस्टम एयर पावर का ही हिस्सा हैं। वे इसलिए सफल हो रहे हैं क्योंकि उनमें एयर पावर की सभी अंदरूनी खूबियां हैं।'

भारतीय सेना के एविएशन कॉर्प्स के डायरेक्टर जनरल और कर्नल कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल विनोद नांबियार ने कहा कि 'यह इवेंट सिर्फ एक सेमिनार नहीं है बल्कि इसका मकसद साफ और जरूरी है क्योंकि यहां उद्योग और सेना को बातचीत के लिए एक मंच मिलेगा, भारतीय और वैश्विक कंपनियों की आधुनिक तकनीक को दिखाया जाएगा। साथ ही स्वदेशीकरण और प्रणालियों का संयुक्त विकास के लिए मिलकर काम करने के रास्ते तलाशे जाएंगे। कल की लड़ाई का मैदान इस बात से तय होगा कि हम अनमैन्ड सिस्टम्स का कितने असरदार तरीके से इस्तेमाल करते हैं और उनसे कितनी मजबूती से बचाव करते हैं। अनमैन्ड एरियल व्हीकल्स ने पहले ही दुनिया भर में मिलिट्री के तरीकों को बदल दिया है। यूएवी अब मल्टी-डाइमेंशनल हैं, जिसमें वे लॉजिस्टिक्स, कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, सर्च एंड रेस्क्यू, मैरीटाइम पेट्रोल और डिफेंस को सपोर्ट करते हैं।'

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने इस बात पर जोर दिया कि ट्राई सर्विस एनर्जी और यूएएस, यूए और काउंटर यूएएस में एकीकरण बनाना सिर्फ जरूरी ही नहीं, बल्कि देश की रक्षा के लिए हमारी तीनों सेनाओं की ऑपरेशनल आजादी के लिए एक सामरिक जरूरत भी है। कोई भी अकेली सर्विस अगला युद्ध अकेले नहीं लड़ सकती। सिर्फ सामूहिक नेतृत्व, एकीकृत सिस्टम, और साझा स्थितिजन्य जागरूकता ही आगे की लड़ाइयों में निर्णायक जीत दिला सकती है। हमने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर की पहली सालगिरह मनाई, जिसमें स्पीड, ताकत और प्रिसिजन ने एक निर्णायक नतीजा दिया।

हिमाचल प्रदेश में शहरी निकाय चुनाव प्रचार थमा, कल होगी वोटिंग

राज्य निर्वाचन आयोग की मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए तैयारियां पूरी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में चार नगर निगमों समेत 51 शहरी निकायों के चुनाव के लिए शुक्रवार शाम तीन बजे चुनाव प्रचार थम गया। इसके साथ ही रैलियों, जनसभाओं और जुलूसों पर रोक लागू हो गई है। अब 17 मई को मतदान होगा। इस बार सबसे ज्यादा नजरें सोलन, मंडी, धर्मशाला और पालमपुर नगर निगमों पर लगी हैं, जहां पार्टी चिन्हों पर चुनाव हो रहा है और भाजपा तथा कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन दोनों प्रमुख दलों भाजपा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में जनसभाएं और रोड शो किए। भाजपा की ओर से नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल ने पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार किया। वहीं कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार और राज्य मंत्रिमंडल के सभी मंत्रियों ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रचार समाप्त होने के बाद पोलिंग पार्टियां ईवीएम और अन्य चुनाव सामग्री के साथ मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गईं। मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है और मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, बिजली, पेयजल और संचार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। चारों नगर निगम क्षेत्रों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। मतदान से 48 घंटे पहले शराब के ठेकों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। पुलिस को बाहरी गतिविधियों और संदिग्ध लोगों पर नजर रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

17 मई को सुबह मतदान शुरू होगा और दोपहर तीन बजे तक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। जिन मतदान केंद्रों पर तय समय तक मतदाताओं की लाइन लगी होगी, वहां सभी लोगों को मतदान का अवसर दिया जाएगा। इन चुनावों में कुल 3 लाख 60 हजार 859 मतदाता वोट डाल सकेंगे। इनमें 1 लाख 80 हजार 963 पुरुष, 1 लाख 79 हजार 882 महिलाएं और 14 अन्य मतदाता शामिल हैं।

आखिरी दिन, कांग्रेस-भाजपा ने झोंकी ताकत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में शहरी निकाय चुनाव के लिए चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन है। शुक्रवार दोपहर तीन बजे के बाद चुनावी शोर पूरी तरह थम जाएगा। ऐसे में कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल आखिरी दिन अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर और जयराम ठाकुर तक चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। चार नगर निगमों सोलन, मंडी, पालमपुर और धर्मशाला के चुनाव इस बार दोनों दलों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गए हैं। यही वजह है कि कांग्रेस और भाजपा ने अपने बड़े नेताओं को प्रचार में उतारा है। इन चुनावों को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक ताकत की परीक्षा के तौर पर भी देखा जा रहा है। कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू आज सोलन शहर के गंज बाजार में जनसभा करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार और राज्य सरकार के मंत्री भी अलग-अलग इलाकों में उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस ने अपने प्रदेश प्रभारी और वरिष्ठ नेताओं को भी चुनाव प्रचार में लगाया है। वहीं भाजपा की ओर से नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर तथा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल प्रचार की कमान संभाले हुए हैं। अनुराग ठाकुर आज कांगड़ा-हमीरपुर मैत्री सभा में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभा करेंगे। भाजपा नेताओं का कहना है कि राज्य सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी है और इसका असर चुनाव में दिखाई देगा। मतदान से एक दिन पहले 16 मई को उम्मीदवार केवल घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर सकेंगे।

शिमला में सफाई कर्मचारी हड़ताल पर, प्रशासन ने लागू किया एस्मा, सफाई व्यवस्था प्रभावित

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला में नगर निगम के तहत कार्यरत सैहब सफाई कर्मचारियों ने शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। जिला प्रशासन ने इस हड़ताल को अनिवार्य सेवाओं को प्रभावित करने का कदम करार देते हुए सफाई कर्मियों पर एस्मा लागू कर दिया है। शहर में पीक पर चल रहे टूरिस्ट सीजन के दौरान हड़ताल शुरू होते ही राजधानी की सफाई व्यवस्था प्रभावित होने लगी है और स्वच्छता सर्वेक्षण के बीच शहर की रैंकिंग पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। कई इलाकों से आज कूड़ा नहीं उठ पाया, जिससे शहरवासियों की चिंता बढ़ गई है।

हड़ताल पर गए सफाई कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें नियमों के अनुसार हर साल 10 फीसदी वेतन बढ़ोतरी मिलनी चाहिए, लेकिन लंबे समय से उनकी मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है। सैहब सफाई कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष जसवंत सिंह ने कहा कि कई बार प्रशासन और अधिकारियों के सामने अपनी मांगें रखी गईं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। उन्होंने कहा कि कर्मचारी अब आर-पार की लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं। जसवंत सिंह ने कर्मचारियों पर एस्मा वापस लेने की भी मांग की। उनका कहना है कि कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं और प्रशासन दबाव बनाकर उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी अपनी मांगों के लिए नौकरी जाने का जोखिम उठाने को भी तैयार हैं, लेकिन पीछे हटने वाले नहीं हैं। यूनियन ने यह सवाल भी उठाया कि जब जनता से हर साल 10 फीसदी बढ़ोतरी के साथ शुल्क वसूला जा रहा है, तो कर्मचारियों को उसी हिसाब से वेतन लाभ क्यों नहीं दिया जा रहा। इस बीच श्रमिक संगठन सीटू ने भी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का खुलकर समर्थन किया है। सीटू के राज्य अध्यक्ष विजेंद्र मेहरा ने कहा कि कर्मचारियों के मुद्दों को लेकर पहले से बातचीत चल रही थी, इसके बावजूद उनके वेतन में 10 फीसदी कटौती कर दी गई। उनका कहना है कि श्रम कानूनों के तहत जब लेबर ऑफिस में वार्ता चल रही हो, तब कर्मचारियों की सेवा शर्तों में बदलाव नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों ने हड़ताल का 14 दिन पहले नोटिस दिया था, इसलिए इस दौरान एस्मा लागू करना भी नियमों के खिलाफ है। विजेंद्र मेहरा ने चेतावनी दी कि अगर कर्मचारियों के आंदोलन को जबरदस्ती दबाने की कोशिश की गई तो आंदोलन और बड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो आईजीएमसी, होटल उद्योग, रेहड़ी-फहड़ी यूनियन और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से जुड़े कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि सीटू से जुड़ी दूसरी यूनियनें भी समर्थन में उतर सकती हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है।

टेलीकॉम कंपनी के लाखों रुपये के पोल चुराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र में एक निजी टेलीकॉम कंपनी के करीब 70 लोहे के पोल चोरी होने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे जांच जारी है और चोरी किए गए पोलों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुल्लू जिले के आनी क्षेत्र के रहने वाले वाहन मालिक विक्की (35) और मंडी जिले के करसोग क्षेत्र के रहने वाले सुरेश (30) कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और शुरुआती जांच में उन्होंने पोल चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस के मुताबिक यह मामला थाना रामपुर में 12 मई को दर्ज किया गया था। ऐरियल टेलीकॉम सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के स्टेट मैनेजर बाबू सिंह देशवाल ने शिकायत दी थी कि चौका नाला तकलेच से रोहड़ू मार्ग पर कंपनी के करीब 70 एच-पोल, जिन पर अभी तार नहीं लगाए गए थे, चोरी हो गए हैं। इनकी कीमत करीब 9 लाख रुपये थी। इसके बाद पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें 5 और 6 मई की रात एक बोलेरो कैम्पर वाहन घटना स्थल के आसपास बार-बार आता-जाता दिखाई दिया। स्थानीय लोगों की मदद से वाहन की पहचान की गई, जिसके बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि चोरी किए गए पोल कहां ले जाए गए और इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं।

पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ते ही आम जनता की जेब पर सीधा असर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ते ही आम जनता की जेब पर सीधा असर पड़ना शुरू हो गया है। सबसे बड़ी चिंता अब उन किसानों की है जो दिन-रात मेहनत कर खेती-बाड़ी के सहारे अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। डीजल महंगा होने से ट्रैक्टर चलाना, खेतों की जुताई, सिंचाई और फसलों की ढुलाई का खर्च कई गुना बढ़ जाएगा। पहले से ही मौसम की मार झेल रहे किसान अब बढ़ती महंगाई की दोहरी चोट सहने को मजबूर हैं। किसानों का कहना है कि अगर इसी तरह तेल के दाम बढ़ते रहे तो खेती करना मुश्किल हो जाएगा और इसका असर सीधे अनाज, सब्जियों और रोजमर्रा की चीजों की कीमतों पर भी दिखाई देगा। अब लोगों की नजर सरकार पर टिकी है कि आखिर आम जनता और किसानों को राहत देने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे। वहीं आम जनता भी इससे चिंतित है। गाड़ियों के किराए से लेकर खान पान की वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ेंगी जिसका सीधा असर लोगों की जेब पर पड़ेगा।

अनुसूचित जाति महिलाओं को चुनाव लड़ने से रोक रही कांग्रेस सरकार : भाजपा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर पंचायतीराज चुनावों में हस्तक्षेप करने और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को चुनाव लड़ने से रोकने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने शुक्रवार को शिमला में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि सरकार चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद नियमों में बदलाव कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है।

कर्ण नंदा ने कहा कि प्रदेश में पंचायतीराज चुनावों की घोषणा 29 अप्रैल 2026 को हुई थी और उसी दिन से चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई थी। उन्होंने बताया कि नामांकन प्रक्रिया 7 मई से शुरू हुई, जबकि मतदान 26, 28 और 30 मई को होना है। भाजपा का आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद 8 मई को पंचायतीराज विभाग ने एक ऐसा नोटिफिकेशन जारी किया, जिससे अनुसूचित जाति वर्ग की उन महिलाओं के चुनाव लड़ने पर रोक लग गई, जिनकी शादी हिमाचल प्रदेश से बाहर हुई है, भले ही उनका विवाह उसी अनुसूचित जाति वर्ग में हुआ हो।

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस सरकार महिलाओं को अधिकार देने की बात करती है, लेकिन व्यवहार में उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बाहर किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी महिला का नाम मतदाता सूची में दर्ज है और उसके पास हिमाचल प्रदेश का बोनाफाइड प्रमाण पत्र भी है, तो उसे चुनाव लड़ने से कैसे रोका जा सकता है।

कर्ण नंदा ने सिरमौर जिले के नाहन क्षेत्र की अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़ी महिला अनुराधा का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि अनुराधा की शादी हरियाणा के यमुनानगर से हिमाचल प्रदेश के काला अंब स्थित वाल्मीकि परिवार में हुई थी।

संक्षिप्त-समाचार

अग्निवीर बनने से पहले युवक गिरफ्तार

बिलावर। जम्मू-कश्मीर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। जिला कठुआ के तहसील बिलावर का एक युवक जो कुछ दिनों में अग्निवीर बनने वाला था उसे गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार पुलिस को इस युवक से भारी मात्रा में चिट्टा बरामद हुआ है। एसएचओ बिलावर जहीर मन्हास ने तस्कर के घर से 415 ग्राम चिट्टा बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस युवक को पूछताछ के लिए थाने ले गई है ताकि इसने यह चिट्टा कहां से लाया है और किसे आगे देना है इसकी पूरी जानकारी हासिल हो सके। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जिस तरह 100 दिन का नशा मुक्ति जम्मू कश्मीर बनने के लिए अभियान चलाया हुआ है उसी को देखते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस इस समय नशा तस्करों के खिलाफ तेजी से अभियान चला रही है। इस दौरान काफी नशा तस्करों को पकड़ा भी गया है। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में नशे के खिलाफ अब बड़ी मुहिम चल रही है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 100 दिनों के भीतर नशे के बड़े सौदागरों व सिंडिकेट के घरों को ध्वस्त करने का फैसला लिया है।

कठुआ में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में चोरी, 13 लाख का 24 कैरेट सोना लेकर फरार हुआ चोर

कठुआ। कठुआ शहर में एक चैंकाने वाली चोरी की घटना सामने आई है जिसने स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों में चिंता बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार शाम करीब 6:30 बजे प्रिंस ज्वेलर्स में एक अज्ञात चोर ने करीब 73 ग्राम 24 कैरेट सोना चोरी कर लिया। चोरी हुए सोने की कीमत लगभग 13 लाख रुपये बताई जा रही है। इस घटना को लेकर दुकान मालिक बोध राज ने इसे केवल एक दुकान का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे कठुआ व्यापारिक समुदाय के लिए चिंता का विषय बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं शहर में असुरक्षा का माहौल पैदा करती हैं और मेहनत से व्यवसाय चलाने वाले लोगों को आर्थिक व मानसिक रूप से प्रभावित करती हैं। ज्वेलर्स ने सभी सोना कारोबारियों और आम लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। आशंका जताई जा रही है कि चोरी किया गया सोना बेचने या बदलवाने के लिए बाजार में लाया जा सकता है। उन्होंने आग्रह किया है कि यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध 24 कैरेट सोना बेचने या बनवाने के लिए संपर्क करता है तो तुरंत इसकी सूचना नजदीकी पुलिस स्टेशन या दिए गए संपर्क नंबरों पर दें। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। इस घटना के बाद शहर में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

लखनपुर में पुलिस ने 30 मवेशी छुड़ाए, तस्करी में शामिल 2 वाहन जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

कठुआ। कठुआ पुलिस ने लखनपुर क्षेत्र में दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए मवेशी तस्करी के प्रयासों को नाकाम कर दिया। इस दौरान कुल 30 मवेशियों को छुड़ाया गया, एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया तथा दो वाहनों को जब्त किया गया। जानकारी के अनुसार 14 मई को कीढ़ियां क्षेत्र में नाका चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कैंटर (जेके13एच-5720) को रोका गया जिसमें 12 मवेशी क्रूरता से भरे पाए गए। चालक शाहीर चैधरी को मौके पर गिरफ्तार कर वाहन जब्त कर लिया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई में रावी नदी क्षेत्र में बिना नंबर के एक वाहन को रोकने का प्रयास किया गया लेकिन चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। तलाशी के दौरान उसमें से 18 मवेशी बरामद किए गए। दोनों मामलों में पुलिस स्टेशन लखनपुर में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि इस तरह की किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

बडगाम सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौत

बडगाम। शुक्रवार को मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के बीरवाह इलाके में हयातपोरा मेन लिंक के पास एक सड़क दुर्घटना में एक युवा मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बीरवाह के गोंडीपोरा निवासी हारिस मजीद के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना मोटरसाइकिल के नियंत्रण से बाहर हो जाने के बाद हुई जिसके परिणामस्वरूप सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय निवासियों ने घायल युवक को इलाज के लिए उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) बीरवाह पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नूरपुर में सीआईए की टीम ने घर पर दी दबिश 41.40 ग्राम हेरोइन के साथ मां-बेटा गिरफ्तार

धर्मशाला। नूरपुर पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए गए अभियान में सीआईए की टीम को एक बड़ी सफलता मिली है। सीआईए की टीम ने एक घर पर दबिश के दौरान 41.40 ग्राम चिट्टे के साथ मां बेटे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी नूरपुर कुलभूषण वर्मा ने बताया कि नशे के नेटवर्क को तोड़ने हेतु प्रतिबद्ध सीआईए टीम ने नूरपुर के गांव भदरोया में एक रिहाइशी मकान का निरीक्षण किया। कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए जब मकान की गहनता से तलाशी ली गई, तो वहां रखी एक सिलाई मशीन के स्टैंड के नीचे छिपाकर रखा गया एक पैकेट बरामद हुआ। जांच करने पर उसमें 41.40 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) पाई गई, जिसे पुलिस ने तुरंत प्रभाव से कब्जे में ले लिया। आरोपियों की पहचान वनीता देवी (उम्र 43 वर्ष), पत्नी दरबारी लाल, निवासी वार्ड नम्बर 3, भदरोया, तहसील इंदौरा, जिला कांगड़ा तथा अमन (उम्र 24 वर्ष), पुत्र दरबारी लाल, निवासी वार्ड नं. 3, भदरोया, तहसील इंदौरा, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। आरोपियों के विरुद्ध पुलिस थाना डमटाल में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस इस खेप के मुख्य स्त्रोत का पता लगाने के लिए मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

हिमाचल में 18 मई से बढ़ेगा गर्मी का कहर

आज-कल अंधड़ और बारिश का अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

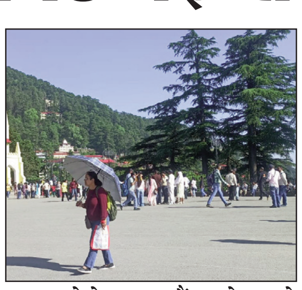

हिमाचल प्रदेश में पिछले कई दिनों तक ठंडे मौसम और रुक-रुक कर हुई बारिश के बाद अब मौसम तेजी से करवट ले रहा है। शुक्रवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम साफ बना रहा और तेज धूप खिलने से उमस महसूस की गई। मौसम विभाग ने आज और कल चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में अंधड़, बारिश और बिजली गिरने का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार इन इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि 17 मई को भी ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम खराब बना रह सकता है, लेकिन 18 मई से 21 मई तक पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने के आसार हैं। इसके चलते तापमान में तेज बढ़ोतरी होगी और गर्मी का असर बढ़ने लगेगा। निचले इलाकों में तपिश और ज्यादा महसूस की जाएगी। प्रदेश में इस महीने लगातार बदलों के बरसने और ऊंची चोटियों पर हिमपात होने के कारण पहाड़ी इलाकों में ठंड का असर बना हुआ था। लेकिन अब मौसम साफ होने से तापमान तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है।

मौसम विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य के औसत न्यूनतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले दो दिनों में शिमला और मनाली जैसे प्रमुख हिल स्टेशनों के तापमान में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। दूसरी तरफ निचले इलाकों में तपिश तेज हो गई है। शुक्रवार को प्रदेश के विभिन्न शहरों के न्यूनतम तापमान पर नजर डालें तो केलांग में सबसे कम 3.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड हुआ। इसके बाद कुकुमसेरी में 5.4, तबो में 8.1, कल्पा में 9.0, सियोबाग में 11.0, मनाली में 11.6, कुफरी में 11.6, सराहन में 11.6, धर्मशाला में 13.9, सोलन में 15.0, भुंतर में 15.1, चंबा में 15.5, डलहौजी में 15.6, शिमला में 16.0, नाहन में 16.9, पालमपुर में 17.5, ऊना में 18.2, जुब्बड़हट्टी में 18.4, बरठीं में 18.9, मंडी में 19.5, सुंदरनगर में 19.6, कांगड़ा में 20.2, देहरा गोपीपुर में 21.0, बिलासपुर में 22.0 और पांवटा साहिब में 25 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

15 और 16 मई को जम्मू-कश्मीर में हल्की बारिश

श्रीनगर। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने 15 और 16 मई को जम्मू और कश्मीर में आंशिक रूप से लेकर सामान्यतः बादल छाए रहने, हल्की बारिश, गरज के साथ बौछारें पड़ने और छिटपुट स्थानों पर तेज हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की है। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 17 और 18 मई को मौसम सामान्यतः शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि 19 से 20 मई तक केंद्र शासित प्रदेश में सामान्यतः बादल छाए रहने और छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि 21 मई को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और छिटपुट बारिश हो सकती है जबकि 22 से 25 मई तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने अपनी सलाह में चेतावनी दी है कि 15 और 16 मई को कश्मीर और जम्मू दोनों डिवीजनों में कुछ स्थानों पर गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। विभाग ने लोगों को तेज हवाओं और गरज के साथ बारिश की आशंका को देखते हुए, विशेषकर दोपहर और शाम के समय नौका विहार और शिकारा की सवारी न करने की सलाह दी है।

ठियोग की जनता देगी कांग्रेस की झूठी गारंटियों का जवाब : सिकंदर कुमार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिला के ठियोग में नगर परिषद चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। चुनाव प्रचार के बीच भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए जनता के बीच मुद्दों को जोर-शोर से उठाना शुरू कर दिया है। भाजपा सांसद और प्रदेश महामंत्री डॉक्टर सिकंदर कुमार ने शुक्रवार को ठियोग में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने चुनाव से पहले जो गारंटियां दी थीं, वे अब तक पूरी नहीं हो सकी हैं और जनता इसका जवाब चुनाव में देगी।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को सम्मान निधि देने, रोजगार उपलब्ध करवाने और स्थानीय निकायों को मजबूत बनाने जैसे कई वादे किए गए थे, लेकिन धरातल पर लोगों को उसका लाभ नहीं मिला। उनका आरोप था कि नगर परिषद क्षेत्र में अब भी बुनियादी सुविधाओं की कमी बनी हुई है और प्रशासनिक कामकाज में सुस्ती दिखाई दे रही है। सिकंदर कुमार ने कहा कि ठियोग की जनता अब केवल वादों पर भरोसा करने के बजाय काम और विकास को प्राथमिकता देना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा इस बार नगर परिषद चुनाव में सुशासन और विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है और लोगों का समर्थन पार्टी को मिल रहा है। उनके मुताबिक, मतदाताओं में कांग्रेस की गारंटियों को लेकर नाराजगी है और इसका असर चुनाव परिणामों में दिखाई दे सकता है।

कांग्रेस सरकार ने हिमाचल को कर्ज और आर्थिक संकट में धकेलाः हर्ष महाजन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

भाजपा के राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर प्रदेश को आर्थिक संकट और कर्ज के बोझ में धकेलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम, जिला परिषद, पंचायत समिति और पंचायत चुनाव केवल स्थानीय चुनाव नहीं हैं, बल्कि हिमाचल के भविष्य से जुड़े चुनाव हैं और जनता को इस बार सोच-समझकर फैसला लेना होगा।

हर्ष महाजन ने शुक्रवार को शिमला से जारी बयान में कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश की आर्थिक स्थिति लगातार खराब हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई, बढ़ते टैक्स, विकास कार्यों में कमी और सरकारी संस्थानों की बिगड़ती हालत से हर वर्ग परेशान है। उनके मुताबिक कर्मचारी, किसान, बेरोजगार, व्यापारी, महिलाएं और युवा सभी सरकार की नीतियों से प्रभावित हुए हैं। हर्ष महाजन ने कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी सीएजी की रिपोर्ट में भी प्रदेश की आर्थिक स्थिति को लेकर गंभीर बातें सामने आई हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के 12 बोर्ड और निगम करीब 6454 करोड़ रुपये से ज्यादा के घाटे में चल रहे हैं। उनके अनुसार हिमाचल प्रदेश बिजली बोर्ड पर 3246 करोड़ रुपये से अधिक का घाटा है, जबकि हिमाचल पथ परिवहन निगम पर करीब 10,966 करोड़ रुपये का बोझ है। उन्होंने यह भी कहा कि कई सरकारी उपक्रमों की वित्तीय स्थिति लगातार कमजोर हो रही है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर पुरानी पेंशन योजना लागू करने के बावजूद अलग पेंशन फंड नहीं बनाने का आरोप भी लगाया। उनका कहना था कि आने वाले समय में इसका अतिरिक्त बोझ सीधे प्रदेश के खजाने पर पड़ेगा और आर्थिक स्थिति और कठिन हो सकती है।

मंजूरी

श्रीनगर में बिजली संकट होगा दूर

कैबिनेट ने विद्युत अवसंरचना के लिए 93 करोड़ रुपये के मेगा प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

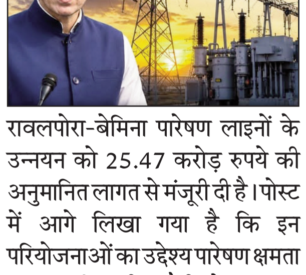

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद ने श्रीनगर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में सुधार लाने और विद्युत पारेषण को मजबूत करने के उद्देश्य से 93 करोड़ रुपये से अधिक की प्रमुख विद्युत अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद ने जैनाकोट ग्रिड सब स्टेशन की क्षमता को 450 मेगावाट से बढ़ाकर 780 मेगावाट करने की 67.66 करोड़ रुपये की लागत को मंजूरी दी है, साथ ही 132 किलोवाट पंपोर-रावलपोरा और रावलपोरा-बेमिना पारेषण लाइनों के उन्नयन को 25.47 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से मंजूरी दी है। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य पारेषण क्षमता बढ़ाकर, बिजली कटौती को कम करके और उपभोक्ताओं के लिए अधिक विश्वसनीय और कुशल बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करके श्रीनगर और आसपास के क्षेत्रों में विद्युत अवसंरचना को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करना है।

सरकार ने युवा सेवा एवं खेल विभाग में फेरबदल का दिया आदेश

जम्मू। जम्मू कश्मीर सरकार ने आज युवा सेवा एवं खेल विभाग में फेरबदल का आदेश दिया है जिसके तहत कई अधिकारियों का तबादला किया गया और उन्हें तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गईं। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार कई प्रभारी जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारियों (डीवाईएसएसओ) और शारीरिक शिक्षा व्याख्याताओं (पीईएल) को जम्मू और कश्मीर के विभिन्न जिलों में तैनात किया गया है। स्थानांतरण आदेश के तहत सुनील कुमार को शोपियां से कठुआ स्थानांतरित किया गया है जबकि सुनील सिंह सांब्याल को कठुआ से सांबा स्थानांतरित किया गया है। धर्मवीर सिंह को सांबा से रियासी तैनात किया गया है और जगदीश राज शर्मा को रामबन से जम्मू के सहायक निदेशक के पद पर स्थानांतरित किया गया है। तरसेम सिंह को रियासी से उधमपुर स्थानांतरित किया गया है। शफकत अहमद जिनके पास गांदरबल के साथ-साथ बारामूला का अतिरिक्त प्रभार था को अब कुपवारा में डीवाईएसएसओ के रूप में तैनात किया गया है। इस बीच निदेशालय से संबद्ध जहूर अहमद वानी और मुश्ताक अहमद पम्पोरी को क्रमशः अनंतनाग और बारामूला के डीवाईएसएसओ के रूप में नियुक्त किया गया है। आदेश में आगे कहा गया है कि वर्तमान में श्रीनगर के डीवाईएसएसओ के रूप में कार्यरत गुलाम हसन लोन को गांदरबल के डीवाईएसएसओ का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त, डोडा, कुलगाम, शोपियां, बडगाम, रामबन और राजौरी सहित कई जिलों में अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

महिलाएं व बच्चे समाज का आधार, इन्हें सशक्त करना सरकार की प्राथमिकता: सैनी

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अगले 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महिलाएं व बच्चे किसी भी समाज व देश का आधार होते हैं, इनको सशक्त किए बिना राष्ट्र सशक्त नहीं हो सकता है। महिलाओं व बच्चों को सशक्त करना हरियाणा सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। महिला एवं बाल विकास विभाग अगले 5 साल की अपनी कार्ययोजना इसी तथ्य को ध्यान में रखकर तैयार करे।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग की आगामी 5 वर्षीय कार्ययोजना की समीक्षा के दौरान दिए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का मकसद एक समावेशी और न्यायसंगत समाज का निर्माण करना है जहां महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार हो, वे हिंसा से मुक्त हों और जहां प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, स्वस्थ और सहायक वातावरण में पाला-पोसा जाए, साथ ही विकास और उन्नति के पूर्ण अवसर प्राप्त हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर बच्चा अपनी आयु के अनुरूप शारीरिक व मानसिक माइलस्टोन कवर कर रहा है या नहीं, यह जांचने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग बच्चों के लिए विविध गतिविधियां शुरू करवाए। हर आयु वर्ग के बच्चों के लिए बेबी शो तथा स्वास्थ्य प्रतियोगिता शुरू करवाई जाए जिनके विजेता बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाए। समाज, परिवार व सरकार के प्रतिनिधियों को भी ऐसे कार्यक्रमों में शामिल किया जाए। इन गतिविधियों से माताओं में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता आएगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के जीवन के पहले 6 साल बहुत महत्वपूर्ण होते हैं जिन पर उनका पूरा भविष्य निर्भर करता है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य व जागरूकता के बिना आदर्श परिवार व स्वस्थ समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है, क्योंकि बच्चों का शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य भी माताओं के हाथों ही सुरक्षित हो सकता है। इसलिए महिलाओं को अधिक से अधिक जागरूक करने की रणनीति को भी विभाग अपनी आगामी कार्य योजना में शामिल करे। महिलाओं को अच्छा माहौल देने तथा सशक्त करने के लिए हर जिले में कामकाजी महिलाओं के लिए वर्किंग वुमैन होस्टल व उनके बच्चों के लिए क्रैच सेंटर भी खोले जाएं।

ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग बेटियों की जन्मदर बढ़ाने के लिए प्रदेश भर में महिलाओं के बीच जन-जागरूकता की विशेष कार्ययोजना तैयार करे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में लिंगानुपात की दर को राष्ट्रीय औसत, 933 से भी अधिक करने का लक्ष्य निर्धारित कर इसे प्राप्त करने की दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने महिलाओं व बच्चों के लिए अनीमिया जांच का लक्ष्य बढ़ाने तथा जरूरत के अनुसार सप्लीमेंट्स उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने 3 साल तक के बच्चों व स्तनपान करवाने वाली महिलाओं को विशेष पोषण सामग्री प्रदान करने के संबंध में भी हिदायतें दीं।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में जिलावार वुमैन एम्पावर इंडेक्स बनाया जाए ताकि पता लग सके कि किस जिले में महिलाओं के लिए सुविधाएं बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्रभावी ढंग से जागरूक करने के लिए जरूरी है कि आंगनवाड़ी वर्कर्स व सहायकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।

महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त एवं सचिव शेखर विद्यार्थी ने बताया कि इस समय प्रदेश में 25962 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इनमें कार्यरत आंगनवाड़ी वर्कर्स व सहायक को महिलाओं व बच्चों से संबंधित कई प्रकार का विवरण ऑनलाइन करना होता है, इसलिए इनकी योग्यता को बढ़ाने तथा आवश्यक उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए विभाग द्वारा प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त एवं सचिव शेखर विद्यार्थी, निदेशक डॉ. प्रियंका सोनी, मुख्यमंत्री के ओएसडी व स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू तथा मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यशपाल यादव अन्य भी उपस्थित थे।

लक्ष्यों को निर्धारित सीमा में पूरा करें अधिकारी: विरेंद्र चौधरी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- 6वीं दिशा की समीक्षा बैठक में दो सप्ताह में पिछले लक्ष्यों को पूरा करने के दिए निर्देश

सांसद नवीन जिंदल तथा उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के निर्देशानुसार जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की समीक्षा बैठक में केंद्र सरकार की योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों को लेकर की गई कार्यवाही बारे चर्चा की गई। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद एवं डी.आर.डी.ए. कुरुक्षेत्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विरेन्द्र चौधरी ने की। वीरवार को जिला के विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने समीक्षा बैठक में भाग लिया गया। इस बैठक में माननीय सांसद नवीन जिन्दल द्वारा मार्च माह में ली गई 6वीं दिशा बैठक में विभिन्न योजनाओं की कार्यवाही रिपोर्ट बारे समीक्षा की गई। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के प्रदर्शन और पिछले लक्ष्यों की प्राप्ति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत लंबित घरों को जल्द पूरा करने तथा प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत गाँव व शहरी क्षेत्र को जोडने वाली सडकों के कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने बारे समय सीमा निर्धारित की गई। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य से सम्बन्धित मुद्दों पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा आंगनवाडी में शौचालयों, बिजली कनेक्शन व पीने के पानी के बारे में भी विशेष रूप से चर्चा की गई। अध्यक्ष सीईओ विरेन्द्र चौधरी ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विभागों ने अभी तक पिछले लक्ष्यों को पूरा नहीं किया है, उन्हें दो सप्ताह में अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी विरेन्द्र चौधरी ने कहा कि दिशा बैठक का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संकल्पबद्ध होकर धरातल पर परिणाम दिखाएं। इस अवसर पर सांसद के निजी सचिव, पीडब्ल्यूडी बीएंडआर के कार्यकारी अभियंता, जिला परियोजना समन्वयक, सहायक परियोजना अधिकारी (डी.आर.डी.ए), बीडीपीओ बाबैन, पिपली व लाडवा सहित जिला के विभिन्न विभागों अधिकारी उपस्थित रहें।

महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर राज्य सरकार गंभीर : आरती सिंह राव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- बीपीएल श्रेणी की महिलाओं और किशोरियों को मिलेंगे निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन
- 20 मई तक कर सकती हैं ऑनलाइन आवेदन

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर पूरी तरह से सजग और गंभीर है। उन्होंने बताया कि ह्लस्वच्छता, सम्मान और सशक्तिकरणह्व के उद्देश्य से महिला एवं किशोरी सम्मान योजना के तहत ह्लमेनस्ट्रुअल हाइजीन मिशनह्व को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 10 से 45 वर्ष आयु वर्ग की बीपीएल श्रेणी की महिलाओं और किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ उन्हें सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आरती सिंह राव ने जानकारी दी कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए लाभार्थियों को सरल प्रक्रिया के तहत निर्धारित पोर्टल पर 20 मई, 2026 तक आवेदन करना होगा। इसके अतिरिक्त, लाभार्थी अपने नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र से भी योजना की जानकारी और सुविधाएं प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना, स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करना है।

सैलजा ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती प्रक्रिया मामले में हाईकोर्ट के फैसले का किया स्वागत

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य कुमारी सैलजा ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा एचपीएससी की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती प्रक्रिया और संबंधित विज्ञापन को रद्द किए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सांसद ने कहा कि लंबे समय से हरियाणा के युवा भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं, बड़ी संख्या में खाली छोड़े गए पदों तथा इंटरव्यू प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा रहे थे और अब अदालत के फैसले ने इन चिंताओं को गंभीरता से स्वीकार किया है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि हालांकि हाई कोर्ट का फैसला युवाओं के संघर्ष को मजबूती देने वाला है, लेकिन वास्तविक जीत उस दिन मानी जाएगी जब एचपीएससी द्वारा लागू किया गया 35 प्रतिशत पात्रता मानदंड पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यही वह सबसे बड़ा कारण है जिसकी वजह से हजारों योग्य अभ्यर्थियों को इंटरव्यू तक पहुंचने का अवसर नहीं मिल पा रहा। जब प्रदेश में नेट, पीएचडी, जेआरएफ और वर्षों का शिक्षण अनुभव रखने वाले हजारों युवा मौजूद हैं, तब अत्यधिक कठोर पात्रता मानदंड लगाकर बड़ी संख्या में पद खाली छोडना युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय है।

सांसद ने कहा कि असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में 2424 पद विज्ञापित किए गए थे, लेकिन बड़ी संख्या में पद रिक्त छोड़ दिए गए। अंग्रेजी विषय में 613 पदों के मुकाबले केवल 151 उम्मीदवारों को ही पास घोषित किया गया और बाद में इनमें से भी बड़ी संख्या बाहर हो गई, जिससे सैकड़ों पद खाली रह गए।

कुमारी सैलजा ने कहा कि यह अंग्रेजी साहित्य के युवाओं के साथ एक प्रकार का अन्याय है। वर्षों तक तैयारी करने वाले योग्य अभ्यर्थियों को अवसर देने के बजाय भर्ती प्रक्रिया को इस तरह सीमित कर देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि फिजिक्स में 300 से अधिक पद रिक्त रखे गए, जबकि मैथ, डिफेंस स्टडी, इकोनॉमिक्स और अन्य विषयों में भी यही स्थिति देखने को मिली। इससे यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब योग्य उम्मीदवार उपलब्ध हैं तो आखिर इतने पद खाली क्यों छोड़े जा रहे हैं। सांसद ने कहा कि केवल असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती ही नहीं, बल्कि अन्य भर्तियों में भी इसी प्रकार के मामले सामने आए हैं। एडीओ और पीजीटी कंप्यूटर साइंस भर्ती में भी भारी संख्या में पद रिक्त रखे गए, जिससे प्रदेश के युवाओं में गहरा असंतोष पैदा हुआ है।

चुनाव खत्म, मोदी की वसूली शुरूः कुमारी सैलजा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दामों में हुई भारी बढ़ोतरी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि चुनाव खत्म होते ही मोदी सरकार ने जनता से वसूली शुरू कर दी है। सांसद ने कहा कि चुनावों तक राहत का दिखावा करने वाली भाजपा सरकार अब आम आदमी की जेब पर सीधा हमला कर रही है। पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दामों में लगातार बढ़ोतरी से महंगाई और बढ़ेगी, जिसका असर हर वर्ग पर पड़ेगा। कुमारी सैलजा ने कहा कि पहले से ही महंगाई से परेशान जनता को अब परिवहन, रसोई गैस, खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं के बढ़ते दामों का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ेगा। भाजपा सरकार की नीतियां केवल बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाली हैं, जबकि आम नागरिक की परेशानियों की कोई चिंता नहीं की जा रही। कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार से तुरंत बढ़े हुए दाम वापस लेने और जनता को राहत देने की मांग की।

संक्षिप्त-समाचार

हरियाणा सरकार ने जिला जन संपर्क एवं कष्ट निवारण समितियों के लिए मंत्रियों का जिलावार आवंटन किया जारी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सहित सभी मंत्रियों को लोगों की शिकायतें सुनने और उनका समाधान करने के लिए विभिन्न जिला जन संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति के लिए जिलावार आवंटन आदेश जारी किये हैं। मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा जारी इस आशय के एक परिपत्र अनुसार मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी गुरुग्राम व सिरसा जिलों की जिला जन संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की अध्यक्षता करेंगे। इसी प्रकार ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज यमुनानगर जिले की, विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार पंचकूला व कुरुक्षेत्र जिलों की, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह रेवाड़ी व हांसी जिलों की, शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा पलवल व सोनीपत जिलों की, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल नूंह व महेंद्रगढ़ जिलों की तथा सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा हिसार व चरखी दादरी जिलों की जिला जन संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की अध्यक्षता करेंगे। इसके अलावा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा करनाल व कैथल, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा पानीपत व झज्जर, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी अंबाला व फतेहाबाद, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी रोहतक, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव फरीदाबाद, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर भिवानी तथा खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम जींद जिले की जिला जन संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की अध्यक्षता करेंगे।

डी.एल.एड. अक्तूबर-2026 परीक्षा के लिए 21 मई से कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा डी.एल.एड. प्रवेश वर्ष-2023-25 व 2024-26 में रि-अपीयर रहे छात्र-अध्यापक एवं प्रवेश वर्ष 2024-26 द्वितीय वर्ष नियमित तथा प्रवेश वर्ष 2025-27 प्रथम वर्ष के नियमित छात्र-अध्यापकों की परीक्षा अक्तूबर-2026 में संचालित करवाई जानी है। इस परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने हेतु तिथियां निर्धारित कर दी गई है। इस परीक्षा हेतु छात्र-अध्यापक 21 मई, 2026 से संबन्धित संस्था की लॉगिन आईडी के माध्यम से बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि रि-अपीयर परीक्षा के लिए शुल्क 800 रुपए प्रति विषय है, एक से अधिक विषयों में रि-अपीयर है तो परीक्षा शुल्क प्रति विषय 200 रुपए अतिरिक्त देय होगा व अधिकतम परीक्षा शुल्क 2000 रुपए प्रति छात्र-अध्यापक होगा। बोर्ड नियमानुसार डी.एल.एड. प्रवेश वर्ष 2025-27 नियमित छात्र-अध्यापकों के लिए परीक्षा शुल्क 4300 रुपए प्रति छात्र दोनों वर्षो के लिए एक मुश्त निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि संबन्धित शिक्षण संस्थान बिना विलंब शुल्क 21 मई से 04 जून, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करना सुनिश्चित करें। इसके पश्चात 100 रुपए विलंब शुल्क सहित 05 जून से 11 जून, 2026 तक, 300 रुपए विलंब शुल्क सहित 12 जून से 18 जून, 2026 तक एवं 1000 रुपए विलंब शुल्क सहित 19 जून से 25 जून, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

केयू कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा पैदल पहुंचे कार्यालय

कुरुक्षेत्र। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से एक वर्ष तक सोना न खरीदने, पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने तथा छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में सहयोग करने के आह्वान के बाद कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में भी सकारात्मक पहल शुरू हो गई है। इसी कड़ी में शुक्रवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा अपने कुलगुरु निवास से कुलगुरु कार्यालय तक पैदल पहुंचे। इस अवसर पर प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विश्वविद्यालय शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि जहां तक संभव हो सके, सभी को अपने निजी वाहनों का कम से कम प्रयोग करना चाहिए तथा पैदल चलने या साइकिल का उपयोग करने की आदत अपनानी चाहिए। प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रहित में छोटे-छोटे कदम उठाए। यदि हम थोड़ी दूरी के लिए वाहन प्रयोग करने की बजाय पैदल चलना या साइकिल चलाना शुरू करें तो इससे न केवल पेट्रोल-डीजल की बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलेगा।

शिकायत को गंभीरता के साथ निपटाया जाए ताकि प्रार्थी को बार बार शिकायत करनी की जरूरत ना पड़े: मीणा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हर विभाग का अधिकारी शिकायत को पूरी गंभीरता के साथ समाधान करना सुनिश्चित करे। इस शिकायत का समाधान करते समय प्रार्थी को संतुष्टद्द करे, ताकि प्रार्थी को एक ही शिकायत बार बार समाधान शिविर या सीएम विंडों पर ना लगानी पडे। इसलिए सभी अधिकारी बार बार एक ही शिकायत करने वाले प्रार्थी को बुलाकर उसकी समस्या का समाधान करना सुनिश्चित करे। इसके साथ ही निर्धारित समय अवधि से ज्यादा समय तक लंबित रहने वाली शिकायतों का निपटारा भी जल्द से जल्द करना सुनिश्चित किया जाए और अधिकारी समाधान करने उपरांत पोर्टल पर एक्शन टेकन रिपोर्ट अपलोड करना सुनिश्चित करे। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी, सीपीजीआरएएमएस और जनसंवाद की समीक्षा बैठक में अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अब तक समाधान शिविर में 8046 शिकायतें प्राप्त हुई, इनमें से 5348 शिकायतों का समाधान कर दिया गया है। इसके अलावा सीएम विंडो से संबंधित अब तक 12133 शिकायतें प्राप्त हुई है जिनमें से 11895 शिकायतों का समाधान कर दिया गया है ,जबकि 74 शिकायतें ओवर ड्यू है और 113 शिकायत इन एक्शन है। उन्होंने बताया कि जन संवाद में 511 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें 134 इन एक्शन है और 94 शिकायतें ओवर ड्यू है। उन्होंने अधिकारियों को कहा की जल्द से जल्द सोशल मीडिया ग्रीवेंस से संबंधित 52 समस्याओं का समाधान करें तथा उसकी एटीआर भी पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने कहा कि सीपीजीआरएएमएस से संबंधित 17 शिकायतें पेंडिंग है जिसका समाधान भी समय रहते करें। उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों की पोर्टल पर डिटेल जानकारी अपडेट करें, ताकि शिकायतें दोबारा ओपन ना हो। अधिकारियों की रिमार्क्स स्पष्ट ना होने के कारण शिकायतों की पेंडिंग में संख्या ज्यादा है। इनको कम करने के लिए जांच रिपोर्ट भरकर विस्तृत जानकारी पोर्टल पर अपडेट करें। जिन शिकायतों का समाधान संभव नहीं है उन शिकायतों को जांच रिपोर्ट के साथ तुरंत प्रभाव से रिजेक्ट करें और पोर्टल पर डाटा अपडेट करें। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि वो समाधान शिविर में आने वाले शिकायतों को गंभीरता से लें और शिकायतों का समयबद्ध तरीके से समाधान करें। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य,सीओ केडीबी पंकज सेतिया,थानेसर के एसडीएम अमन कुमार, नगराधीश आशीष कुमार ,जिला राजस्व अधिकारी चेतना चौधरी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

खेल उपलब्धियों पर वेतनवृद्धि के लिए हरियाणा सरकार के नए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- कर्मचारी का दावा स्वीकृत होने के अगले महीने से प्रभावी होगी इंक्रीमेंट
- प्रतियोगिता के समापन की तिथि से एक वर्ष के भीतर करना होगा दावा

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले हरियाणा सरकार के कर्मचारियों के लिए अब खेल उपलब्धियों के आधार पर स्वीकृत वेतनवृद्धि संबंधित सक्षम प्राधिकारी द्वारा दावा स्वीकृत किए जाने के अगले महीने से प्रभावी होगी। पात्र सरकारी कर्मचारी को यह दावा संबंधित खेल प्रतियोगिता के समापन की तिथि से एक वर्ष के भीतर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सरकारी कर्मचारियों को प्रदान किए जाने वाले प्रोत्साहनों और वेतनवृद्धि संबंधी प्रावधानों को और अधिक स्पष्ट एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नए निर्देश जारी किए हैं। नए निर्देशों के तहत वर्ष 1990 में जारी पूर्व निर्देशों की समीक्षा के बाद खेल उपलब्धियों पर प्रदान की जाने वाली वेतनवृद्धि (इंक्रीमेंट) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अतिरिक्त प्रावधान जोड़े गए हैं। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में एक पत्र जारी किया गया है। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि आउटसोर्सिंग स्पोर्ट्स पर्सन्स पॉलिसी के तहत प्रत्यक्ष नियुक्ति प्राप्त खिलाड़ियों को इन निर्देशों के अंतर्गत अतिरिक्त वेतनवृद्धि का लाभ नहीं दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा पहले से ही राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण शिविरों, पर्वतारोहण अभियानों तथा सिविल सर्विसेज खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सरकारी कर्मचारियों को विशेष सुविधाएं प्रदान की जाती रही हैं। इनमें प्रतियोगिता अवधि को ड्यूटी मानना, विशेष आकस्मिक अवकाश, यात्रा सुविधाएं तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन पर वेतनवृद्धि जैसी प्रोत्साहन योजनाएं शामिल हैं। सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों एवं निगमों के प्रबंध निदेशकों, मंडल आयुक्तों, उपायुक्तों, विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि इन प्रावधानों की जानकारी सभी संबंधित कर्मचारियों तक पहुंचाई जाए तथा उनका सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड्स और हरियाणा युवा विज्ञान रत्न अवार्ड्स के लिए नामांकन आमंत्रित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित करने के लिए हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड्स और हरियाणा युवा विज्ञान रत्न अवार्ड्स के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2026 के लिए घोषित इन पुरस्कारों के तहत हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड में चयनित वैज्ञानिक को 5 लाख रुपये की नकद राशि, प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। यह पुरस्कार उन प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के लिए है, जिनकी आयु 40 वर्ष से अधिक है और जिन्होंने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इसी प्रकार, हरियाणा युवा विज्ञान रत्न अवार्ड के तहत 40 वर्ष से कम आयु के युवा वैज्ञानिकों को 1 लाख रुपये की नकद राशि, प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और राज्य में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। प्रवक्ता ने आगे बताया कि इन पुरस्कारों के लिए वही वैज्ञानिक पात्र होंगे, जिन्होंने हरियाणा में 10 वर्ष या इससे अधिक समय तक कार्य किया हो या शिक्षा प्राप्त की हो, अथवा जो हरियाणा के निवासी हों। हरियाणा युवा विज्ञान रत्न अवार्ड के नामांकन के लिए आयु की गणना 31 दिसंबर 2026 तक की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल ताजा नामांकन ही स्वीकार किए जाएंगे और स्वयं-नामांकन किसी भी स्थिति में मान्य नहीं होगा। सरकार ने इच्छुक उम्मीदवारों और संस्थाओं से अपील की है कि वे विस्तृत दिशा-निर्देशों के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट करें और अपने नामांकन 31 जुलाई 2026 तक परिषद के कार्यालय में भेजना सुनिश्चित करें।

सुपवा का एडमिशन पोर्टल लॉन्च, दाखिला प्रक्रिया शुरू, अंडर ग्रेजुएट कोर्सेज के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

सिटी दर्पण संवाददाता
रोहतक

- पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सेज के लिए 2 जून से होगा रजिस्ट्रेशन
- पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए क्वालिटी एडमिशन पर रखें फोकस : डॉ आर्य

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में अंडर ग्रेजुएट कोर्सेज में दाखिले के लिए शुक्रवार को एडमिशन पोर्टल लॉन्च किया गया। इसके साथ ही अंडर ग्रेजुएट कोर्सेस में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई, जबकि पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सेज के लिए 2 जून से रजिस्ट्रेशन विंडो ओपन होगी। एडमिशन पोर्टल लॉन्चिंग के साथ ही साल 2026-27 के लिए यूनिवर्सिटी के प्रोस्पेक्ट्स का विमोचन भी किया गया।

फैकेल्टी ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के कॉफ्रेंस रूम में एडमिशन पोर्टल लॉन्च करते हुए कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने कहा कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शिता के साथ अपनाते हुए क्वालिटी एडमिशन पर फोकस रखा जाए। यूनिवर्सिटी परिसर में तुरंत हेल्प डेस्क शुरू कर दिया जाए, ताकि दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों व उनके अभिभावकों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस बार हेल्प डेस्क पर मोबाइल नंबरों के अलावा लैंड लाइन नंबर भी उपलब्ध रहेंगे, जिन पर छात्र दाखिले से संबंधी जानकारी हासिल कर सकेंगे। हेल्प डेस्क पर सभी फैकेल्टी और स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। इस दौरान रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा, डीन अकेडमिक अफेयर्स डॉ अजय कौशिक, एफटीवी के एफसी महेश टीपी, डिजाइन की एफसी डॉ शैली खन्ना, विजुअल आर्ट्स के एफसी विनय कुमार, आर्किटेक्चर के एफसी अजय बाहू जोशी, डायरेक्टर आईटी डॉ सीमा और अन्य विभागों के एचओडी भी मौजूद रहे।

कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने बताया कि इस बार डीएलसीसुपवा में दो नए पीजी कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। ये विजुअल आर्ट्स फैकेल्टी व डिजाइन फैकेल्टी में संचालित होंगे। ये मास्टर ऑफ विजुअल आर्ट्स इन प्रिंटमेकिंग व मास्टर ऑफ डिजाइन इन टेक्सटाइल डिजाइन होंगे। ग्रेजुएशन पूरी करने वाले छात्र इनमें दाखिला ले सकेंगे।

15 मई को सुपवा की वेबसाइट पर एडमिशन पोर्टल लॉन्चिंग के साथ ही यूजी कोर्सेज के लिए ऑनलाइन एडमिशन फॉर्म भरने की शुरूआत। 26 जून तक रजिस्ट्रेशन फीस के साथ भरे जा सकेंगे ऑनलाइन एडमिशन फॉर्म। 3 जुलाई को यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर एडमिट कार्ड उपलब्ध होंगे। 16 से 18 जुलाई तक प्रवेश परीक्षा व स्किल टेस्ट चलेंगे। 23 जुलाई को वेबसाइट व यूनिवर्सिटी के नोटिस बोर्ड पर फाइनल परिणाम घोषित होगा। 27 जुलाई को विजुअल आर्ट्स फैकेल्टी के तहत चलने वाले कोर्सेज की पहली काउंसिलिंग होगी, इसके साथ ही छात्र एडमिशन फीस जमा करा सकेंगे। 28 जुलाई को डिजाइन फैकेल्टी के तहत चलने वाले कार्सेज की पहली काउंसिलिंग की जाएगी व चयनित छात्र फीस जमा करा सकेंगे। फिल्म एंड टेलीविजन फैकेल्टी के तहत चलने वाले कोर्सेज की पहली काउंसिलिंग 27 से 29 जुलाई तक चलेगी और छात्र अपनी फीस जमा करा सकेंगे। 3 अगस्त को नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होगी।

2 जून को सुपवा की वेबसाइट पर पीजी कोर्सेज के लिए ऑनलाइन एडमिशन फॉर्म भरने की शुरूआत होगी, 10 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन फीस के साथ ऑनलाइन एडमिशन फॉर्म भरे जा सकेंगे।

17 जुलाई को यूनिवर्सिटी की वेबसाइट व नोटिस बोर्ड पर फाइनल परिणाम घोषित होगा। 24 जुलाई को पहली काउंसिलिंग होगी, इसके साथ ही छात्र एडमिशन फीस जमा करा सकेंगे। 3 अगस्त को नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होगी।

संपादकीय

भारत-यूएईः रक्षा और ऊर्जा की नई इबारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) यात्रा महज एक औपचारिक राजनयिक भेंट नहीं थी – यह उस सुदृढ़ होती साझेदारी का प्रमाण थी जो भारत और यूएई के बीच पिछले कुछ वर्षों में असाधारण गति से विकसित हुई है। पीएम मोदी की यूएई यात्रा के दौरान भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा तथा आधारभूत संरचना में निवेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह यात्रा पीएम मोदी के पाँच देशों के दौरे की पहली कड़ी थी, और इसने स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अपनी विदेश नीति में खाड़ी देशों को कितनी प्राथमिकता देता है। यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और पिछले पच्चीस वर्षों में संचयी निवेश के मामले में सातवाँ सबसे बड़ा स्रोत रहा है। यूएई में साढ़े चार लाख से अधिक भारतीय निवास करते और कार्य करते हैं। यह आँकड़ा अपने आप में बताता है कि दोनों देशों के बीच संबंध केवल सरकारी स्तर पर नहीं, बल्कि जन-जन के स्तर पर भी कितने गहरे हैं। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा रहा। यूएई भारत की ऊर्जा सुरक्षा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है। पिछले वर्ष यूएई भारत के कच्चे तेल का चौथा सबसे बड़ा स्रोत रहा और उसने भारत की कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग ग्यारह प्रतिशत पूरा किया। तरलीकृत प्राकृतिक गैस यानी एलएनजी के मामले में यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। इसके अलावा, यूएई तरलीकृत पेट्रोलियम गैस अर्थात एलपीजी का भारत को सबसे अधिक आपूर्ति करने वाला देश है और भारत की कुल एलपीजी आवश्यकता का करीब चालीस प्रतिशत वहीं से आता है। ऐसे में यह यात्रा ऐसे नाजुक समय में हुई जब पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधाओं ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को अस्थिर कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावी रूप से बंद हो जाने से वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर गंभीर दबाव पड़ा है, और इस परिप्रेक्ष्य में भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक हो गया है। भारत और यूएई के अधिकारियों ने संकेत दिया कि रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा एलपीजी आपूर्ति से संबंधित दो महत्वपूर्ण समझौतों पर शीघ्र ही हस्ताक्षर होने की संभावना है। वैश्विक आपूर्ति में अनिश्चितता के बीच ये समझौते भारत को दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करेंगे। रक्षा क्षेत्र में भी इस यात्रा ने एक नया अध्याय लिखा। दोनों देशों के बीच एक रणनीतिक रक्षा साझेदारी रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जो बढ़ते सुरक्षा एवं सैन्य सहयोग को दशार्ता है। यह समझौता इस बात का प्रतीक है कि दोनों देशों के बीच संबंध अब व्यापार और ऊर्जा से आगे बढ़कर रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भी गहरे हो रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है। दो दशक पहले तक जो रिश्ता मुख्यतः प्रवासी मजदूरों के धन प्रेषण और तेल व्यापार तक सीमित था, वह आज एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी का रूप ले चुका है। यूएई ने भारत में आधारभूत संरचना परियोजनाओं के साथ-साथ आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल जैसी वित्तीय संस्थाओं में पाँच अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की। अधिकारियों ने इन समझौतों को भारत-यूएई संबंधों के पारंपरिक व्यापार और ऊर्जा दायरे से बाहर निकलकर रक्षा, लॉजिस्टिक्स, वित्त और आधारभूत संरचना क्षेत्रों में विस्तार का संकेत बताया। यह निवेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की आर्थिक विश्वसनीयता में खाड़ी देशों के बढ़ते भरोसे को दशार्ता है। भारत और यूएई के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते यानी सीईपीए के बाद द्विपक्षीय व्यापार सौ अरब डॉलर से अधिक हो गया है और अब दोनों देश इसे दोगुना करके दो सौ अरब डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। यूएई के साथ भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी है और पीएम मोदी अब तक सात बार यूएई की यात्रा कर चुके हैं, जबकि यूएई के राष्ट्रपति भी पाँच बार भारत आ चुके हैं। इसके अलावा उनके शाही परिवार के कई सदस्य भी भारत का दौरा कर चुके हैं। यह तथ्य इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है कि यह साझेदारी कितनी सुसंगत और निरंतर है। इस यात्रा को व्यापक भू-राजनीतिक संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। यह यात्रा पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास अस्थिरता से जुड़ी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान की बढ़ती चिंताओं के बीच हुई। इस पृष्ठभूमि में भारत और यूएई ने आर्थिक लचीलेपन, संपर्क और क्षेत्रीय स्थिरता पर बल दिया। यह दृष्टिकोण भारत की उस विदेश नीति के अनुरूप है जो बहुध्रुवीय विश्व में संतुलन साधते हुए अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करती है। भारत न तो किसी एक खेमे में बंधता है और न ही किसी संघर्ष का हिस्सा बनता है, बल्कि वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और रणनीतिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कूटनीतिक संतुलन बनाए रखता है। यूएई के साथ भारत का यह गहराता रिश्ता एक बड़े सामरिक विचार का भी प्रतिफल है। खाड़ी क्षेत्र में भारत की बढ़ती उपस्थिति उसे न केवल ऊर्जा आपूर्ति में सुरक्षित करती है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत बनाती है। भारत और यूएई संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 को क्रियान्वित कर रहे हैं, जो द्विपक्षीय व्यापार, निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा तथा नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग का व्यापक रोडमैप है। संक्षेप में, पीएम मोदी की यह यात्रा भारत-यूएई संबंधों में एक नए युग का सूत्रपात करती है। यह युग केवल तेल और व्यापार का नहीं, बल्कि रक्षा, प्रौद्योगिकी, निवेश और रणनीतिक समन्वय का भी है। जब दुनिया भर में अनिश्चितता का माहौल है, तब इस तरह की सुदृढ़ साझेदारियाँ ही किसी देश की असली ताकत होती हैं। भारत इस दिशा में सही कदम उठा रहा है और यूएई यात्रा उसकी इसी दूरदर्शी कूटनीति की जीवंत मिसाल है।

अर्थव्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री की सात सूत्री पहल क्यों जरूरी?

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल (हि.स)

जब से संघर्ष शुरू हुआ है, दुनिया में अफरातफरी मची हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से स्थिति और भी बिगड़ गई है, जिससे सप्लाई चेन में दिक्कतें आ गई हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि पेट्रोलियम उत्पादों और जरूरी चीजों की सप्लाई कम हो गई है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। कई देशों में पेट्रोल, डीजल और खाद की कमी के कारण हालात खराब हो गए हैं, जिसका असर आम लोगों के साथ-साथ व्यापार और उद्योग पर भी पड़ रहा है। पेट्रोलियम उत्पादों और जरूरी चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, जिससे आम लोगों और सरकार, दोनों पर दबाव बढ़ गया है। हालाँकि, भारत सरकार इस संकट को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कहीं बेहतर तरीके से संभाल रही है, फिर भी हमें भविष्य में ऐसी ही किसी तबाही से बचने के लिए विचार करना चाहिए और जरूरी कदम उठाने चाहिए।

विदेशी मुद्रा रिजर्व क्यों महत्वपूर्ण है ?

किसी भी देश के लिए विदेशी मुद्रा रिजर्व आवश्यक है। यह देश को विभिन्न तरीकों से लाभान्वित करता है। यह देश की अंतरराष्ट्रीय व्यापार करने की क्षमता को दशार्ता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को अमरीकी डॉलर जैसी प्रमुख मुद्राओं के उपयोग की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, यह हमारे मामले में रुपये, स्थानीय मुद्रा की स्थिरता में योगदान देता है। आरबीआई भारतीय रुपया के मूल्य पर नजर रखता है और यदि यह गिरता है तो यह मुद्रा स्थिर रखने के लिए कुछ डॉलर बेचता है। अंतरराष्ट्रीय ऋण आमतौर पर अमेरिकी डॉलर या यूरो जैसी मुद्राओं में बने होते हैं और एक ही मुद्रा में चुकाया जाना चाहिए। नतीजतन, विदेशी मुद्रा रिजर्व महत्वपूर्ण है या अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां देश को डिफॉल्ट घोषित कर सकती हैं।

यदि देश में आर्थिक उथल-पुथल है या दुनिया मंदी में है तो विदेशी मुद्रा रिजर्व एक बफर के रूप में कार्य करता है, जिससे देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखा जाता है। निवेशक बड़े विदेशी मुद्रा भंडार वाले देशों में निवेश करने के इच्छुक हैं क्योंकि यह उन्हें विश्वास दिलाता है कि उनका पैसा उसी मुद्रा में वापस कर दिया जाएगा जिसमें उन्होंने निवेश किया था। संक्षेप में, विदेशी मुद्रा रिजर्व आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ कठिन समय के दौरान तरलता के स्रोत के लिए एक नींव के रूप में कार्य करता है।

सात बिंदु जिन पर प्रधानमंत्री ने संयम बरतने का आग्रह किया

ईंधन की खपत कम करेंः जब वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो भारत पर इसका असर तुरंत होता है। आयात बिल बढ़ जाते हैं, रिफाइनरी के मार्जिन कम हो जाते हैं और मुद्रा कमजोर हो जाती है। वित्त वर्ष 2025-26 में कच्चे तेल का आयात बिल लगभग 137 अरब डॉलर तक पहुँच गया था; यह एक ऐसा आँकड़ा है जो सभी उद्योगों में महँगाई और लॉजिस्टिक्स की लागत को प्रभावित करता है। इस बात का विश्लेषण करें कि विदेशी मुद्रा भंडार पर कितना दबाव पड़ता है। ईंधन बचाने के लिए हमें सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो, ट्रेन, बस, या कार पूलिंग का उपयोग करना चाहिए।

आम नागरिकों के लिए, इसका अर्थ है परिवहन के बढ़े हुए किराए और वस्तुओं की बढ़ी हुई कीमतें। रिफाइनरियों के लिए इसका अर्थ है कच्चे तेल के चयन, प्रक्रिया की दक्षता और रखरखाव की विश्वसनीयता पर लगातार ध्यान देना- ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ लागत नियंत्रण में इंजीनियरिंग की सीधी भूमिका होती है।

भारत जैसे विशाल राष्ट्र के लिए, ऊर्जा आपूर्ति की दीर्घकालिक रणनीति स्वदेशी संसाधनों पर आधारित होनी चाहिए और इसमें विभिन्न ऊर्जा स्रोतों के इष्टतम संतुलन का उपयोग आवश्यक है। बड़े पैमाने पर कोयले की खपत से जुड़ी पर्यावरणीय कठिनाइयों के अलावा यह भी रेखांकित करना महत्वपूर्ण है कि कोयले के भंडार सीमित हैं। सौर ऊर्जा और अन्य गैर-पारंपरिक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इनका उपयोग यथासंभव अधिकतम सीमा तक किया जाना चाहिए। इसका उद्देश्य तेल पर अत्यधिक निर्भरता से जुड़े जोखिमों को कम करना है, न कि इसका उपयोग पूरी तरह से बंद करना। एक-एक कदम बढ़ाते हुए, भारत स्मार्ट आयात और स्वच्छ ऊर्जा के विकल्पों को मिलाकर एक अधिक सुदृढ़ और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य का निर्माण कर रहा है।

सोने की खरीदीः भारत दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक सोना खरीदता है। हर साल, देश 700 से 800 टन सोने का उपयोग करता है; इसकी मुख्य वजह घरों, शादियों, त्योहारों, निवेश के उद्देश्यों और ग्रामीण बचत से आने वाली भारी माँग है। हालाँकि, घरेलू उत्पादन प्रतिवर्ष केवल 1 से 2 टन तक सीमित होने के कारण भारत अपनी सोने की 90% से अधिक आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर है। वर्ष 2025 में, भारत ने लगभग 72 अरब डॉलर का सोना आयात किया, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ा। क्या हम एक वर्ष के लिए सोने की खरीद टाल सकते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुझाव दिया है ?

उर्वरक का इस्तेमालः वर्ष 2025 में भारत ने लगभग 15 अरब डॉलर मूल्य के उर्वरकों का आयात किया। इसका असर न सिर्फ. विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है, बल्कि पर्यावरण और किसानों पर भी पड़ता है; इसलिए हमें भारतीय खेती की ओर लौटना चाहिए, जो आर्थिक रूप से जरूरी भी है और पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए फायदेमंद भी।

खाने का तेलः 2025 में भारत ने लगभग 19 अरब डॉलर का खाने का तेल आयात किया। प्रधानमंत्री ने इसमें 10% की कटौती का आग्रह किया, जो स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होगा।

विदेश यात्राः 2025 में 3.27 करोड़ भारतीयों ने विदेश यात्रा की, जिस पर 15 से 16 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च हुए। इससे विदेशी मुद्रा भंडार पर और दबाव पड़ा; इसके बजाय हमें अपने ही देश में यात्रा करनी चाहिए, जहाँ सुंदर पर्यटन स्थल, सांस्कृतिक विरासत स्थल और प्राकृतिक आकर्षण मौजूद हैं। 'डेस्टिनेशन वेडिंग' (शादी के लिए किसी खास जगह पर जाना) सिर्फ.भारत में ही होनी चाहिए।

घर से कामः ईंधन की खपत कम करने का एक और तरीका है 'घर से काम' करने की उस प्रथा को फिर से शुरू करना, जिसे हमने कोरोना महामारी के दौरान अपनाया था। वर्चुअल मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधाएँ पहले से ही मौजूद हैं। उम्मीद है कि उद्योग जगत प्रधानमंत्री के इस आग्रह को गंभीरता से लेगा।

भारत के विकास के लिए आत्मनिर्भरता क्यों आवश्यक है ?

पिछली सरकारों द्वारा स्थापित नियमों और संस्थानों ने विनिर्माण या सेवा क्षेत्र शुरू करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए कठिन परिस्थितियाँ और मानसिक पीड़ा उत्पन्न की, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था चीन की तुलना में काफी कमजोर रही। टाटा, अंबानी, अदानी, महिंद्रा और कई अन्य जैसे हमारे अग्रदूतों के दृढ़ संकल्प और लगन के कारण हम कठिन परिस्थितियों में भी अपनी क्षमताओं के प्रति भारतीयों में गर्व और विश्वास जगा पाए। स्थिति बदल रही है, और इन उत्पादों के स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है और ₹मेक इन इंडिया₹ उत्पादों के साथ मजबूत भावनात्मक जुड़ाव के साथ इनका प्रचार किया जा रहा है। भारत निर्मित उत्पादों के खरीदार और विक्रेता के बीच संबंध जितना मजबूत होगा, अर्थव्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी, जिसके परिणामस्वरूप अधिक रोजगार सृजित होंगे। इससे हम मूल रूप से शुद्ध निर्यातक बन जाएंगे।

बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भारत आने वाले वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर बड़ी भूमिका निभाएगा, साथ ही सभी के लाभ के लिए आध्यात्मिक और समग्र विकास उन्मुख दृष्टिकोण अपनाएगा और पर्यावरण को संतुलित और पोषित करेगा। वर्तमान सरकार की व्यापार-समर्थक नीतियां, साथ ही कुशल और जानकार कार्यबल, प्रत्येक क्षेत्र को मजबूत करेंगे और अर्थव्यवस्था को चीन से प्रतिस्पर्धा करने के लिए नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी ने ₹वोकल फॉर लोकल₹ की घोषणा करते हुए ₹आत्मनिर्भर भारत₹ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विभिन्न उत्पादों के स्वदेशी विनिर्माण में सहायता करके हम अब भारत की आत्मनिर्भरता की सही राह पर अग्रसर हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शिक्षा और परीक्षा : साख बहाल करने का सवाल

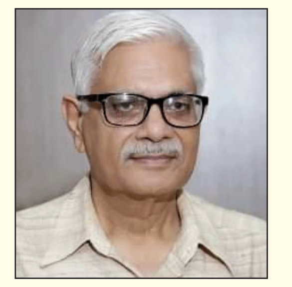

गिरीश्वर मिश्र (हि.स)

मेडिकल प्रवेश परीक्षा यानी ह्यनीटह्ण में पेपर लीक की ताजा घटना ने एक बार फिर पूरे देश, खास तौर पर युवा और किशोर वर्ग को झकझोर दिया है। देशभर के लाखों परीक्षार्थियों के वर्षों के परिश्रम और उनकी खुद और परिवार वालों की आशाओं और आकांक्षाओं पर पानी फिर गया। बड़े परिश्रम और अच्छे खासे पैसे लगा कर कोचिंग आदि से तैयारी कर परीक्षा की दहलीज पर पहुंचने के बाद कुछ थोड़े से धनलोलुप आपराधिक तत्वों की करतूत ने युवा वर्ग को बड़ा निराश किया। वे अब कुंठा और अनिश्चय के दौर में पहुँच रहे हैं।पर यह घटना किसी भी तरह आकस्मिक नहीं कही जा सकती क्योंकि पिछली परीक्षा में हुई नीट पेपर लीक की सीबीआई जांच अभी खत्म नहीं हुई है। वह कब पूरी होगी और उसका क्या हश्र होगा किसी को नहीं मालूम। अर्थात यह तो नहीं कहा जा सकता कि सरकारी तंत्र को इस तरह की आशंका का कोई अंदेशा न रहा हो। तब भी परीक्षा की एजेंसी सजग नहीं हुई और जरूरी एहतियात बरतने में कोताही हुई और उसका परिणाम सामने है।यह समाज के प्रति गैर ज़िम्मेदारी भरा अक्षम्य अपराध है। अनंत कालीन जाँच बिठाकर चीजों को मुल्तबी न रख इस घटना की जिम्मेदारी तय कर अविलंब उचित कारवाई की जानी चाहिए।

गौरतलब है कि प्रवेश-परीक्षा की पहले से चली आ रही पुरानी व्यवस्था को सुधारने के लिए एनडीए की सरकार द्वारा वर्ष 2017 में राष्ट्रीय स्तर की एक स्वायत्त व्यवस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' (एनटीए) को स्थापित करने का निर्णय लिया गया। परीक्षाओं के प्रकार और परीक्षार्थियों की निरंतर बढ़ती संख्या के चलते यह सुधार बहुत जरूरी था।एनटीए का उद्देश्य रखा गया था कि उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली एक मानक व्यवस्था को भारत में प्रतिष्ठित किया जाय। युवा प्रधान देश में परीक्षा की विकराल होती जा रही चुनौती के लिए इस पहल को रामबाण जैसा समझ गया। विकसित भारत के लिए योग्य मानव संसाधन तैयार करने में इस एजेंसी की बड़ी भूमिका है। यह सोच कर एनटीए के संचालन के लिए एक आईएएस स्तर का डीजी, अध्यक्ष, डाइरेक्टर, ज्वाइंट डायरेक्टर आदि के साथ उच्चस्तरीय प्रबंधकीय अमला तैयार हुआ। सारी व्यवस्था की देखरेख के लिए एनटीए की अपनी प्रबंध समिति का भी प्रावधान किया गया जिसे पूरी तरह से अधिकार संपन्न बनाया गया।

सरकार और आम जनता सबको यह आशा थी कि प्रोफेशनल दृष्टि से काम करने वाली एनटीए परीक्षा की व्यवस्था में जमीनी परिवर्तन ला सकेगी। यानी अखिल भारतीय स्वरूप वाली यह संस्था प्रवेश परीक्षाओं का काम राष्ट्रीय स्तर पर निष्पक्ष, विश्वसनीय, त्वरित या समय पर और स्तरीय ढंग से संपादित करेगी। परीक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाने के लिए कटिबद्ध सरकार को इस संस्था से बड़ी आशाएँ थीं। अब जिस तरह परीक्षा संचालन में लगातार चूक हो रही है उससे कई सवाल पैदा हो रहे हैं। परीक्षा की शुचिता और मानकों को बनाये रखने की जिम्मेदारी से एनटीए किसी भी तरह नहीं मुकर सकता। पेपर लीक की बार-बार की घटनाओं के चलते एनटीए का यह प्रयोग और उसकी कार्य प्रणाली अब संदेह के घेरे में आ रहे हैं। शायद एनटीए को पूरी तैयारी के साथ अमल में लाने का कम भी अभी पूरा नहीं हुआ है।

स्मरणीय है कि एनटीए की व्यवस्था के पहले प्रवेश परीक्षाओं का विकेंद्रीकरण था और उच्च शिक्षा की संस्थाएं अपने स्तर पर परीक्षा कराती थीं और उनकी अपनी जिम्मेदारी बनती थी। वे परीक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने में रुचि भी लेती थीं क्योंकि उसके साथ उन संस्थाओं की निजी साख भी जुड़ी रहती थी । शिक्षा और परीक्षा का निकट संबंध रहता था। अब ये संस्थाएं उदासीन रहती हैं और बाहर से लादी जाने वाली आरोपित व्यवस्था से उनका बहुत कम लगाव रहता है। दूसरी ओर धीरे-धीरे सभी प्रवेश परीक्षाओं को एनटीए को सुपुर्द करते जाने की प्रथा भी चल पड़ी है। ऐसी हालत में उनके काम का दायरा भी अब बहुत विस्तृत हो चुका है जो संभवतः उनकी अपनी क्षमता से बाहर जा रहा है।

यह देश का दुर्भाग्य है कि आज के माहौल में प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में किसी न किसी तरह सेंध लगा कर परीक्षा-परिणाम को प्रभावित कर जैसे-तैसे जबरदस्ती अपने पक्ष में करने-कराने के मामले लोगों को अब चौकाते नहीं हैं। चूँकि सीटें कम होती हैं और अभ्यर्थी बहुत ज्यादा इसलिए प्रवेश के लिए मारामारी मची रहती है। परीक्षा के पेपर लीक की घटनाएँ कई तरह की परीक्षाओं में पिछले दशकों में पहले भी सामने आ चुकी हैं। यदि इस घटना को अपराध के रूप में देखें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि इनसे जुड़े अपराधियों पर उन मामलों में कानूनी झमेले कुछ ऐसे चलते हैं कि समय पर कोई ठोस कार्रवाई ही नहीं हो पाती है। इस तरह के ज्यादातर मामलों में सबूत के अभाव में अपराधियों को दंडित करना लगभग असंभव होता रहा है। वाइरस सरीखी तेजी से फैलती इन घटनाओं के तार भी जगह-जगह से जुड़े होते हैं। आसानी से धन कमाना ही इसके मूल में होता है और उसके अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष लाभार्थी अनेक होते हैं।

इस तरह की घटना यह तथ्य भी सामने लाती है कि मुख्यधारा की औपचारिक शिक्षा तेजी से अपनी साख खोती जा रही है। शिक्षा के व्यापारीकरण का कई रूप ले रहा है। इसके ही अंग के रूप में कोचिंग का महामारी जैसा फैलता विशाल धंधा भी बदस्तूर जारी है जिसकी आज एक बड़ी भारी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। अनुमान है कि जेईई, नेट तथा नीट आदि विभिन्न परीक्षाओं की कोचिंग के बाजार की कीमत इस समय अट्ठावन हजार करोड़ रुपयों की है। यह नफे का व्यापार एक समानांतर शिक्षा व्यवस्था का रूप ले चुका है। अनुमान यह भी है कि लगभग 95 प्रतिशत स्कूली बच्चे इसमें शामिल हो कर परीक्षाओं की तैयारी में लगे हुए हैं। संस्थाओं में नियमित औपचारिक शिक्षा की जगह कोचिंग द्वारा शिक्षा की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। कोटा, दिल्ली, पुणे और पटना जैसे शहर आज कोचिंग के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। अब स्कूली बच्चों के माता-पिता कोचिंग को एक अनिवार्य इन्वेस्टमेंट मानने लगे हैं। शिक्षा का यह यथार्थ विद्यालयों में चल रही औपचारिक शिक्षा के खोखलेपन की पुष्टि करता है।

इन सबका सम्मिलित परिणाम यह है कि पेपर लीक करने और नकल कराने जैसी घटनाएँ कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इस तरह की चेष्टा पर लगाम लगा कर कम करने के उपायों का कोई असरदार फल नहीं दिखता। सच्चाई यही है कि ऐसी वारदात देश के कई कोनों में होती रही हैं। इसमें विभिन्न प्रकार की परीक्षाएं शामिल होती रहीं हैं और उनका दायरा लगातार बढ़ता गया है । दुस्साहस, बेईमानी, और तिकड़म की सहायता से लोग अपनी सफलता को सुनिश्चित करने का नायाब नुस्खा तैयार करने में लगे रहते हैं। पढ़ाई से अधिक परीक्षा में अच्छे नंबर लाने के लिए शॉर्टकट तरीकों को पहचानने में अब लोग अधिक मन लगाते हैं। वैसे भी सामाजिक परिवेश में परिश्रम और योग्यता का होना न होना अब ज्यादा महत्व नहीं रखता। अब लोग मानने लगे हैं कि योग्यता, चरित्र और कार्य कुशलता जैसे सद्गुण परीक्षाओं में सफलता और नौकरी पाकर नियुक्ति हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं होते। उसके लिए योग्यता के कुछ अतिरिक्त उद्योग करना पड़ता है।

शैक्षिक परिसर की साख घट रही है। इंटर, बीए/बीएससी और एमए/एमएससी की औपचारिक पढ़ाई और उसकी डिग्री पर अब किसी का भरोसा नहीं रहा। अगली कक्षा में स्वाभाविक प्रवेश संभव नहीं होता है। उसके लिए भी परीक्षा देनी होती है। इंटर के बाद स्नातक परीक्षा में प्रवेश के लिए एनटीए की राष्ट्रीय परीक्षा के नंबर निर्णायक होते हैं। पढ़ाई और ज्ञान की जगह परीक्षा में पाए जाने वाले अंक ही काम आते हैं। लगातार बढ़ती बेरोजगारी के वर्तमान दौर में अवसरों की कमी के चलते प्रतिस्पर्धी छात्रों पर सफलता पाने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

परीक्षाओं में सफलता पाना कठिन हो रहा है और हमारी शिक्षा परीक्षान्मुखी होती जा रही है, इतनी कि ज्ञानार्जन हाशिये पर जा रहा है। सुभीते के लिए बहुउत्तरीय प्रश्न (एमसीक्यू) के सहारे यांत्रिक परीक्षा का बोलबाला हो रहा है। इसका दुखद पक्ष यह भी है कि यह पद्धति सोच-विचार की जगह रटंत शिक्षा को और मजबूत कर रही है। इसके चलते उत्सुकता और खोजबीन की जगह दुहराव और गैर सर्जनात्मक रुचि जो प्रश्रय मिल रहा है। शिक्षा और परीक्षा दोनों की साख जोखिम में है। नई शिक्षा नीति की आंख इस पर है पर जरूरी परिवर्तन दूर की कौड़ी लगती है। युवा वर्ग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जरूरी सुधार हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

आज का राशिफल

मेषः आज कार्यक्षेत्र में काम का बोझ अपेक्षाकृत कम रहेगा, जिससे राहत महसूस करेंगे। किसी विशेष उपलब्धि के कारण आपको सम्मान या प्रशंसा मिल सकती है। महँगी वस्तुओं की खरीदारी पर धन खर्च होने के संकेत हैं। अपने लक्ष्यों के प्रति पूरी तरह सजग रहें। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः आज अनावश्यक लंबी यात्रा करने से बचना बेहतर रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। बीते समय की कुछ कड़वी बातें मन को परेशान कर सकती हैं। आत्मसम्मान को लेकर संवेदनशील रहेंगे। धार्मिक गतिविधियों में रुचि कम हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः दिन की शुरूआत आपके लिये उत्साहपूर्ण रहने वाली है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और ऊर्जा बनी रहेगी। व्यापार में आधुनिक तकनीक का लाभ मिलेगा। जीवनसाथी की सलाह आपके लिये लाभकारी सिद्ध होगी। परिवार के बुजुर्गों के साथ समय बिताकर मानसिक सुकून मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः परिवार के लोग इस समय आपसे काफी उम्मीदें लगाए हुए हैं, इसलिए आप उन्हें समय देने का प्रयास करेंगे। यदि नई नौकरी की तलाश में हैं तो अवसर अनुकूल मिल सकते हैं। करीबी लोगों की सलाह महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मदद करेगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः राजनीति से जुड़े लोगों को अपनी छवि को लेकर सतर्क रहना होगा। नौकरीपेशा लोगों का मन काम में कम लगेगा। बेवजह की बातों को अधिक महत्व देने से बचें। माइग्रेन के मरीजों को तेज धूप और धूल से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः आज अचानक धन लाभ होने की संभावना बन रही है। सहकर्मियों के साथ तालमेल में कुछ कमी महसूस हो सकती है। लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखें। मित्रों से जरूरत से ज्यादा उम्मीद रखना निराश कर सकता है। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः व्यापार विस्तार के लिये समय काफी शुभ दिखाई दे रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को सफलता मिल सकती है। धार्मिक और आध्यात्मिक विचारों का प्रभाव मन पर बना रहेगा। प्रभावशाली लोगों से आपके संबंध मजबूत हो सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः आज अपने व्यवहार और शब्दों पर नियंत्रण रखें। क्रोध के कारण लोग आपके प्रति नकारात्मक सोच बना सकते हैं। अपने कार्यों को लेकर दूसरों की राय पर अत्यधिक निर्भर न रहें। कार्यस्थल पर अधिकारियों का भरोसा थोड़ा कम हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

धनुः आर्थिक दृष्टि से दिन काफी मजबूत रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को नई नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है। लंबे समय से चली आ रही परेशानियों से राहत मिलेगी। आप अपने कार्यों को पूरी कुशलता के साथ पूरा करेंगे। रहस्यमयी और आध्यात्मिक विषयों में रुचि बढ़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मकरः आज धन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। वैवाहिक जीवन में तनाव की स्थिति बन सकती है। मन घर के कामों में कम लगेगा। आपका जिद्दी स्वभाव लोगों को आपसे दूर कर सकता है। गर्मी और लू से बचाव करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः कार्यस्थल और परिवार दोनों जगह आपकी सराहना होगी। सकारात्मक सोच और ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। विरोधियों पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा। छोटी दूरी की यात्रा के योग भी बन रहे हैं। *(सिटी दर्पण)*

मीनः करियर को लेकर मन में चिंता बनी रह सकती है। घरेलू जिम्मेदारियों में काफी व्यस्त रहेंगे। शेयर बाजार में बड़ा निवेश करने से फिलहाल बचें, क्योंकि नुकसान की आशंका है। घर के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में खराबी आ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वट सावित्री व्रत : प्रेम, समर्पण और अटूट विश्वास का पावन पर्व

उदय कुमार सिंह (हि.स)

प्रेम की शक्ति कितनी अद्भुत हो सकती है, इसका सबसे प्रेरणादायक उदाहरण वट सावित्री व्रत में देखने को मिलता है। यह केवल एक धार्मिक व्रत नहीं, बल्कि पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि माता सावित्री ने अपने दृढ़ निश्चय, बुद्धिमत्ता और पतिव्रता धर्म के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। यही कारण है कि आज भी विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना के लिए यह व्रत श्रद्धा के साथ रखती हैं।

वट सावित्री व्रत महिलाओं के लिए केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं बल्कि रिश्तों की मजबूती, धैर्य, निष्ठा और समर्पण का संदेश देने वाला उत्सव भी है। यह व्रत हमें सिखाता है कि सच्चे प्रेम और अडिग विश्वास के सामने बड़ी से बड़ी बाधा भी टिक नहीं सकती।

क्या है वट सावित्री व्रत ?वट सावित्री व्रत हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसे ज्येष्ठ मास की अमावस्या या पूर्णिमा तिथि को अलग-अलग क्षेत्रों में मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह व्रत ज्येष्ठ अमावस्या को जबकि महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा जैसे राज्यों में ज्येष्ठ पूर्णिमा को मनाने की परंपरा है। इस दिन विवाहित महिलाएं बरगद यानी वट वृक्ष की पूजा करती हैं और सावित्री-सत्यवान की कथा सुनती हैं। वट वृक्ष को दीघार्यु, स्थिरता और अमरत्व का प्रतीक माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसकी जड़ों में ब्रह्मा, तने में भगवान विष्णु और शाखाओं में भगवान शिव का वास होता है।

वट सावित्री व्रत का महत्ववट सावित्री व्रत का धार्मिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से विशेष महत्व है। यह व्रत पति की लंबी आयु, परिवार की सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन में प्रेम बनाए रखने के लिए रखा जाता है। इस पर्व का संदेश है कि रिश्ते केवल शब्दों से नहीं बल्कि विश्वास, त्याग और समर्पण से मजबूत बनते हैं। सावित्री की कथा महिलाओं को साहस, धैर्य और निष्ठा की प्रेरणा देती है। यह पर्व परिवार और दांपत्य जीवन में प्रेम, सम्मान और एक-दूसरे के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करता है।

वट सावित्री व्रत कथाप्राचीन समय में मद्र देश के राजा अश्वपति की कोई संतान नहीं थी। संतान प्राप्ति के लिए उन्होंने वर्षों तक तपस्या और यज्ञ किया। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर देवी सावित्री प्रकट हुईं और उन्हें एक तेजस्वी पुत्री का वरदान दिया। देवी के आशीर्वाद से जन्म लेने के कारण कन्या का नाम सावित्री रखा गया।

समय बीतने के साथ सावित्री अत्यंत सुंदर, बुद्धिमान और गुणवान युवती बनीं। विवाह योग्य होने पर उनके पिता ने उन्हें स्वयं अपना

वर चुनने की अनुमति दी। भ्रमण के दौरान सावित्री की मुलाकात वनवासी राजा द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान से हुई। सत्यवान सत्यवादी, धर्मात्मा और परोपकारी थे। सावित्री ने उन्हें अपना पति चुन लिया।

जब ऋषि नारद को यह पता चला तो उन्होंने राजा अश्वपति को बताया कि सत्यवान अल्पायु हैं और विवाह के एक वर्ष बाद उनकी मृत्यु निश्चित है। यह सुनकर राजा चिंतित हो उठे और उन्होंने सावित्री को अपना निर्णय बदलने के लिए कहा। लेकिन सावित्री अपने निर्णय पर अडिग रहीं। उन्होंने कहा कि आर्य कन्या जीवन में केवल एक बार ही पति का वरण करती है।

अंततः सावित्री और सत्यवान का विवाह हो गया। विवाह के बाद सावित्री अपने पति और अंधे सास-ससुर के साथ वन में रहने लगीं। वह पूरे समर्पण के साथ परिवार की सेवा करती थीं।

जैसे-जैसे सत्यवान की मृत्यु का समय निकट आने लगा, सावित्री ने कठोर उपवास और तपस्या आरंभ कर दी। नियत दिन सत्यवान लकड़ी काटने जंगल गए और सावित्री भी उनके साथ गईं। जंगल में अचानक सत्यवान के सिर में तेज दर्द हुआ और वे सावित्री की गोद में सिर रखकर लेट गए। तभी यमराज उनके प्राण लेने पहुंचे।

यमराज जब सत्यवान की आत्मा लेकर जाने लगे, तब सावित्री भी उनके पीछे चल पड़ीं। यमराज ने उन्हें कई बार लौटने के लिए कहा, लेकिन सावित्री अपने पति का साथ छोड़ने को तैयार नहीं हुईं।

सावित्री की निष्ठा और बुद्धिमत्ता से प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें वरदान मांगने को कहा। पहले वरदान में सावित्री ने अपने अंधे सास-ससुर की आंखों की रोशनी मांगी। दूसरे वरदान में उन्होंने अपने ससुर का खोया हुआ राज्य वापस मांगा। तीसरे वरदान में सावित्री ने सौ पुत्रों का वरदान मांग लिया।

यमराज ने तीनों वरदान दे दिए। तब सावित्री ने कहा कि पति के बिना संतान कैसे संभव है। यह सुनकर यमराज उनकी चतुराई और पतिव्रता धर्म से अत्यंत प्रभावित हुए और उन्होंने सत्यवान को पुनर्जीवन प्रदान कर दिया। इसके बाद सावित्री और सत्यवान सुखपूर्वक अपने परिवार के साथ रहने लगे। तभी से वट सावित्री व्रत की परंपरा शुरू हुई।

वट सावित्री व्रत तिथि और शुभ योगपंचांग के अनुसार, वर्ष 2026 में वट सावित्री व्रत उत्तर भारत में 16 मई 2026, शनिवार को मनाया जाएगा। अमावस्या तिथि 16 मई को प्रातः 05:11 बजे प्रारंभ होकर 17 मई 2026 को पूर्वाह्न 01:30 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार 16 मई को व्रत रखा जाएगा।

इस दिन प्रातः 10:26 बजे तक सौभाग्य योग रहेगा, जिसके बाद शोभन योग प्रारंभ होगा। ज्योतिष शास्त्र में ये दोनों योग अत्यंत शुभ माने जाते हैं। ऐसे में इन शुभ योगों में पूजा करना विशेष फलदायी माना गया है।

वट सावित्री व्रत पूजा विधि* प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें।* स्वच्छ या लाल-पीले वस्त्र धारण करें और सोलह श्रृंगार करें।* पूजा की थाली में रोली, अक्षत, फूल, धूप, दीप, फल, मिठाई और कच्चा सूत रखें।* वट वृक्ष के नीचे जाकर जल अर्पित करें।* रोली, चावल और पुष्प अर्पित कर वट वृक्ष का पूजन करें।* वट वृक्ष के चारों ओर कच्चा सूत लपेटते हुए 7, 11, 21 या 108 बार परिक्रमा करें।* सावित्री-सत्यवान की कथा सुनें या पढ़ें।* पति की लंबी आयु और परिवार की खुशहाली की कामना करें।* अंत में दान-पुण्य करें और बड़ों का आशीर्वाद लें।

वट सावित्री पूजन सामग्री* रोली, हल्दी और कुमकुम* अक्षत और पुष्प* धूप-दीप और घी* कच्चा सूत या कलावा* फल और मिठाई* नारियल, पान और सुपारी* जल से भरा कलश* सावित्री-सत्यवान की प्रतिमा या चित्र* सुहाग सामग्री जैसे चूड़ी, सिंदूर, बिंदी आदि

वट वृक्ष का धार्मिक महत्ववट वृक्ष को हिंदू धर्म में अमरता, स्थिरता और दीघार्यु का प्रतीक माना गया है। इसकी विशाल शाखाएं और लंबी आयु जीवन में मजबूती और स्थायित्व का संदेश देती हैं। मान्यता है कि वट वृक्ष की पूजा करने से त्रिदेवों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

वट सावित्री व्रत से मिलने वाली सीखवट सावित्री व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रेम, धैर्य और अटूट विश्वास की प्रेरणादायक गाथा है। सावित्री की कहानी हमें यह सिखाती है कि सच्चे प्रेम और दृढ़ संकल्प के आगे मृत्यु जैसी अजेय शक्ति भी झुक सकती है। आज के समय में यह पर्व रिश्तों में विश्वास, सम्मान और समर्पण की अहमियत को याद दिलाता है। वट सावित्री व्रत हर दांपत्य जीवन को प्रेम, धैर्य और समझदारी के साथ निभाने की प्रेरणा देता है।

सीईओ अनिंदिता मित्रा द्वारा पंजीकृत और मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों से बी.एल.ए. नियुक्त करने की अपील

राजनीतिक पार्टियों के साथ बैठक के दौरान एस.आई.आर. संबंधी जानकारी दी गई

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब राज्य में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा करवाई जा रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एस.आई.आर.) के संबंध में आज मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंजाब श्रीमती अनिंदिता मित्रा ने पंजाब राज्य की पंजीकृत और मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने पंजीकृत और मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे एस.आई.आर. संबंधी बूथ लेवल एजेंट (बी.एल.ए.) की नियुक्तियां जल्द से जल्द कर दें ताकि इन बी.एल.ए. को बी.एल.ओ. के साथ समय रहते प्रशिक्षण दिया जा सके। उन्होंने कहा कि बी.एल.ए. की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है और एस.आई.आर. के प्रत्येक चरण में बी.एल.ओज. द्वारा बी.एल.एज. के साथ जानकारी साझा की जाएगी ताकि पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने राजनीतिक पार्टियों से कहा कि बी.एल.ए.-1 की नियुक्ति संबंधी प्रक्रिया भी जल्द पूरी कर ली जाए।

श्रीमती मित्रा ने कहा कि एस.आई.आर. की पूरी प्रक्रिया के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय पंजाब राजनीतिक पार्टियों के साथ लगातार संपर्क में रहेगा। इस अवसर पर उन्होंने वोटर संबंधी अधिकारियों के बारे में भी राजनीतिक पार्टियों को जानकारी दी।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एस.आई.आर.) के तहत पंजाब राज्य में 25 जून 2026 से 24 जुलाई 2026 तक बी.एल.ओ. घर-घर जाकर मतदाताओं के फॉर्म भरवाएंगे। इस कार्य के लिए 24,453 बी.एल.ओज., 2,476 सुपरवाइजर, 117 ई.आर.ओज. और 234 ए.ई.आर.ओज. सहित पूरा चुनाव अमला लगाया गया है। उन्होंने बताया कि एस.आई.आर. संबंधी बी.एल. ओज. को प्रशिक्षण देने और अन्य तैयारियों का कार्य 15 जून 2026 से 24 जून 2026 तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य प्रत्येक योग्य नागरिक को मतदाता सूची में शामिल करना और अयोग्य व्यक्तियों को सूची से बाहर करना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि दोहरी वोट रखना भारतीय संविधान के अनुसार अपराध है, जिसके लिए एक वर्ष तक की कैद की सजा हो सकती है। श्रीमती मित्रा ने बताया कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 89.58 प्रतिशत मैपिंग हो चुकी है, जबकि शहरी क्षेत्रों में 73 प्रतिशत मैपिंग का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया कि वर्ष 2003 में भी पंजाब राज्य में एस.आई.आर. हुई थी। उसी एस.आई.आर. को आधार बनाकर वर्तमान एस.आई.आर. की जा रही है। बैठक के दौरान राजनीतिक पार्टियों द्वारा एस.आई.आर. संबंधी कुछ शंकाएं व्यक्त की गईं, जिन्हें मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दूर किया गया और राजनीतिक पार्टियों को आश्वासन दिया गया कि एस.आई.आर. की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से ही पूरी की जाएगी। बैठक के दौरान मान्यता प्राप्त पार्टियों में से आम आदमी पार्टी से फैरी सोफत, बहुजन समाज पार्टी से डॉ. अवतार सिंह करीमपुरी, भारतीय जनता पार्टी से एन.के. वर्मा, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) से आर.एल. मोदगिल और रणजीत सिंह, इंडियन नेशनल कांग्रेस से डॉ. अमर सिंह और कैप्टन संदीप संधू, शिरोमणि अकाली दल से डॉ. दलजीत सिंह चीमा और एडवोकेट अरशदीप सिंह क्लेर उपस्थित थे। इसी प्रकार, पंजीकृत और गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों में से जय जवान जय किसान पार्टी के मेजर आर.पी.एस. मल्होत्रा, नेशनलिस्ट जस्टिस पार्टी से पी. कुमार, सच्चो सच पार्टी से सुच्चा लाल, साडा पंजाब सांझा पंजाब पार्टी से सुखदेव सिंह, सामाजिक संघर्ष पार्टी से जसविंदर सिंह तथा शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) (सिमरनजीत सिंह मान) से कुशलपाल सिंह मान उपस्थित थे।

गैंगस्टरां ते वार का 115वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 552 स्थानों पर छापेमारी; 276 गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- पुलिस टीमों ने 102 व्यक्तियों के खिलाफ की एहतियातन कार्रवाई, 21 को पूछताछ के बाद किया रिहा
- लोग गैंगस्टर विरोधी हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के द्वारा गुप्त रूप से गैंगस्टरों के बारे में दे सकते हैं जानकारी
- युद्ध नशियां विरुद्ध के 440वें दिन 93 नशा तस्कर गिरफ्तार

गैंगस्टरों के खिलाफ चलाई जा रही निर्णायक मुहिम गैंगस्टरां ते वार के 115वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 552 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरां ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए छेड़ी गई निर्णायक लड़ाई है, जिसे 20 जनवरी, 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुरू किया था। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं। 115वें दिन पुलिस टीमों ने 11 हथियारों सहित 276 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे अभियान शुरू होने के बाद कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 29,385 हो गई है।

इसके अलावा 102 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 21 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 8 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया।

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के द्वारा वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गुप्त रूप से जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों संबंधी सूचनाएं भी साझा कर सकते हैं।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशियां विरुद्ध के 440वें दिन भी जारी रखते हुए आज 93 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 286 ग्राम हेरोइन, 7 किलो भुक्की, 318 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 10,330 रुपये की ड्रग मनी बरामद की।

इसके साथ ही, केवल 440 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 64,173 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 16 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए भी प्रेरित किया।

अमृतसर एयरपोर्ट पर 2.58 करोड़ का सोना पकड़ा, यात्री गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
अमृतसर

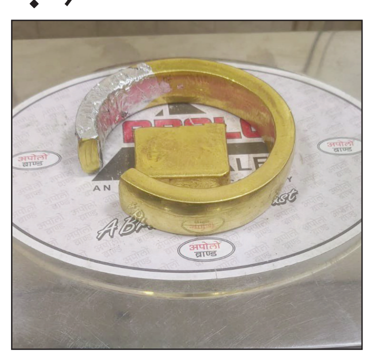

श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक यात्री से 2.58 करोड़ रुपये कीमत का सोना बरामद किया है। यह यात्री मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एमएच-119 से अमृतसर से कुआलालंपुर जा रहा था।

- कुआलालंपुर जा रहे यात्री के पास से 1.676 किलो सोने का कड़ा बरामद

कस्टम अधिकारियों को यात्री की गतिविधियों पर संदेह हुआ, जिसके बाद उसे रोका गया। अधिकारियों ने उसकी गहन जांच की, जिसमें यात्री के पास से 1,676 ग्राम 24 कैरेट सोना बरामद किया गया। यह सोना कड़ा और गोल्ड बिस्किट के रूप में छिपाकर रखा गया था। बरामद सोने की कुल कीमत करीब 2.58 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

कस्टम विभाग ने सोने को कस्टम एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया है। यात्री को गिरफ्तार कर आगे की पूछताछ शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों का मानना है कि इस मामले के तार किसी बड़े सोना तस्करी नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं, जिसकी जांच की जा रही है।

प्रभसिमरन सिंह का इंडिया-ए टीम में चयन पीसीए प्रेसिडेंट अमरजीत मेहता ने दी बधाई

चंडीगढ़। पंजाब के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने एक बार फिर पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन का नाम रौशन किया है। उन्हें आगामी वनडे सीरीज के लिए भारतीय-ए टीम में शामिल किया गया है। प्रभसिमरन की इस बड़ी उपलब्धि पर पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) प्रेसिडेंट अमरजीत मेहता ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। पीसीए प्रेसिडेंट अमरजीत मेहता ने कहा कि प्रभसिमरन का चयन पंजाब क्रिकेट के लिए गौरवपूर्ण क्षण है। प्रभसिमरन एक टैलेंटेड प्लेयर हैं और उन्होंने घरेलू सत्र के साथ-साथ आईपीएल में भी लगातार शानदार खेल दिखाया है। उनकी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें आज इस मुकाम पर पहुंचाया है। मुझे पूरा भरोसा है कि वह इंडिया-ए की जर्सी में भी पंजाब का नाम रोशन करेंगे। ये हर पंजाबी के लिए गर्व का पल है। प्रभसिमरन सिंह पिछले कुछ समय से सीमित ओवरों के क्रिकेट में पंजाब के लिए सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली उन्हें आधुनिक क्रिकेट का एक खास खिलाड़ी बनाती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह चयन श्रीलंका और अफगानिस्तान के साथ होने वाली वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए किया है। इस दौरे पर भारतीय-ए टीम की कमान तिलक वर्मा संभालेंगे, जबकि रियान पराग उपकप्तान होंगे। टीम में बिहार के 15 वर्षीय युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को भी पहली बार इंडिया-ए स्क्वाड में शामिल कर बड़ा मौका दिया गया है। ये वाइट बॉल सीरीज जून में श्रीलंका के दांबुला में खेली जाएगी। इसके बाद भारत-ए की टीम श्रीलंका-ए के खिलाफ गॉल में रेड बॉल (मल्टी-डे) के मुकाबले भी खेलेगी।

लुधियाना के हलवारा हवाई अड्डे पर उतरी एयर इंडिया की पहली वाणिज्यिक उड़ान

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

नई दिल्ली से एयर इंडिया की एक उड़ान शुक्रवार सुबह पंजाब के लुधियाना स्थित हलवारा हवाई अड्डे पर उतरने वाली पहली वाणिज्यिक उड़ान बन गई। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्य के कुछ पार्टी नेताओं के साथ दिल्ली से हलवारा आ रही इस पहली फ्लाइट में सफर किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी में जालंधर यात्रा के दौरान लुधियाना के हलवारा हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का ऑनलाइन उद्घाटन किया था।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने उड़ान के नवनिर्मित हवाई अड्डे पर उतरने के बाद जानकारी दी कि एयर इंडिया ने नई दिल्ली से हलवारा और हलवारा से दिल्ली तक अपनी पहली उड़ानें सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं। इन दोनों यात्राओं के दौरान ग्राउंड स्टाफ और बेहतरीन ऑनबोर्ड क्रू ने अपनी ज़िम्मेदारी से बढ़कर काम किया। उन्होंने यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें एक सहज, विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव सुनिश्चित किया।

बिट्टू ने कहा कि आज हलवारा हवाई अड्डे पर मिले अपार और गर्मजोशी भरे स्वागत से, मैं अत्यंत भावुक हूं। लुधियाना के अपने भाइयों-बहनों के चेहरों पर खुशी एवं उत्साह देखकर यह यात्रा और भी खास बन गई। बिट्टू ने कहा कि दिल्ली से यह उड़ान पंजाब के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत है। 30 साल का इंतजार आखिरकार इस विमान के यहां उतरने के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय उद्योग और आर्थिक वृद्धि को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।

बिट्टू ने हाल ही में कहा था कि शुरूआत में दिल्ली और हलवारा के बीच प्रतिदिन दो उड़ानें, एक सुबह और एक दोपहर संचालित की जाएंगी। इससे क्षेत्र के संपर्क में बड़ा सुधार होगा। यह राज्य में यात्रा, व्यापार एवं समग्र आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देगा। मंत्री ने कहा कि पंजाब को यह उपहार देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बहुत धन्यवाद। लुधियाना में व्यापार और निर्यात के लिए अब असीम संभावनाएं हैं।

इस उड़ान में राज्यसभा के सदस्य विक्रमजीत साहनी और राजिंदर गुप्ता ने भी यात्रा की, जो हाल ही में आम आदमी पार्टी (आप) से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के वरिष्ठ प्रवक्ता प्रीतपाल सिंह बलियावल भी इसमें सवार थे।

मानव जीवन का हर क्षण इंसानियत और भक्ति में समर्पित हो: सतगुरु माता जी

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली/चंडीगढ़

श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना से परिपूर्ण दिव्य वातावरण में संत निरंकारी मिशन द्वारा युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी की स्मृति में संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा में परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के सान्निध्य में भावपूर्ण संत समागम का आयोजन हुआ। इस आयोजन में लाखों श्रद्धालुओं ने सतगुरु के पावन दर्शन एवं अमृतमयी प्रवचनों को श्रवण कर आत्मिक शांति, आनंद एवं दिव्य प्रेरणा का अनुभव प्राप्त किया।

इस अवसर पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने अपने आशीर्वचनों में फरमाया कि बाबा जी का सम्पूर्ण जीवन मानवता, सेवा और प्रेमा भक्ति का दिव्य उदाहरण रहा। उन्होंने प्रेरित किया कि मानव जीवन का प्रत्येक क्षण सार्थक बने और हर पल इंसानियत, करुणा एवं मानवीय मूल्यों का प्रमाण प्रस्तुत करे। बाबा जी ने सदैव यही शिक्षा दी कि प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर मानवीय गुण विकसित कर निराकार का आसरा लेते हुए सार्थक एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीयें।

सतगुरु माता जी ने फरमाया कि यदि किसी के जीवन में दुख, पीड़ा या संघर्ष है, तो हमारा कर्तव्य उसे बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रेम, संवेदनशीलता और सहयोग से उसे शांत करना है। जीवन ऐसा हो जो रिश्तों में प्रेम एवं समर्पण की भावना को सुदृढ़ करे। यही बाबा जी की शिक्षाओं का सार और सच्ची मानवता का स्वरूप है। सतगुरु माता जी ने समझाया कि ब्रह्मज्ञान प्राप्त होने के पश्चात जीवन केवल व्यक्तिगत सीमाओं तक नहीं रहता, बल्कि समस्त मानवता की सेवा, कल्याण और उत्थान का माध्यम बन जाता है। सच्ची सेवा दिखावे से परे प्रेम, विनम्रता और निस्वार्थता से परिपूर्ण होती है, जबकि वास्तविक भक्ति शब्दों से आगे बढ़कर व्यवहार, विचार और कर्मों में झलकती है। अमर संत अवनीत जी के समर्पित जीवन का उल्लेख करते हुए सतगुरु माता जी ने फरमाया कि सच्चा समर्पण वही है जिसमें सेवा का भाव केवल विचारों में नहीं, बल्कि व्यवहार और प्राथमिकताओं में स्पष्ट दिखाई दे। उन्होंने गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों के साथ संगत, सेवा और भक्ति को सर्वोपरि रखकर यह प्रेरणा दी कि पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में रहते हुए भी पूर्ण निष्ठा से समर्पित जीवन जिया जा सकता है। अंत में सतगुरु माता जी ने आशीर्वाद दिया कि प्रत्येक जीवन सेवा, सुमिरण और सत्संग को अपनी प्राथमिकता बनाए तथा हर हृदय निराकार में समर्पित होकर प्रेम, शांति और मानवता बाँटने का सशक्त माध्यम बने। आयोजन के मध्य गीतकारों, कवियों और विचारकों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हृदय की गहन अनुभूतियों को अभिव्यक्त किया। जहाँ हर शब्द, हर स्वर दिल की गहराईयों से होते हुए आत्मा को छू गया। किसी ने बाबा जी की दिव्य शिक्षाओं का प्रेरक संदेश सुनाया, तो किसी ने उनके सौम्य व्यक्तित्व, सेवा-समर्पण और मानवता के कल्याण हेतु किए गए कार्यों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वक्ताओं की रचनाओं व शब्दों में बाबा जी के हृदय स्पर्शी प्रेम का प्रतिबिम्ब परिलक्षित होता दिख रहा था। बाबा हरदेव सिंह जी की प्रेरणा आज भी श्रद्धालुओं के हृदय में जीवित है। वर्तमान में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज उनके संदेशों को आगे बढ़ाते हुए सेवा, समर्पण और सद्भाव का प्रकाश फैला रही हैं। उनके मार्गदर्शन से विश्व में मानवता, एकता और भाईचारे का संदेश निरंतर प्रसारित हो रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

विजिलेंस ब्यूरो ने दो एस.डी.ओज. और एक क्लर्क को 10,000 रिश्वत लेते रंगे हाथों किया काबू

चंडीगढ़। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए पीएसपीसीएल कार्यालय, लुधियाना में तैनात दो एस.डी.ओज. और एक क्लर्क को 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। काबू किए गए आरोपियों की पहचान एस.डी.ओ. जसकनवरप्रीत सिंह, एस.डी.ओ. श्रुति शर्मा और क्लर्क आशू के रूप में हुई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई प्रिंस निझावन द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर की गई। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता सोलर सिस्टम लगाने का कार्य करता है और उसने विभिन्न स्थानों पर दो सोलर सिस्टम लगाए हुए थे। इन सिस्टमों का निरीक्षण कर मीटर लगाने से पहले पीएसपीसीएल द्वारा अनुमान एवं निरीक्षण रिपोर्ट तैयार की जानी थी। प्रवक्ता के अनुसार, आरोपी एस.डी.ओ. जसकनवरप्रीत सिंह, एस.डी.ओ. श्रुति शर्मा और क्लर्क आशू ने निरीक्षण और अनुमान रिपोर्ट तैयार करने के बदले प्रत्येक फाइल के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। इस प्रकार दो फाइलों के लिए कुल 20,000 रुपये रिश्वत की मांग की गई। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने पंजाब विजिलेंस ब्यूरो की आर्थिक अपराध शाखा, लुधियाना से संपर्क किया। शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में आरोपियों को शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत पंजाब विजिलेंस ब्यूरो की आर्थिक अपराध शाखा, लुधियाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है और अन्य तथ्यों की भी गहनता से पड़ताल की जा रही है।

96 वर्षीय वृद्ध महिला की लिवासा अस्पताल, नवांशहर में कलाई की जटिल फ्रैक्चर सर्जरी हुई

नवांशहर। 96 वर्षीय वृद्ध महिला की कलाई की लिवासा अस्पताल, नवांशहर में जटिल फ्रैक्चर सर्जरी सफलता पूर्वक की गई। गिरने के बाद वृद्ध महिला की कलाई में इंट्रा-आर्टिकुलर डिस्टल रेडियस फ्रैक्चर हो गया था, जो उम्र, गंभीर ऑस्टियोपोरोसिस , फ्रैक्चर के कई टुकड़ों में बंट जाने और जोड़ों की समस्या के कारण और भी चुनौतीपूर्ण हो गया था। वरिष्ठ सलाहकार-एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर, डॉ समीर शर्मा ने बताया कि यह प्रक्रिया रीजनल एनेस्थीसिया के तहत की गई, जिसमें सुप्रो क्लेविकुलर और एक्सिलरी नर्व ब्लॉक का संयुक्त उपयोग किया गया। इससे मरीज पूरी तरह से होश में रहते हुए सर्जरी करा सकता है व बुजुर्ग मरीजों में जनरल एनेस्थीसिया से जुड़े ऑपरेशन के दौरान के जोखिमों को कम किया जा सकता है। सलाहकार ऑर्थो डॉ आकाशदीप सिंह ने बताया कि उपचार रणनीति का मुख्य लक्ष्य शीघ्र पुनर्वास और कलाई की कार्यक्षमता को बहाल करना था। ऑपरेशन के दौरान प्राप्त स्थिर फिक्सेशन को देखते हुए, सर्जरी के अगले ही दिन से कलाई को गतिशील बनाने के व्यायाम शुरू कर दिए गए। ऑपरेशन के बाद की अवधि में मरीज ने संतोषजनक सुधार दिखाया और तीन दिनों के भीतर ही मरीज को स्थिर हालत में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। डॉ आकाशदीप ने बताया कि इस मामले में हमारा मुख्य उद्देश्य केवल फ्रैक्चर को ठीक करना नहीं था, बल्कि मरीज का आत्मविश्वास और फंक्शनल इंडिपेंडेंस बहाल करना भी था।

फोर्टिस मोहाली ने दुर्लभ ट्रिपल स्वैप किडनी ट्रांसप्लांट कर तीन लोगों की जान बचाई, 11 घंटे चली जटिल सर्जरी

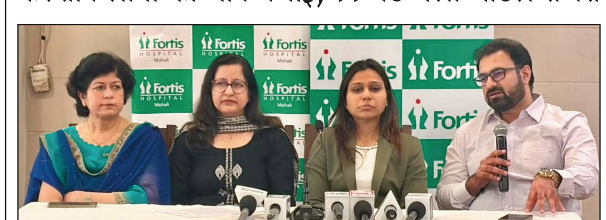

चंडीगढ़। फोर्टिस हॉस्पिटल मोहाली ने सफलतापूर्वक एक दुर्लभ और काफी अधिक जटिल थ्री-वे किडनी पेयर्ड डोनेशन किया है, जिसे आमतौर पर ट्रिपल स्वैप किडनी ट्रांसप्लांट के नाम से जाना जाता है। इस प्रक्रिया ने एंड-स्टेज रीनल डिजीज (किडनी की गंभीर बीमारी) से जूझ रहे तीन मरीजों को नई जिंदगी दी है। यह ऐतिहासिक प्रक्रिया ऑर्गेन ट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति है और यह दिखाती है कि दानदाता और प्राप्तकर्ता के बीच बेमेल होने की चुनौतियों को दूर करने में इनोवेटिव ट्रांसप्लांट प्रोग्राम्स की भूमिका कितनी बढ़ रही है। इस जीवन-रक्षक प्रोसीजर को डॉक्टरों की एक टीम ने अंजाम दिया, जिसका नेतृत्व डॉ. साहिल रैली, कंसल्टेंट, किडनी ट्रांसप्लांट, फोर्टिस हॉस्पिटल मोहाली और डॉ. एन्ना गुप्ता, कंसल्टेंट, रीनल साइंसेज एंड किडनी ट्रांसप्लांट, फोर्टिस हॉस्पिटल मोहाली ने किया। इस प्रक्रिया में दानदाता-प्राप्तकर्ता के तीन जोड़े शामिल थे, जो ब्लड ग्रुप के बेमेल होने के कारण ट्रांसप्लांट नहीं करवा पा रहे थे। ट्रिपल स्वैप मॉडल के जरिए, हर दानदाता ने दूसरे परिवार के एक ऐसे प्राप्तकर्ता को किडनी दान की, जिसका ब्लड ग्रुप उससे मेल खाता था। इस तरह ट्रांसप्लांट की एक साइक्लिकल सीरीज बनी, जिससे तीनों मरीजों को सफलतापूर्वक मेल खाने वाले अंग मिल सके। इस अत्यधिक कोऑर्डिनेटेड सर्जरी में लगभग 10 से 11 घंटों तक तीन ऑपरेशन थिएटरों में एक साथ छह ऑपरेशन किए गए। इस प्रक्रिया को 20 से अधिक हेल्थ प्रोफेशनल्स की एक मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम ने अंजाम दिया।

एम एम फैशन माल ने समर बोनांजा फेस्ट शॉप मोर-विन मोर की घोषणा

चंडीगढ़। आजकल की शॉपिंग संस्कृति में, ग्राहकों को सिर्फ उत्पाद ही नहीं, बल्कि खरीदारी के अनुभव और लाभ भी चाहिए। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए ब्रांड्स और शॉपिंग मॉल्स 'शॉप मोर-विन मोर' की रणनीति अपनाते हैं। यह एक ऐसी योजना है जहाँ आप जितना अधिक खर्च करते हैं, आपके पुरस्कार या उपहार जीतने की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है। इसी कड़ी में चंडीगढ़ के सेक्टर 22 स्थित प्रमुख शॉपिंग मॉल ने एम एम फैशन माल ने, 2026 में ग्राहकों के लिए शानदार ₹शॉप मोर विन मोर₹ समर बोनांजा फेस्ट ऑफर लॉन्च किया है । इस ऑफर का उद्देश्य शॉपिंग के अनुभव को और अधिक रोमांचक बनाना है। जिसकी शुरूआत की विधिवत घोषणा चंडीगढ़ नगर निगम के कमिश्नर अमित कुमार ने की। इस अवसर पर जॉइंट कमिश्नर बलबीर राज, एम ओ एच इंदरदीप कौर और एरिया पार्षद दमनप्रीत सिंह सहित मार्किट एसोसिएशन सेक्टर 22 डी के प्रधान प्रवीण दुग्गल भी उपस्थित थे। एम एम फैशन मॉल द्वारा इस दौरान चंडीगढ़ नगर निगम और मार्किट एसोसिएशन सेक्टर 22 डी के सहयोग से स्वच्छ भारत अभियान भी चलाया जाएगा, जिसके तहत लोगों को क्लीन और ग्रीन पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा। निगम कमिश्नर अमित कुमार, जॉइंट कमिश्नर बलबीर राज और ब्रांड अम्बेसडर ₹स्वच्छ भारत चंडीगढ़₹ परवीन दुग्गल ने स्वच्छता का स्लोगन भर कर इसकी शुरूआत की।

पंजाब कांग्रेस ने एसआईआर को लेकर चिंता जताई

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस ने पंजाब में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया को लेकर अपनी चिंताएं और आशंकाएं जाहिर की हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी पंजाब द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सांसद डॉ. अमर सिंह की अगुवाई में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया। इस प्रतिनिधिमंडल में ढउउ के महासचिव (संगठन) कैप्टन संदीप संधू और गगनदीप सिंह भी शामिल थे। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में डॉ. अमर सिंह और कैप्टन संधू ने कहा कि उन्होंने दूसरे राज्यों के डुप्लीकेट वोटरों का मुद्दा उठाया, जो पंजाब में भी वोटर के रूप में दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश के वोटरों की जांच जरूरी है, क्योंकि वहां रक्रप्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि चुनाव आयोग इस मामले की जांच करे, क्योंकि दूसरे राज्यों के डुप्लीकेट वोट सिर्फ चुनाव आयोग ही जांच सकता है। कांग्रेस नेताओं ने यह भी मुद्दा उठाया कि करीब 17% वोटर अभी तक मैप नहीं हुए हैं, जो लगभग 34-35 लाख वोट बनते हैं। उन्होंने चिंता जताई कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो इन लोगों का वोट देने का अधिकार छिन सकता है।

अमेरिका-चीन तीन साल के लिए रणनीतिक स्थिरता पर सहमत

ट्रंप-जिनपिंग ने किए कई समझौते, अमेरिकी राष्ट्रपति स्वदेश रवाना

एजेंसी (हि.स.)
बीजिंग

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को चीन का दौरा पूरा कर राजधानी बीजिंग से स्वदेश रवाना हो गए। उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दो दिनों तक बातचीत की जिसमें ईरान और ताइवान से लेकर व्यापार, तेल एवं बोइंग जैसे तमाम मुद्दे शामिल रहे। चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार, शी ने कहा कि अमेरिका और चीन अगले तीन वर्ष के लिए रणनीतिक स्थिरता पर सहमत हुए हैं।

ट्रंप ने बीजिंग के इस दौरे में दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि चीन, अमेरिकी तेल और सोयाबीन खरीदने पर सहमत हो गया है। उन्होंने दावा किया कि चीन ने बोइंग कंपनी से 200 बड़े वाणिज्यिक जेट विमान खरीदने पर सहमति जताई है। माना जा रहा है कि यह सौदा लगभग एक दशक में अमेरिका निर्मित विमानों की सबसे बड़ी खरीद हो सकती है। इसे दोनों देशों के बीच व्यापार तनाव कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

सीएनएन, सीबीएस न्यूज, सीएनबीसी, फॉक्स न्यूज और चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अपने दौरे के दौरान ट्रंप ने गुरुवार को रात्रिभोज में शी को 24 सितंबर को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया है। चीन ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि शी इस न्योते को स्वीकार करेंगे या नहीं। दोनों नेता नवंबर में शेन्जेन में होने वाली एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) बैठक और दिसंबर में फ्लोरिडा में होने वाली जी 20 बैठक के दौरान भी मिल सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक भी सितंबर की शुरूआत में न्यूयॉर्क में होनी तय है। इस यात्रा के दौरान ट्रंप ने शी के साथ व्यापार सौदों की तारीफ की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने और जिनपिंग ने बीजिंग शिखर सम्मेलन के दौरान कुछ महत्वपूर्ण सौदे किए और अमेरिका-ईरान संघर्ष को खत्म करने की इच्छा साझा की। दोनों नेताओं ने शुक्रवार सुबह चीन की सत्ता के केंद्र झोंगनानहाई गार्डन परिसर में द्विपक्षीय बैठक की। दोपहर बाद ट्रंप एयरफोर्स वन में सवार होकर वापस वाशिंगटन के लिए रवाना हो गए। एक दिन पहले ट्रंप ने कहा था कि चीन, अमेरिकी विमान और कृषि उत्पाद खरीदने पर सहमत हो गया है। इन समझौतों में अमेरिका-चीन व्यापार बोर्ड का गठन भी शामिल है। ट्रंप ने कहा कि दोनों नेताओं के ईरान मुद्दे पर काफी हद तक एक जैसे विचार हैं। दोनों देश होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खुलवाना चाहते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हमारे रिश्ते बहुत मजबूत हैं।

जिनपिंग ने ट्रंप को चीन के प्राचीन दर्शन 'सभी जीवों के बीच सद्भाव' की अवधारणा समझाई

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने राजधानी बीजिंग के 'टेंपल ऑफ हेवन' में 'हॉल ऑफ प्रेयर फॉर गुड हार्वेस्ट्स' के दौरे के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग, अमेरिकी राष्ट्रपति व अन्य की तस्वीर आज सुबह पोस्ट की है। उन्होंने लिखा, " राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ट्रंप और उनके परिवार को सभी जीवों के बीच सद्भाव की अवधारणा और प्रकृति के नियमों के प्रति सम्मान के बारे में समझाया।" ट्रंप इस समय चीन की राजकीय यात्रा के तीसरे दिन बीजिंग में हैं। ट्रंप और उनके परिवार ने 'टेंपल ऑफ हेवन' का दौरा गुरुवार को किया था। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग दूसरी पोस्ट में लिखा कि शी मानते हैं कि चीन और अमेरिका दोनों ही देशों के लोग महान हैं। चीन का महान पुनरुद्धार करना और अमेरिका को फिर से महान बनाना ये दोनों काम साथ-साथ चल सकते हैं। चीन और अमेरिका एक-दूसरे को सफल होने में मदद और दुनिया की भलाई कर सकते हैं।

अमेरिका में भारतीय मूल के युवक को हथियार तस्करी में 64 माह की जेल

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

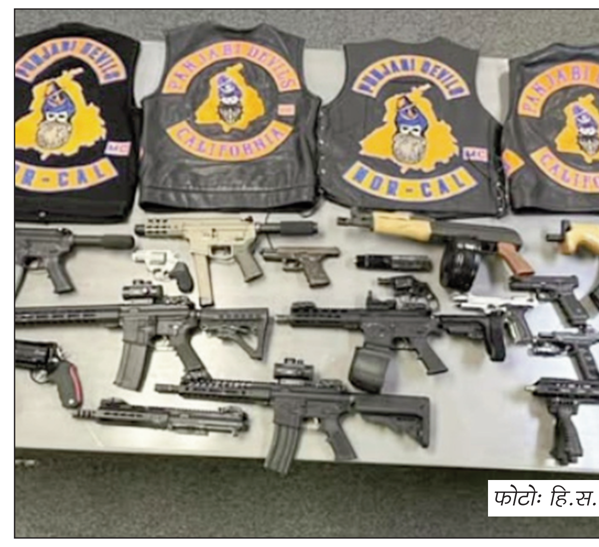

फोटोः हि.स.

अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय मूल के जशनप्रीत सिंह को हथियारों की तस्करी और मशीनगन रखने के आरोप में 64 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। पंजाब निवासी 27 वर्षीय जशनप्रीत सिंह को पूरे पांच साल और चार महीने संघीय जेल में गुजारने होंगे। यह घोषणा अमेरिकी अटॉर्नी एरिक ग्रांट ने की। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया की वेबसाइट पर जशनप्रीत को सजा सुनाने और उसके जुर्म का विवरण साझा किया गया है। विवरण के अनुसार जशनप्रीत 'पंजाबी डेविल्स' मोटरसाइकिल क्लब का संस्थापक है। 'पंजाबी डेविल्स' को असल में हथियारों की तस्करी और ₹हेल्स एंजेल्स₹ से जुड़ा एक अपराधी गिरोह बताया गया है। 06 जून, 2025 को जशनप्रीत ने एक अंडरकवर अधिकारी को हथियार (असाल्ट हथियार, रिवॉल्वर, मशीनगन) बेचने की कोशिश की। इसके बाद उसके घर पर छापा मारा गया। तलाशी में और भी हथियार मिले। इनमें मशीन गन, मशीन गन कन्वर्नज डिवाइस और एक साइलेंसर शामिल हैं। अधिकारियों को एक अनानास शैली का कैप लगा और फ्यूज किया हुआ हैंड ग्रेनेड भी मिला। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ विभाग की बम टीम के विस्फोटक निरोधक दस्ते ने घटनास्थल पर ही इनको नष्ट किया।

उसके खिलाफ मुकदमा दायर किया गया। पेशी की तारीख 21 जुलाई, 2025 घोषित की गई। वह इस पर हाजिर नहीं हुआ। तब अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह भूमिगत हो गया और 26 जुलाई को भारत भागने की कोशिश करते समय सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ा गया। इस मामले में सहायक यूएस अटॉर्नी एड्रियन टी. किनसेला ने अभियोजन पक्ष का नेतृत्व किया।

नेपाल में दो दिनों के सार्वजनिक अवकाश के बाद पेट्रोलियम पदार्थ की खपत में भारी गिरावट

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल में पिछले माह के मुकाबले अधिकांश पेट्रोलियम पदार्थों की खपत में कमी आई है। हालिया आंकड़ों के अनुसार पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में भारी वृद्धि के बाद सरकार द्वारा सप्ताह में दो दिन सार्वजनिक अवकाश लागू करने के निर्णय का असर ईंधन की खपत पर पड़ा है। सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों की खपत कम करने के उद्देश्य से पिछले महीने से सप्ताह में दो दिन सार्वजनिक अवकाश देने का निर्णय लागू किया था। इसी नीति के बाद पेट्रोल, डीजल, मिट्टी तेल और खाना पकाने वाली गैस की मांग में गिरावट दर्ज की गई।

ताजा रिपोर्ट के अनुसार पेट्रोल, डीजल, मिट्टी तेल और एलपी गैस की खपत घटी है, जबकि हवाई ईंधन की खपत में कुछ वृद्धि हुई है। आंकड़ों के मुताबिक सबसे बड़ी गिरावट डीजल की खपत में देखी गई है। 15 मार्च से 15 अप्रैल तक 1 लाख 40 हजार 29 किलोलीटर डीजल की खपत हुई थी, जो 15 मई तक घटकर 1 लाख 2 हजार 71 किलोलीटर रह गई। यानी लगभग 37 हजार किलोलीटर की कमी आई।

सरकारी दफ्तरों में मितव्ययिता अपनाने के लिए पीएमओ ने जारी किया निर्देश

काठमांडू। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सरकारी दफ्तरों में अत्यावश्यक जरूरत वाली वस्तुओं को छोड़कर नए सामान की खरीद न करने और सार्वजनिक खर्च में मितव्ययिता अपनाने का निर्देश दिया है। पीएमओ ने सभी मंत्रालयों, आयोगों, सचिवालयों, कार्यालयों, निकायों, मुख्यमंत्रियों एवं मंत्रिपरिषद कार्यालयों तथा सभी प्रदेश सरकारों को अत्यावश्यक वस्तुओं को छोड़कर अन्य सामान न खरीदने के लिए निर्देश जारी किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की सुशासन, भ्रष्टाचार नियन्त्रण तथा कर्मचारी पृष्ठपोषण शाखा के अधिकारी सूर्य बहादुर बस्नेत ने यह जानकारी दी। पीएमओ के निर्देश में कहा गया है, कार्यालय प्रमुखों से अनुरोध है कि अत्यावश्यक स्थिति को छोड़कर नए सामान की खरीद न करें तथा कार्यालय में पहले से मौजूद सामग्री, औजार, उपकरण, फर्नीचर और वाहनों को चालू अवस्था में रखकर उपयोग करें और सार्वजनिक खर्च को मितव्ययी बनाएं।

पेट्रोल-डीजल तीन रुपये प्रति लीटर हुआ महंगा नई दर प्रभावी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में 3-3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। सीएनजी के दाम भी दो रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाए गए हैं। नई दरें आज से लागू हो गई हैं। करीब चार साल बाद पेट्रोल-डीजल की कीमत में इजाफा किया गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये से बढ़कर 97.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.67 रुपये से बढ़कर 90.67 रुपये प्रति लीटर हो गई है। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में भी ईंधन की कीमतों में उछाल आया है। कोलकाता में पेट्रोल 3.29 रुपये बढ़कर अब 108.74 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 3.14 रुपये बढ़कर 106.68 रुपये प्रति लीटर में मिल रहा है। दक्षिण भारत के बड़े शहर चेन्नई में पेट्रोल के दामो में 2.83 रुपये का उछाल आया है और नई कीमत 103.67 रुपये प्रति लीटर हो गई है। कोलकाता में डीजल की कीमत में 3.11 रुपये का इजाफा हुआ है। वहां एक लीटर डीजल 95.13 रुपये में मिल रहा है। मुंबई में भी डीजल 3.11 रुपये महंगा होकर 93.14 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

नेपाल में संविधान संशोधन पर बैठक का, जेन जी नेताओं ने किया बहिष्कार

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के जेनजी आन्दोलन के नेताओं ने सरकार द्वारा आहूत संविधान संशोधन संबंधी चर्चा का बहिष्कार करने की घोषणा की है। उनका आरोप है कि सरकार उनके साथ पहले हुए समझौते को लागू करने की बजाए एकतरफा एवं अपारदर्शी तरीके से आगे बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अंतर्गत संविधान संशोधन बहसपत्र तैयार करने वाली कार्यदल ने बृहस्पतिवार को जेन जी अगुवा को पत्र भेजकर उन्हें संविधान संशोधन विषय पर शुक्रवार को होने वाली चर्चा में आमंत्रित किया था। शुक्रवार को यहां एक संयुक्त वक्तव्य में जारी कर 25 आंदोलनकारियों और अधिकारवादियों ने स्पष्ट किया कि वे उक्त चर्चा में भाग नहीं लेंगे। आंदोलनकारियों ने सरकार की कार्यशैली पर गंभीर असंतोष व्यक्त करते हुए चर्चा का बहिष्कार करने के कई कारण बताए। वक्तव्य में कहा गया, आंदोलन में शामिल होने के कारण आज भी सैकड़ों साथी झूठे मुकदमों का सामना कर रहे हैं, जबकि शहीद परिवार और घायल लोग न्याय की प्रतीक्षा में हैं।

नेपाल में विपक्षी नेता हर्क सांपांग ने मांगा प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल के विपक्षी दल श्रम संस्कृति पार्टी के अध्यक्ष हर्क सांपांग ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से इस्तीफे की मांग करते हुए उन पर संसद का अपमान करने और संसदीय परंपरा में गैरजिम्मेदाराना व्यवहार दिखाने का आरोप लगाया है। प्रतिनिधि सभा सदस्य सांपांग ने बयान में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री शाह ने महत्वपूर्ण संसदीय प्रक्रिया के दौरान बार-बार अनुपस्थित रहकर संघीय संसद की गरिमा को कमजोर किया है। 11 मई को जब राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल सरकार की नीति तथा कार्यक्रम पेश कर रहे थे, तब प्रधानमंत्री शाह सदन से बाहर चले गए थे। सांपांग ने कहा कि 13 मई को चर्चा के दौरान भी प्रधानमंत्री अनुपस्थित रहे और जवाब देने के लिए संसद में उपस्थित नहीं हुए, जबकि वे पास के एक कार्यालय से कार्यवाही का सीधा प्रसारण देख रहे थे।

संक्षिप्त-समाचार

डीजल-पेट्रोल के दामों में वृद्धि को लेकर खरगे ने मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पांच राज्यों में चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दामों में वृद्धि को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को घेरा। खरगे ने जनता की जेब पर बढ़ते बोझ को लेकर चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से वर्क फ्रॉम होम और तेल बचाने की नसीहत पर खरगे ने एक्स पोस्ट में लिखा कि ये संकट मोदी सरकार द्वारा निर्मित संकट है। मोदी सरकार में दूरदर्शी सोच का अभाव है, इसे जनता को समझना चाहिए। इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दामों में वृद्धि उद्योगों से लेकर घरेलू बजट और किसानों पर भी पड़ रहा है। खरगे ने कहा कि चुनाव के दौरान सत्ता पक्ष को सब सामान्य नजर आता है लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद सब जगह संकट फैल जाता है, मंहगाई चरम पर पहुंच जाती है।

कर्नाटक में बारिश का कहर, छह लोगों की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के विभिन्न जिलों में गुरुवार देर रात हुई भारी बारिश, तेज आंधी और गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की घटनाओं ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। विजयपुर और दावणगेरे समेत कई जिलों में भारी नुकसान हुआ है। मकान ढह गए। पेड़ और बिजली के खंभे उखड़कर गिर पड़े। बारिश से जुड़े हादसों में राज्यभर में कुल छह लोगों की मौत हो गई। विजयपुर जिले के आलमेल तालुक के मोरगटी गांव में तेज बारिश और आंधी के कारण एक मकान की छत और दीवार ढह गई, जिससे एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान गुरुनाथ बडिगेर (35), उनकी पत्नी ज्योति बडिगेर (28), बेटी कालम्मा (13) और दूसरी बेटी कीर्ति (9) के रूप में हुई है। विजयपुर जिले के मुद्देबिहाल तालुक के बिदरकुंदी गांव में तेज आंधी के दौरान एक विशाल पेड़ गिरने से एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। दावणगेरे जिले के जरेकट्टे गांव में खेत में भेड़ चरा रहे युवक अजीत (19) की बिजली गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। रातभर हुई बारिश से राज्य के कई हिस्सों में भारी नुकसान हुआ है। बेलगावी जिले के खानापुर तालुक के भूरणकी गांव में एक स्कूल की छत उड़ गई। अथणी तालुक के संबरगी गांव में पांच मकानों की छतें गिरने से अनाज और घरेलू सामान नष्ट हो गया।

हत्या के प्रयास के आरोपी समेत 8 गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिले के पीपराकोठी थाना की पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित विभिन्न मामलों में फरार चल रहे आठ आरोपियों को अलग-अलग गांवों में छापेमारी कर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव निवासी इंद्रजीत राय के पुत्र रोबिन कुमार यादव को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। उसके विरुद्ध हत्या के प्रयास से संबंधित कांड संख्या 179/26 दर्ज है। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। इसके अलावा पुलिस ने अन्य मामलों में भी कार्रवाई करते हुए ढेकाहा बेला निवासी मिहिर सरकार के पुत्र भूषण सरकार, झखरा गांव निवासी यमुना सहनी के पुत्र लेशुचंद्र सहनी, बेलवतिया निवासी परमा बैठा के पुत्र दीपक बैठा, हथियाही गांव निवासी साहेब सहनी के पुत्र बुलेट कुमार, नरेश मांझी के पुत्र फुलेन्द्र मांझी तथा झखरा निवासी साधु मांझी के पुत्र उपेन्द्र मांझी सहित आठ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ विभिन्न मामलों में प्राथमिकी दर्ज थी और वे काफी दिनों से फरार चल रहे थे।

बलोचिस्तान में सीटीडी के अधिकारी दो व्यक्तियों को जबरन उठा ले गए

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

फोटोः हि.स.

पाकिस्तान में फर्जी मुठभेड़ करने के लिए कुख्यात आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) के अधिकारी विद्रोह की आग में सुलग रहे बलोचिस्तान प्रांत के डेरा बुगती जिले की तहसील सुई से दो व्यक्तियों को जबरन उठा ले गए हैं। इनमें एक लेवी अधिकारी भी शामिल है। उसे हाल ही में पुलिस विभाग में स्थानांतरित किया गया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार जबरन उठाये गए पुलिस अधिकारी की पहचान सिराज उर्फ बागा पुत्र बाना बुगती के रूप में हुई है। दूसरे व्यक्ति की पहचान गुल मोहम्मद, पुत्र जार खान हमजानी बुगती के रूप में हुई है। गुल मोहम्मद शिक्षा विभाग में चौकीदार है। इस वर्ष डेरा बुगती में ऐसी घटनाओं में इजाफा हुआ है। इसके अलावा, 13 मई को हाजी अत्ताउल्लाह के 17 वर्षीय पुत्र शाहब बलोच को दोपहर करीब दो बजे वाशक जिले के नाग इलाके में स्थित उसके घर से उठा लिया गया है। वह मैट्रिक का छात्र है। 11 मई को मछुआरे अमीर बख्श के 18 वर्षीय पुत्र याह्या बलोच को ग्वादर के जिउनी पनवान इलाके में स्थित उसके घर से जबरन ले जाया गया। पाकिस्तान में सीटीडी को उर्दू में महकमा अंसदाद दहशतगर्दी कहा जाता है। सीटीडी पाकिस्तान की प्रांतीय पुलिस सेवा के अंतर्गत काम करता है। इसका मुख्य काम आतंकवाद से निपटना है। इसे असीमित अधिकार प्राप्त हैं। बलोचिस्तान में लोगों को जबरन गायब किया जाना गंभीर मुद्दा है। बलोच यकजेहती समिति और अन्य स्थानीय मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, केवल 2025 में 1,200 से अधिक लोगों को जबरन गायब किया गया। जनवरी 2026 में 82 लोग और फरवरी 2026 में 234 लोग लापता बताए गए। इनमें से कई को बाद में छोड़ दिया गया। वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (का दावा है कि 6,000 से अधिक बलोच अभी भी लापता हैं।

आरजी कर कांड में ममता बनर्जी की भूमिका की भी होगी जांच : सीएम शुभेंदु

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले में अब पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भूमिका की भी जांच होगी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को नवान्न में इसकी घोषणा करते हुए इस मामले में तीन आईपीएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। वहीं, पीड़िता की मां व पानीहाटी से भाजपा विधायक ने मुख्यमंत्री के इस फैसले का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि आरजी कर कांड की फाइल दोबारा खोली जा रही है और उस समय जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारियों की भूमिका की विभागीय जांच होगी। जिन अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है उनमें तत्कालीन कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल, तत्कालीन डीसी नॉर्थ अभिषेक गुप्ता और तत्कालीन डीसी सेंट्रल इंदिरा मुखोपाध्याय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह मंत्री का पद संभालने के बाद उन्होंने मुख्य सचिव और गृह सचिव से आरजी कर मामले तथा उसके बाद की परिस्थितियों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट के आधार पर प्रारंभिक प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले को सही तरीके से हैंडल नहीं किया गया और प्राथमिकी दर्ज करने से लेकर शुरूआती जांच तक कई स्तर पर गंभीर चूक हुई। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि विभिन्न समाचार माध्यमों से यह जानकारी सामने आई थी कि पीड़िता की मां को राज्य सरकार की ओर से पैसे देने की कोशिश की गई थी। यह एक प्रकार की घूस देने की कोशिश थी और इसकी भी जांच की जाएगी।

भारत-नेपाल सीमा पर सोमालियाई नागरिक गिरफ्तार, नेपाल भागने की कोशिश नाकाम

एजेंसी (हि.स.)
पूर्वी चंपारण

बिहार के पूर्वी चंपारण जिला से लगते रक्सौल भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और इमिग्रेशन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में एक सोमालियाई नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित बिना वैध इमिग्रेशन क्लीयरेंस के नेपाल जाने की कोशिश कर रहा था। जांच में सामने आया है कि वह मेडिकल वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद फजीवाड़ा कर भारत में अवैध रूप से रह रहा था।

गिरफ्तार विदेशी नागरिक की पहचान सोमाली रिपब्लिक निवासी महमेद अहमद फराह खदरा गेडी मोहामूद के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार वह पिछले कुछ समय से हैदराबाद के टोली चौकी इलाके में अपने अन्य सोमालियाई साथियों के साथ रह रहा था। सुरक्षा एजेंसियां अब उसके भारत में रहने, संपर्कों और गतिविधियों की विस्तृत जांच में जुट गई हैं। दरअसल, शुक्रवार को एसएसबी की बीआईटी टीम भारत-नेपाल सीमा पर स्थित मैत्री पुल पर नियमित जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान नेपाल की ओर जाने की कोशिश कर रहे एक विदेशी नागरिक के हाव-भाव संदिग्ध लगे। जवानों ने उसे रोककर पूछताछ शुरू की। रक्सौल एसडीपीओ मनीष आनंद ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में ही युवक की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं। इसके बाद जब उसके यात्रा दस्तावेजों और पासपोर्ट की गहन जांच की गई तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जांच में पता चला कि आरोपित 3 दिसंबर 2025 को मेडिकल वीजा पर मुंबई एयरपोर्ट के जरिए भारत आया था। उसके पास जारी मेडिकल वीजा संख्या वीएन-2207454 की वैधता 30 अक्टूबर 2025 से 29 जनवरी 2026 तक थी। वीजा की अवधि समाप्त होने के बावजूद वह भारत में अवैध रूप से रह रहा था।

फैसला

मप्र हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, धार की ऐतिहासक भोजशाला को माना वाग्देवी मंदिर

मुस्लिमों को नमाज के अधिकार का एएसआई के आदेश को किया खारिज

एजेंसी (हि.स.)
इंदौर

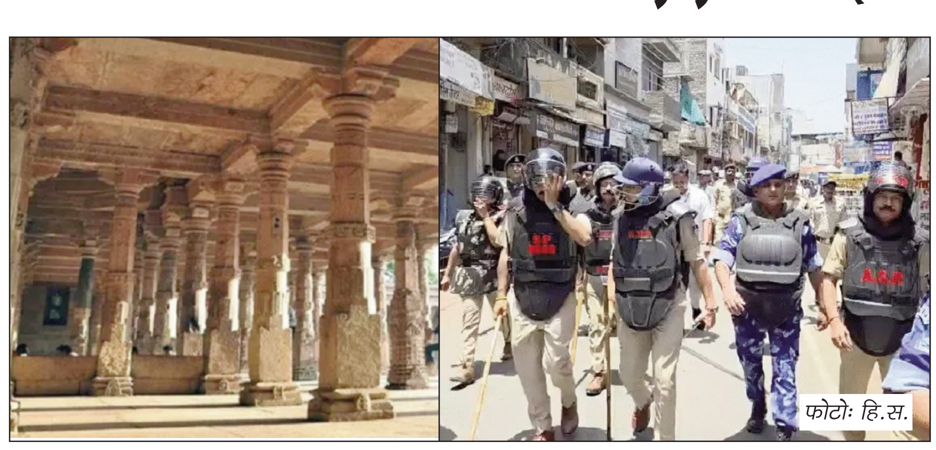

फोटोः हि.स.

मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला के धार्मिक स्वरूप को लेकर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अपना फैसला सुना दिया। उच्च न्यायालय ने भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि भोजशाला परिसर मंदिर ही है। मस्जिद पक्ष को अलग जमीन दी जाएगी। इसके लिए मस्जिद पक्ष सरकार से याचिका करे।

मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की युगलपीठ ने अपने फैसले में कहा कि केंद्र सरकार और एएसआई यह फैसला लें कि भोजशाला मंदिर का मैनेजमेंट कैसा रहेगा। 1958 एक्ट के तहत इस प्रॉपर्टी का पूरा मैनेजमेंट एएसआई के हाथ में ही रहेगा। पीठ ने कहा कि ऐतिहासिक और संरक्षित जगह देवी सरस्वती का मंदिर है।

न्यायालय ने एएसआई का 2003 का वह आदेश भी रद्द कर दिया, जिसमें एएसआई ने भोजशाला में हिंदुओं को पूजा का अधिकार नहीं दिया था। न्यायालय ने इस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसमें मुस्लिमों को नमाज पढ़ने का अधिकार दिया गया था। न्यायालय ने कहा है कि मस्जिद पक्ष यदि सरकार को आवेदन देता है तो उसे अलग जमीन उपलब्ध कराई जाएगी, साथ ही यह कहा कि सरकार इंग्लैंड से वाग्देवी की प्रतिमा लाने का प्रयास करे।

गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर भोजशाला मामले में मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की युगलपीठ में छह अप्रैल से 12 मई 2026 तक नियमित सुनवाई हुई। इन 24 दिनों में कुल 43 घंटे चली सुनवाई के दौरान हिंदू और मुस्लिम पक्षों ने अपने-अपने तर्क न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए।

इसके बाद 12 मई को न्यायालय ने सभी याचिकाओं में निर्णय सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया। इस दौरान अंतरसिंह की याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि दोनों पक्षों में सौहार्द बना रहे, इस तरह की व्यवस्था का आदेश दिया जाए।

उच्चतम न्यायालय जाएगा मुस्लिम पक्ष

भोजशाला के फैसले पर धार शहर काजी वकार सादिक ने कहा है कि उच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान है। उनकी ओर से सलमान खुर्शीद और शोभा मेनन ने तथ्य रखे थे। हम फैसले की समीक्षा करेंगे। इसके बाद हम उच्चतम न्यायालय जाएंगे। फिलहाल, भोजशाला के मेन गेट पर बैरिकेड्स लगाकर इसे बंद कर दिया गया है। इसके बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। भोजशाला मामले के फैसले के मद्देनजर इंदौर और धार जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं। शुक्रवार होने से संवेदनशीलता और बढ़ गई है, क्योंकि इसी दिन मुस्लिम समाज भोजशाला परिसर में जुमे की नमाज अदा करता है। प्रशासन ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने और अपुष्ट जानकारी साझा नहीं करने की अपील की है। धार पुलिस कंट्रोल रूम में जिलेभर से करीब 1200 पुलिसकर्मियों को बुलाया गया है। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने कंट्रोल रूम पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की और पुलिस बल को निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि धार शहर की सुरक्षा 12 लेयर में की गई है। रिजर्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स को भी अलर्ट पर रखा गया है। यह मामला साल 2022 में तब शुरू हुआ था, जब रंजना अग्निहोत्री और उनके साथियों ने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करने और हिंदू समाज को पूर्ण अधिकार देने की मांग की थी। इसी प्रकरण में साल 2024 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने भोजशाला परिसर का 98 दिन तक वैज्ञानिक सर्वेक्षण किया था। इस सर्वे में अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। दो हजार पेज से अधिक की सर्वे रिपोर्ट में सर्वे के दौरान भोजशाला में मिली मूर्तियां, शिलालेख, सिक्के इत्यादि का उल्लेख है।

फीफा विश्व कप 2026: जापान की प्रारंभिक टीम घोषित

मितोमा और मिनामिनो बाहर

एजेंसी (हि.स.)

टोक्यो

फीफा विश्व कप 2026 के लिए जापान ने अपनी प्रारंभिक 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। हालांकि टीम को बड़ा झटका तब लगा जब स्टार विंगर काओरू मितोमा चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गए। इसके अलावा अनुभवी फॉरवर्ड ताकुमी मिनामिनो को भी टीम में जगह नहीं मिली है।

फोटोः हि.स.

जापान के मुख्य कोच हाजिमे मोरियासु ने शुक्रवार को टोक्यो में टीम की घोषणा करते हुए बताया कि मितोमा हैमस्ट्रिंग चोट से समय पर उबर नहीं पाएंगे। 28 वर्षीय मितोमा को पिछले सप्ताह प्रीमियर लीग में ब्राइटन की वॉल्व्स पर 3-0 की जीत के दौरान चोट लगी थी। कोच मोरियासु ने कहा, मेडिकल टीम का आकलन है कि टूर्नामेंट के दौरान उनके पूरी तरह फिट होने की संभावना नहीं है। वहीं, मोनाको के फॉरवर्ड ताकुमी मिनामिनो भी टीम से बाहर हैं। दिसंबर में उनके बाएं घुटने के एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) में गंभीर चोट लगी थी। जापान को विश्व कप के ग्रुप एफ में नीदरलैंड्स, स्वीडन और ट्यूनीशिया के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरूआत 14 जून को टेक्सास के अर्लिंगटन में नीदरलैंड्स के खिलाफ करेगी। मितोमा जापान के सबसे अहम खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने मार्च में वेम्बली स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैत्री मैच में विजयी गोल दागा था। इसके अलावा 2022 विश्व कप में जर्मनी और स्पेन के खिलाफ जापान की ऐतिहासिक जीत में भी उनकी बड़ी भूमिका रही थी। चोटों से जूझ रहे अजाक्स के डिफेंडर ताकेहिरो टोमियासु को टीम में शामिल किया गया है, जबकि उन्होंने जून 2024 के बाद से जापान के लिए कोई मुकाबला नहीं खेला है।

जापान की प्रारंभिक टीम

गोलकीपरः जायन सुजुकी, केइसुके ओसाको, टोमोकी हायाकावा **डिफेंडरः** यूटो नागातोमो, शोगो तानिगुची, को इताकुरा, त्सुयोशी वतनाबे, ताकेहिरो टोमियासु, हिरोकी इतो, आयुमु सेको, युकिनारी सुगावारा, जुन्नोसुके सुजुकी **मिडफील्डर/फॉरवर्डः** वातारू एंडो, जुन्या इतो, दाइची कामादा, कोकी ओगावा, दाइजेन माएदा, रित्सु दोआन, आयासे उएदा, आओ तनाका, केइतो नाकामुरा, काइशु सानो, ताकेफुसा कुबो, युइतो सुजुकी, केंटो शिओगाई, केइसुके गोटो।

फीफा विश्व कप 2030 तक ब्राजील टीम के कोच बने रहेंगे कार्लो एंसेलोटी

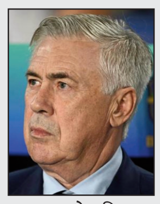

नई दिल्ली। ब्राजील फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) ने गुरुवार को पुष्टि की है कि मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने ब्राजील राष्ट्रीय टीम के साथ अपना अनुबंध 2030 फीफा विश्व कप तक बढ़ा लिया है। नया अनुबंध अगले चार वर्षों तक प्रभावी रहेगा। एंसेलोटी को पिछले वर्ष मई में ब्राजील का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उनके मार्गदर्शन में ब्राजील ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया, जिसका आयोजन 11 जून से अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होगा। अब तक एंसेलोटी के कार्यकाल में ब्राजील ने 10 मैच खेले हैं, जिनमें टीम को पांच जीत, दो ड्रॉ और तीन हार मिली हैं। उनका लक्ष्य ब्राजील को रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप चैंपियन बनाना है।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए फ्रांस टीम घोषित, किलियन एम्बाप्पे शामिल; एंटोनी ग्रीजमैन बाहर

नई दिल्ली। दो बार के विश्व चैंपियन फ्रांस ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए गुरुवार को अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 11 जून से अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। फ्रांस के मुख्य कोच डिडिएर डेशॉम्प्स, जो इस विश्व कप के बाद अपने पद से हट जाएंगे, ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलन वाली टीम चुनी है। रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे टीम की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं। टीम में मौजूदा बैलन डी'ओर विजेता उस्मान डेम्बेले भी शामिल हैं। फ्रांस की टीम में एम्बाप्पे, डेम्बेले, एनगोलो कांते और लुकास हर्नांडेज जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, जो पहले विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रह चुके हैं। हालांकि, यूरो 2024 के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने वाले एंटोनी ग्रीजमैन ने वापसी नहीं की है। वहीं रियल मैड्रिड के मिडफील्डर एडुआर्डो कामाविंगा को टीम में जगह नहीं मिली। फ्रांस को ग्रुप-कमें सेनेगल, इराक और नॉर्वे के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरूआत 16 जून को सेनेगल के खिलाफ करेगी।

फ्रांस की 26 सदस्यीय टीम

गोलकीपरः माइक मेन्यान, रॉबिन रिसर, ब्राइस सांबा **डिफेंडरः** लुकास डिग्ने, मालो गुस्तो, लुकास हर्नांडेज, इब्राहिमा कोनाते, जूल्स कुंडे, विलियम सालिबा, डायोट उपामेकानो, मैक्सेंस लाक्रुआ, थियो हर्नांडेज **मिडफील्डरः** एनगोलो कांते, मानु कोने, एड्रियन राबियो, ऑरेलियन चुआमेनी, वॉरेन जाइरे-एमरी **फॉरवर्डः** ब्रैडली बारकोला, रायन शेरकी, उस्मान डेम्बेले, देजिरे डुए, किलियन एम्बाप्पे, माइकल ओलीसे, जीन-फिलिप माटेटा, मार्कस थुराम, मैग्नेस अक्लियूश।

सरदार सिंह और रानी ने हॉकी इंडिया की दूर दृष्टि की सराहना की

युवा खिलाड़ियों को बताया भारत का भविष्य

एजेंसी (हि.स.)

भोपाल

भारतीय हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी सरदार सिंह और रानी ने जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों के विकास और युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय अनुभव दिलाने के लिए हॉकी इंडिया की पहल की जमकर सराहना की। दोनों पूर्व कप्तान इस समय भारतीय अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीमों के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय अंडर-18 पुरुष और महिला टीमें आगामी अंडर-18 एशिया कप 2026 की तैयारियों के तहत भोपाल स्थित साई सेंटर में ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 टीमों के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला खेल रही हैं। यह एशिया कप इस महीने के अंत में जापान के काकामिगाहारा में आयोजित होगा।

श्रृंखला शुरू होने से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरदार सिंह और रानी ने कहा कि हॉकी इंडिया की यह पहल भारतीय हॉकी के भविष्य को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है। भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा, हॉकी इंडिया की यह पहल बेहद सराहनीय है क्योंकि कम उम्र में खिलाड़ियों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। यही खिलाड़ी भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

फोटोः हि.स.

उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया हर स्तर पर खेल को बढ़ावा देने के लिए शानदार काम कर रही है। हर साल सब-जूनियर और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित की जा रही हैं। खिलाड़ियों को विभिन्न राज्यों में किट भी वितरित की जा रही हैं। अगर इसी तरह बुनियादी ढांचे, कोचिंग और सपोर्ट सिस्टम को बेहतर किया जाता रहा तो भारतीय हॉकी नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी। भारतीय अंडर-18 महिला टीम की कोच रानी ने भी हॉकी इंडिया की पहल की तारीफ करते हुए कहा, मैं हॉकी इंडिया का धन्यवाद करना चाहती हूं कि उन्होंने युवा खिलाड़ियों के लिए अंडर-18 स्तर पर इस तरह की पहल शुरू की। इससे पहले इस आयु वर्ग के खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ खेलने का मौका नहीं मिला था।

भारत और ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 टीमों के बीच मैच कार्यक्रम

पुरुष वर्ग

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया – 15 मई, शाम 5:00 बजे

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया – 17 मई, शाम 7:00 बजे

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया – 18 मई, शाम 5:00 बजे

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया – 20 मई, सुबह 10:00 बजे

महिला वर्ग

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया – 15 मई, शाम 7:00 बजे

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया – 17 मई, शाम 5:00 बजे

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया – 18 मई, शाम 7:30 बजे

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया – 20 मई, सुबह 8:00 बजे

थाईलैंड ओपन 2026: सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे, पीवी सिंधु बाहर

एजेंसी (हि.स.)

बैंकॉक

भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने जापान की छठी वरीयता प्राप्त ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी की जोड़ी को एकतरफा मुकाबले में 21-12, 21-13 से हराया। यह वर्ष 2026 में किसी भी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर प्रतियोगिता में भारतीय जोड़ी का पहला सेमीफाइनल है। मुकाबला 41 मिनट तक चला।

दोनों जोड़ियों के बीच यह पहला मुकाबला था, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने शुरूआत से ही दबदबा बनाए रखा। पहले गेम में सात्विक-चिराग ने लगातार 10 अंक लेकर 10-0 की बढ़त बना ली थी। जापानी जोड़ी ने वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए। दूसरे गेम में जापानी जोड़ी ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन सात्विक और चिराग ने अपनी बढ़त कायम रखते हुए आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना मलेशिया की गोह स्जे फेई और नूर इज्जुद्दीन की तीसरी वरीय जोड़ी या स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमले से होगा। वहीं महिला एकल में पीवी सिंधु का सफर क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। जापान की शीर्ष वरीय और विश्व नंबर-3 अकाने यामागुची ने सिंधु को 19-21, 21-18, 21-15 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

फोटोः हि.स.

हार्दिक पांड्या केकेआर के खिलाफ मैच में कर सकते हैं वापसीः शार्दुल ठाकुर

धर्मशाला। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कप्तान हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट किया है कि वह चोट के कारण पिछले तीन मुकाबलों में नहीं खेल सके। शार्दुल ने उम्मीद जताई कि हार्दिक कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अगले मैच में वापसी कर सकते हैं। हार्दिक पांड्या गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में खेले गए मुकाबले के लिए टीम के साथ यात्रा नहीं कर सके थे। उस मैच में जसप्रीत बुमराह ने मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी। इससे पहले सूर्यकुमार यादव भी अपने बच्चे के जन्म के कारण टीम से बाहर रहे थे। गुरुवार को मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में शार्दुल ठाकुर ने कहा, हार्दिक चोटिल हैं, इसलिए वह पिछले कुछ मैचों में टीम के साथ यात्रा नहीं कर सके। शार्दुल ने आगे कहा, वह रायपुर गए थे, लेकिन खेल नहीं पाए।

हीरो हॉकी इंडिया लीग 2027 के लिए खिलाड़ी पंजीकरण शुरू

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने हीरो हॉकी इंडिया लीग 2027 के लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण प्रक्रिया की आधिकारिक शुरूआत कर दी है। खिलाड़ी नीलामी सितंबर 2026 में आयोजित की जाएगी, जबकि पंजीकरण 15 मई 2026 को सुबह 11 बजे से शुरू हो चुका है। 2024-25 सीजन में लीग की सफल वापसी और 2025-26 संस्करण की लोकप्रियता के बाद आगामी सीजन को और अधिक भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली हीरो हॉकी इंडिया लीग में भारत समेत दुनिया के कई प्रमुख हॉकी देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। हॉकी इंडिया के अनुसार पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के लिए पंजीकरण खुले हैं। यह लीग विश्व हॉकी में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी है और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का बड़ा मंच प्रदान करती है।

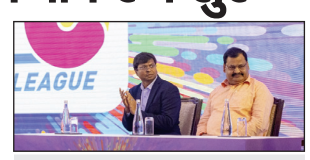

पुरुष वर्ग के पात्र देश

भारत, नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, अर्जेंटीना, जर्मनी, स्पेन, आयरलैंड, फ्रांस, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया और जापान।

महिला वर्ग के पात्र देश

भारत, नीदरलैंड, अर्जेंटीना, बेल्जियम, चीन, स्पेन, इंग्लैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चिली, अमेरिका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और जापान।

महत्वपूर्ण जानकारी

पंजीकरण प्रारंभः 15 मई 2026, सुबह 11:00 बजे पंजीकरण की अंतिम तिथिः 24 जुलाई 2026, मध्यरात्रि

सुपर शतरंज क्लासिक रोमानियाः प्रज्ञानानंद ने पहले दौर में फिरोजा के खिलाफ ड्रॉ खेला

रोमानिया। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सुपर शतरंज क्लासिक रोमानिया के पहले दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ संघर्षपूर्ण मुकाबले में ड्रॉ खेला। ग्रैंड चेस टूर के पहले क्लासिकल टूर्नामेंट में खेला गया यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा। काले मोहरों से खेल रहे फिरोजा ने शुरूआती चरण में क्वीन गैंबिट डिक्लाइंड ओपनिंग अपनाई। शुरूआती दौर में कई छोटे मोहरों की अदला-बदली के बाद मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ता नजर आ रहा था, लेकिन प्रज्ञानानंद ने जटिल स्थिति बनाने का फैसला किया। उन्होंने मजबूत सेंटर के बदले फिरोजा को क्वीन साइड पर जुड़े हुए पास्ड प्यादे लेने दिए। मध्य खेल में फिरोजा ने शानदार चालें चलीं और भारतीय खिलाड़ी के किंग साइड पर दबाव बना दिया। हालांकि स्थिति इतनी जटिल थी कि दोनों खिलाड़ियों के लिए सर्वश्रेष्ठ चालें ढूंढना आसान नहीं था। 35वीं चाल में हुई एक गलती के बाद मुकाबला रूक और प्यादों के एंडगेम में पहुंच गया, जहां प्रज्ञानानंद एक प्यादा पीछे होने के बावजूद ड्रॉ बचाने में सफल रहे। अंततः 60 चालों तक चले मुकाबले का परिणाम ड्रॉ रहा। अन्य मुकाबलों में फ्रांस के मैक्सिम वाशिये-लग्राव और नीदरलैंड्स के अनीश गिरी के बीच भी मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

भोपाल में आज से भारत-ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज का आगाज

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

भोपाल

मध्य प्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में भोपाल में आज से भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज का आगाज होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता आगामी एशिया कप की तैयारियों के दृष्टिगत बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसमें युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्राप्त होगा। तीन दिन पहले ही दोनों देशों की टीमें भोपाल पहुंच चुकी हैं। यह अंतरराष्ट्रीय हॉकी श्रृंखला 20 मई तक भोपाल के उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर में खेली जाएगी। इस श्रृंखला में भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई अंडर-18 पुरुष एवं महिला टीमें आमने-सामने होंगी। इसमें पुरुष वर्ग के मुकाबले 15 मई, 17 मई, 18 मई एवं 20 मई को खेले जाएंगे। वहीं महिला वर्ग के मैच भी इन्हीं तिथियों में आयोजित होंगे। सभी मुकाबले उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर में ही होंगे। इस अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी भोपाल के कुल 10 खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन हुआ है। पुरुष टीम में आयुष रजक, अंश बहुत्रा, करण गौतम, अवि माणिकपुरी, सिद्धार्थ बेन और गाजी खान शामिल हैं।

महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि के लिए रखती हैं वट सावित्री व्रत

हर साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि पर वट सावित्री व्रत रखा जाता है। इस वर्ष16 मई 2026, शनिवार के दिन देशभर में वट सावित्री व्रत का पर्व मनाया जा रहा है। यह दिन सभी सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन देवी सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। यही कारण है कि, इस शुभ तिथि पर वट सावित्री व्रत किया जाता है। इसके प्रभाव से अखंड सौभाग्य, पति की लंबी आयु और वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है। वहीं इस बार वट सावित्री व्रत शनिश्चरी अमावस्या भी मनाई जा रही है, जिसके कारण इसका महत्व कई गुना बढ़ गया है।

वट सावित्री व्रत 2026

- ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि की शुरूआत 16 मई 2026 को सुबह 05:11 बजे से होगी।
- इसका समापन 17 मई 2026 को रात्रि 01:30 बजे पर होगा।
- उदया तिथि के अनुसार, वट सावित्री व्रत 16 मई 2026, शनिवार को रखा जाएगा।
- व्रती महिलाएं 17 मई को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में पूजा के बाद व्रत खोल सकती हैं।

वट सावित्री व्रत शुभ मुहूर्त

- ब्रह्म मुहूर्तः प्रातः 04:07 बजे से 04:48 बजे तक
- विजय मुहूर्तः दोपहर 02:04 बजे से 03:28 बजे तक
- गोधूलि मुहूर्तः सायं 07:04 बजे से 07:25 बजे तक
- निशिता मुहूर्तः रात्रि 11:57 बजे से 12:38 बजे तक

वट सावित्री व्रत पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ-सुथरे पारंपरिक वस्त्र पहनें। वट सावित्री व्रत के दिन सोलह श्रृंगार करना शुभ माना जाता है। लाल और हरे रंग के कपड़े धारण करें। व्रत रखकर बरगद के वृक्ष की पूजा करें। वट वृक्ष की जड़ में जल अर्पित करें। हल्दी, कुमकुम, सिंदूर, फूल और पूजन सामग्री चढ़ाएं। मिठाई या प्रसाद का भोग लगाएं। बरगद के पेड़ की सात बार परिक्रमा करते हुए कच्चा सूत लपेटें। सावित्री-सत्यवान कथा का पाठ या श्रवण करें। पूजा के बाद वट वृक्ष का पत्ता आशीर्वाद स्वरूप अपने पास रखें। पति और घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। पति के साथ दीपक जलाकर पूजा करना शुभ माना जाता है। पूजा के लिए सबसे पहले वट वृक्ष के पास जाकर श्रद्धा भाव से माता सावित्री व सत्यवान की तस्वीर स्थापित करें। एक लोटे में स्वच्छ जल भरकर वट वृक्ष की जड़ में अर्पित करें। सुहाग की सामग्री चढ़ाएं और कुछ फल, फूल व मिठाई भी अर्पित करें। अब कच्चा सूत लेकर वट वृक्ष की सात बार परिक्रमा करते हुए उसे लपेटें। फिर हाथ में चने लेकर वट सावित्री व्रत कथा का पाठ करें। अंत में जरूरतमंदों को फल, वस्त्र और दक्षिणा का दान करें और वट वृक्ष को प्रणाम करके पूजा संपन्न करें। पूरे दिन निर्जला व्रत रखें।

वट सावित्री व्रत के विशेष संयोग

वट सावित्री के दिन शोभन योग, शनिश्चरी अमावस्या, शनि जयंती और गजलक्ष्मी योग बन रहा है। इसके अलावा वृषभ राशि में बुधादित्य राजयोग, विपरीत राजयोग और मासिक कार्तिगाई जैसे शुभ संयोग बन रहे हैं। ऐसे में पूजा करने से यह योग के प्रभाव जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लेकर आ सकते हैं।

वट सावित्री व्रत के खास उपाय

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वट सावित्री व्रत के दिन काली गाय को 8 बूंदी के लड्डू खिलाएं। फिर गाय की पूंछ से 8 बार अपने सिर को झाड़ें। मान्यता है कि, इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। बरगद के पेड़ के नीचे घी का दीपक जलाकर भगवान विष्णु का ध्यान करें। ऐसा करने से घर में चल रहे विवाद और मानसिक तनाव धीरे-धीरे समाप्त होने लगते हैं। बरगद के वृक्ष के नीचे गाय के घी का दीपक जलाकर 11 कौड़ियां अर्पित करें। कहते हैं कि, इससे घर में बरकत, धन-धान्य और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। वट अमावस्या की रात्रि में बरगद की जड़ को अपने तकिए के नीचे रखकर सोएं। धार्मिक मान्यता है कि, इससे बुरे स्वप्न और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा होती है तथा मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहता है।

संपूर्ण पूजन सामग्रियां

बताशे, खीर या घर का बना प्रसाद, भीगा हुआ काला चना, गेहूं, चना दाल, पंचमेवा, सूखे मेवे,तांबे के लोटे, शुद्ध जल, गंगाजल, कलावा या सफेद सूत, वट वृक्ष की डाल, बरगद के पेड़ की पूजा के लिए कच्चा सूत, हल्दी, दीपक, बाती, देसी घी, कपूर, धूप बत्ती, अगरबत्ती, पान के पत्ते, सुपारी,लौंग, इलायची, कुमकुम, रोली, अक्षत, सिंदूर, चंदन, मेहंदी, काजल, फूल , लाल या पीले, फूलों की माला, पंचामृत, तुलसी दल, दीप रखने के लिए मिट्टी का दिया, लकड़ी का पट्टा या चौकी, गुलाब की पंखुड़ियां, मौसमी फल , नारियल, मिठाई, केले का पत्ता, पान सुपारी रखने की थाली, मिट्टी का घड़ा, बांस का पंखा, दक्षिणा के लिए रुपए, पूजा की थाली, कलश, आम के पत्ते, मौली, शहद, दूध, दही, घी, चीनी, लाल या पीला कपड़ा, सप्तधान्य।

सावित्री और सत्यवान की कथा

पौराणिक, प्रामाणिक एवं प्रचलित वट सावित्री व्रत कथा के अनुसार सावित्री के पति अल्पायु थे, उसी समय देव ऋषि नारद आए और सावित्री से कहने लगे की तुम्हारा पति अल्पायु है। आप कोई दूसरा वर मांग लें। पर सावित्री ने कहा- मैं एक हिन्दू नारी हूं, पति को एक ही बार चुनती हूं। इसी समय सत्यवान के सिर में अत्यधिक पीड़ा होने लगी। सावित्री ने वट वृक्ष के नीचे अपने गोद में पति के सिर को रख उसे लेटा दिया। उसी समय सावित्री ने देखा अनेक यमदूतों के साथ यमराज आ पहुंचे है। सत्यवान के जीव को दक्षिण दिशा की ओर लेकर जा रहे हैं। यह देख सावित्री भी यमराज के पीछे-पीछे चल देती हैं। उन्हें आता देख यमराज ने कहा कि- हे पतिव्रता नारी! पृथ्वी तक ही पत्नी अपने पति का साथ देती है। अब तुम वापस लौट जाओ। उनकी इस बात पर सावित्री ने कहा- जहां मेरे पति रहेंगे मुझे उनके साथ रहना है। यही मेरा पत्नी धर्म है। सावित्री के मुख से यह उत्तर सुन कर यमराज बड़े प्रसन्न हुए। उन्होंने सावित्री को वर मांगने को कहा और बोले- मैं तुम्हें तीन वर देता हूं। बोलो तुम कौन-कौन से तीन वर लोगी। तब सावित्री ने सास-ससुर के लिए नेत्र ज्योति मांगी, ससुर का खोया हुआ राज्य वापस मांगा एवं अपने पति सत्यवान के सौ पुत्रों की मां बनने का वर मांगा। सावित्री के यह तीनों वरदान सुनने के बाद यमराज ने उसे आशीर्वाद दिया और कहा- तथास्तु! ऐसा ही होगा। सावित्री पुनः उसी वट वृक्ष के पास लौट आई। जहां सत्यवान मृत पड़ा था। सत्यवान के मृत शरीर में फिर से संचार हुआ। इस प्रकार सावित्री ने अपने पतिव्रता व्रत के प्रभाव से न केवल अपने पति को पुनः जीवित करवाया बल्कि सास-ससुर को नेत्र ज्योति प्रदान करते हुए उनके ससुर को खोया राज्य फिर दिलवाया। तभी से वट सावित्री अमावस्या और वट सावित्री पूर्णिमा के दिन वट वृक्ष का पूजन-अर्चन करने का विधान है। यह व्रत करने से सौभाग्यवती महिलाओं की मनोकामना पूर्ण होती है और उनका सौभाग्य अखंड रहता है। **सावित्री के पतिव्रता धर्म की कथा का सार** :-यह है कि एकनिष्ठ पतिपरायणा स्त्रियां अपने पति को सभी दुख और कष्टों से दूर रखने में समर्थ होती है। जिस प्रकार पतिव्रता धर्म के बल से ही सावित्री ने अपने पति सत्यवान को यमराज के बंधन से छुड़ा लिया था। इतना ही नहीं खोया हुआ राज्य तथा अंधे सास-ससुर की नेत्र ज्योति भी वापस दिला दी। उसी प्रकार महिलाओं को अपना गुरु केवल पति को ही मानना चाहिए। गुरु दीक्षा के चक्र में इधर-उधर नहीं भटकना चाहिए।

पहली बार रख रही हैं वट सावित्री व्रत तो जान लें जरूरी नियम

यह पर्व उन महिलाओं के लिए और भी खास होने वाला है, जो पहली बार इस उपवास को रखने जा रही हैं। हालांकि, पहली बार वट सावित्री व्रत रखने जा रही महिलाओं को कुछ जरूरी नियमों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। यह बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि नियम और श्रद्धा के साथ किया गया यह व्रत वैवाहिक जीवन में सुख-शांति और प्रेम बनाए रखता है। आइए इनके बारे में जानते हैं। **व्रत का संकल्प जरूर लें-** धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पीले रंग के वस्त्र धारण कर सुबह-सुबह श्रद्धा भाव से व्रत का संकल्प लें। बिना संकल्प के व्रत अधूरा माना जाता है। **वट वृक्ष की परिक्रमा करें-** मान्यताओं के अनुसार, बरगद के पेड़ की पूजा करने के बाद उसकी परिक्रमा अवश्य करें और कच्चा सूत बांधें। यह वैवाहिक जीवन की मजबूती और पति की लंबी उम्र का प्रतीक माना जाता है। **व्रत का पारण करना न भूलें-** व्रत पूरा होने के बाद विधि-विधान से पारण जरूर करें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पारण किए बिना व्रत का पूर्ण फल नहीं मिलता। **पति-पत्नी साथ में पूजा करें-** वट सावित्री के शुभ दिन पर पति-पत्नी का साथ में वट वृक्ष की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है। इससे रिश्तों में प्रेम, विश्वास और सामंजस्य बढ़ता है। **सोलह श्रृंगार अवश्य करें-** वट सावित्री व्रत पर महिलाओं को पूरे सोलह श्रृंगार करने चाहिए। इसे अखंड सौभाग्य और शुभता का प्रतीक माना गया है।

घर-घर जाकर तीन बार सत्यापन करेंगे बीएलओ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, चंडीगढ़ ने विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ बैठक की

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 14.05.2026 को विशेष गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण की घोषणा की गई है, जिसमें 16 राज्यों एवं 3 केंद्रशासित प्रदेशों के साथ केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ को भी शामिल किया गया है। विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्यक्रम एवं प्रक्रिया की जानकारी देने हेतु सुश्री प्रेर्णा पुरी, आईएएस, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, यू.टी. चंडीगढ़ द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक के प्रारंभ में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चंडीगढ़ में अंतिम गहन पुनरीक्षण वर्ष 2002 में किया गया था। तीव्र शहरीकरण, निरंतर प्रवासन, 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर मतदाता बनने वाले नए युवा नागरिकों की संख्या में वृद्धि, मृत्यु संबंधी सूचनाओं के समय पर प्राप्त न होने तथा अवैध विदेशी नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने जैसी परिस्थितियों को देखते हुए त्रुटिरहित एवं विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार करने के लिए यह गहन पुनरीक्षण आवश्यक हो गया है। अर्हता तिथि 01.07.2026 निर्धारित की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यह पुनरीक्षण भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं समय-सारणी के अनुसार किया जाएगा। इस विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल हों ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो तथा मतदाता सूची में नाम जोड़ने अथवा हटाने की प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी बनी रहे। उन्होंने आगे जानकारी दी कि घर-घर सत्यापन के दौरान बूथ लेवल अधिकारी पूर्व-भरे हुए गणना प्रपत्र के साथ प्रत्येक घर पर तीन बार जाएंगे। यदि संबंधित व्यक्ति घर पर उपलब्ध नहीं होता है, तो इछड गणना प्रपत्र को दरवाजे के नीचे डाल देंगे तथा अगली यात्रा के दौरान उसे प्राप्त करेंगे। नागरिक ऑनलाइन माध्यम से भी गणना प्रपत्र भरकर उसे डाउनलोड कर सकते हैं। अपने साथ घोषणा पत्र सहित प्रपत्र संख्या-6 भी लेकर जाएंगे, ताकि पात्र युवा नागरिकों का मतदाता के रूप में पंजीकरण किया जा सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चंडीगढ़ संसदीय क्षेत्र में लगभग 70 प्रतिशत मैपिंग का कार्य पूरा किया जा चुका है। उन्होंने राजनीतिक दलों को पुनरीक्षण कार्यक्रम एवं प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि रुक्र एक सहभागी प्रक्रिया है, जिसमें मतदाता, राजनीतिक दल एवं निर्वाचन अधिकारी सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी राजनीतिक दलों से प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलए नियुक्त करने का आग्रह किया गया, ताकि प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता एवं सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि रुक्र प्रक्रिया पूर्ण होने तक इस प्रकार की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी। बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया गया।

सभी मतदान केंद्रों पर दिनांक 16.05.2026 (शनिवार) एवं 17.05.2026 (रविवार) को विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। यू.टी. चंडीगढ़ के निवासियों से अपील करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि वे पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित अपने विवरण का सत्यापन कर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी के साथ साझा करें ताकि मैपिंग प्रक्रिया सुचारु रूप से पूर्ण की जा सके। पूर्व रुक्रसे संबंधित विवरण की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

किसी भी सहायता हेतु नागरिक कार्य दिवसों में मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा एउक्छएळ मोबाइल एप्लिकेशन पर उपलब्ध सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। बैठक में एडीसी-सह-निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी श्री अमनदीप सिंह भट्टी, सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी श्री राजीव तिवारी सहित मुख्य निर्वाचन अधिकारी, यू.टी. चंडीगढ़ कार्यालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण जारी: जिला निर्वाचन अधिकारी सतपाल शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

- 15 जून से 14 जुलाई तक होगा हाउस टू हाउस वैरिफिकेशन का कार्य
- 22 सितंबर को जारी होगी मतदाता सूची
- मतदाताओं से ओटीपी या लिंक साझा करने की कोई मांग नहीं होगी

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1 जुलाई 2026 को अर्हता तिथि मानकर हरियाणा में फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बीएलओ द्वारा 15 जून 2026 से 14 जुलाई 2026 तक हाउस टू हाउस वैरिफिकेशन का कार्य किया जाना है तथा प्रारम्भिक प्रकाशन 21 जुलाई 2026 को सभी प्रकाशन स्थलों व मतदान केंद्रों पर निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों के माध्यम से करवाया जाना है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस दौरान दावे और आपत्तियां 21 जुलाई 2026 से 20 अगस्त 2026 तक संबंधित मतदान केंद्रों पर बीएलओ/कार्यालय निर्वाचक पंजीयन अधिकारी/सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी या जिला निर्वाचन अधिकारी पंचकूला में जमा करवा सकते है। उपायुक्त ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एसआईआर की पात्रता तिथि 1 जुलाई 2026 है। 5 जून 2026 से 14 जून 2026 तक तैयारी, प्रशिक्षण और मुद्रण किया जाएगा। बीएलओज द्वारा 15 जून से 14 जुलाई तक हाउस टू हाउस विजिट की जाएगी। वहीं 14 जुलाई 2026 तक मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन किया जाएगा। ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 21 जुलाई 2026 को होगा। दावे और आपतियां 21 जुलाई से 20 अगस्त तक प्रस्तुत की जा सकती है। दावें और आपत्तियों का निपटारा 21 जुलाई 2026 से 18 सितंबर 2026 तक किया जाएगा और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 22 सितंबर को 2026 को होगा।

श्री सतपाल शर्मा ने जिला की दोनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं से अनुरोध किया है कि वे उक्त विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बीएलओ द्वारा किए जाने वाले हाउस टू हाउस कार्यों के दौरान पूरा सहयोग करें ताकि जिला की दोनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की तैयार की जाने वाली मतदाता सूची को त्रुटि रहित तैयार किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी मतदाता से इस संबंध में विभाग द्वारा कोई भी ओटीपी या लिंक शेयर करने के लिए अनुरोध नहीं किया जाता है। विभाग द्वारा नियुक्त बीएलओ स्वयं ही नागरिकों से व्यक्तिगत संपर्क कर जानकारी प्राप्त करेंगे।

मुख्य सचिव ने आबकारी एवं कराधान विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

आबकारी एवं कराधान विभाग की समीक्षा बैठक दिनांक 15.05.2026 को यू.टी. चंडीगढ़ के मुख्य सचिव श्री एच. राजेश प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में श्री दिप्रवा लकड़ा, सचिव (आबकारी एवं कराधान); श्री निशांत कुमार यादव, आबकारी एवं कराधान आयुक्त, यू.टी. चंडीगढ़; श्री प्रद्युम्न सिंह, अतिरिक्त आबकारी एवं कराधान आयुक्त-सह-उप आबकारी एवं कराधान कलेक्टर (आबकारी) तथा आबकारी एवं कराधान अधिकारी (आबकारी) उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि आबकारी नीति वर्ष 2025-26 के दौरान 965.71 करोड़ रुपये का आबकारी राजस्व एकत्रित किया गया। यह भी बताया गया कि कुल 97 खुदरा शराब ठेकों में से 96 ठेकों का आबकारी नीति वर्ष 2026-27 हेतु सफलतापूर्वक आवंटन किया गया, जिसके अंतर्गत 450 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य के मुकाबले 560.85 करोड़ रुपये की बोली प्राप्त हुई, जिससे राजस्व प्राप्ति में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। विभाग ने यह भी अवगत कराया कि आबकारी नीति वर्ष 2026-27 के दौरान निर्धारित 1000 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध लगभग 1009 करोड़ रुपये का आबकारी राजस्व संग्रहित किए जाने की संभावना है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को प्रवर्तन गतिविधियों को और सुदृढ़ करने तथा सभी आबकारी लाइसेंसधारकों पर कड़ी निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। आबकारी नीति एवं संबंधित नियमों के उल्लंघन करने वाले लाइसेंसधारकों के विरुद्ध उल्लंघन संबंधी कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए। अवैध शराब की आवाजाही एवं बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने तथा अवैध कारोबार को नियंत्रित करने हेतु सभी आवश्यक निवारक एवं दंडात्मक उपाय सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने विभागीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा सरकारी राजस्व की सुरक्षा हेतु सतत निगरानी, समन्वित प्रवर्तन कार्रवाई एवं वैधानिक प्रावधानों के कड़ाई से अनुपालन की आवश्यकता पर भी बल दिया।

पीजीआई के ट्रांसलेशनल एंड रीजेनरेटिव मेडिसिन विभाग ने सेमिनार व कार्यशाला का किया आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

ट्रांसलेशनल एंड रीजेनरेटिव मेडिसिन विभाग की प्रमुख प्रो. रीना दास के नेतृत्व में विभाग द्वारा एमटीपीएल के सहयोग से एक्स्ट्रा सेल्यूलर वेसिकल्स (ईवी) और स्टेम सेल सीक्रेटोम के विश्लेषण पर एक दिवसीय सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों और छात्रों को आधुनिक बायोमेडिकल रिसर्च में ईवी की बढ़ती भूमिका से परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरूआत ट्रांसलेशनल एंड रीजनरेटिव मेडिसिन विभाग की डॉ. अरुणा रक्खा तथा एडवांस्ड पीडियाट्रिक सेंटर की डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव के विशेषज्ञ व्याख्यानों से हुई। उन्होंने ईवी की जैविक भूमिका और चिकित्सा क्षेत्र में उनके बढ़ते महत्व को शोधकताओं, चिकित्सकों और छात्रों के लिए सरल भाषा में समझाया। विशेषज्ञों ने बताया कि एक्स्ट्रा सेल्यूलर वेसिकल्स कोशिकाओं द्वारा छोड़े गए सूक्ष्म कण होते हैं, जिनमें प्रोटीन और आनुवंशिक सामग्री जैसी महत्वपूर्ण जैविक जानकारी होती है। चूंकि ये रक्त, मूत्र और अन्य जैविक तरल पदार्थों में पाए जाते हैं, इसलिए इनके अध्ययन से बीमारियों की पहचान और निगरानी के लिए कम आक्रामक जांच पद्धतियों के विकास में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ईवी - आधारित परीक्षण रोगों की शुरूआती पहचान, बीमारी की प्रगति को समझने और उपचार के प्रभाव की बेहतर निगरानी में सहायक हो सकते हैं। वर्तमान में ईवी पर मेटाबॉलिक, न्यूरोलॉजिकल, हृदय संबंधी और प्रतिरक्षा तंत्र से जुड़ी बीमारियों में बायोमार्कर के रूप में शोध चल रहा है। वहीं, श्वसन संबंधी गंभीर रोग, ड्राई आई डिजीज और घाव भरने जैसे मामलों में चिकित्सकीय उपयोग के लिए भी इनका परीक्षण किया जा रहा है।

कार्यशाला का प्रमुख आकर्षण जेटाव्यू ट्विन प्लेटफॉर्म के माध्यम से नैनोपार्टिकल ट्रैकिंग एनालिसिस (एनटीए) पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र रहा। इस दौरान चैतन्य ने एनटीए तकनीक के कार्य सिद्धांत और उपयोगों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह तकनीक ईवी के आकार और फ्लोरेसेंस आधारित पहचान का विश्लेषण करने में सक्षम है।

संक्षिप्त-समाचार

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश, सभी समस्याओं का अगली बैठक तक हो समाधान

पंचकूला। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो व एसएमजीटी की लंबित समस्याओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को अगली बैठक तक सभी तरह की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने लघु सचिवालय के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की आयोजित बैठक की अध्यक्षता की व निर्देश दिए। समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी की लंबित शिकायतों की समीक्षा की और सभी विभाग अपनी लंबित समस्याओं का अगली बैठक तक समाधान सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिलावासी अपनी समस्या के समाधान के लिए परेशान न हों। इस कार्य में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नही किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित समस्याओं का अगली बैठक तक समाधान करने के निर्देश दिए। श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी इन सभी समस्याओं की मॉनिटरिंग करते है व वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविर से जुडकर उनकी समीक्षा करते है। उन्होंने जिलावासियों से अपील की कि लघु सचिवालय के सभागार में सोमवार व वीरवार को कार्य दिवस के दिन सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसलिए लोग समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याए रखकर उनका त्वरित समाधान करवाए। उपायुक्त ने निर्देश दिए सभी अधिकारी सभी तरह की समस्याओं का समाधान बिना विलंब किए व प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें। इस अवसर पर नगराधीश जागृति, वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी विशाल कौशिक, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के ईओ सुरेंद्र सिंह, पब्लिक हेल्थ के कार्यकारी अभियंता समीर शर्मा, एसीपी अजीत सिंह, जिला विकास एवं पंचायत विभाग, जिला बागवानी विभाग, पुलिस विभाग, नायब तहसीलदार, खेल विभाग, स्वास्थ्य, शिक्षा, वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पंचकूला जिले की मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है गेंहू की खरीद और उठान का कार्य

पंचकूला। जिला में रबी सीजन 2026-27 के दौरान गेंहू की खरीद एवं उठान का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में से अब तक 36848 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई और 36551 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा रायपुररानी, बरवाला और पंचकूला स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 4800 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 13658 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 7850 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 8744 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसके अलावा पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1796 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। उन्होने बताया कि मंडियों में खरीद के साथ साथ उठान का कार्य भी सुचारू रूप से चल रहा है। रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 4800 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 13426 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 7850 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 8744 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1731 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में पंचकूला में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

पंचकूला। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में महानिदेशक, आयुष विभाग हरियाणा श्री संजीव वर्मा के निदेर्शानुसार जिला प्रशासन पंचकूला एवं आयुष विभाग द्वारा 21 जून 2026 को 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. दिलीप कुमार मिश्रा ने बताया कि 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत 18 मई से 20 मई तक प्रतिदिन प्रातः 6:00 बजे से 7:30 बजे तक स्कूलों के प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा, पीटीआई एवं डीपीआई को योग प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण आयुष विभाग के योग विशेषज्ञों एवं खेल विभाग के योग प्रशिक्षकों द्वारा ताऊ देवी लाल स्टेडियम, सेक्टर-3, पंचकूला में दिया जाएगा।

भारतीय स्टेट बैंक ने प्रधानमंत्री बीमा योजनाओं के तहत पीड़ित परिवार को सौंपी 4 लाख की सहायता राशि

चंडीगढ़। भारतीय स्टेट बैंक, दरिया शाखा, चंडीगढ़ ने आज सामाजिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए एक अत्यंत गरीब परिवार की आर्थिक मदद कर मानवता की मिसाल पेश की। बैंक की दरिया शाखा के सम्मानित ग्राहक अजीत सिंह, जिनकी तीन महीने पहले एक दुखद दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, उनके परिवार को आज बीमा दावों का भुगतान किया गया। स्वर्गीय अजीत सिंह ने भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं ली हुई थीं जिनमें प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (₹20 सालाना), दुर्घटना मृत्यु कवर ₹2,00,000, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (₹436 सालाना) व जीवन बीमा कवर - ₹2,0,0000 । इन सभी योजनाओं के अंतर्गत, बैंक द्वारा कुल ₹4,00,000 (चार लाख रुपये) की राशि का चेक उनके परिवार को सौंपा गया। चेक सौंपने के अवसर पर एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक रोहित शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ दरिया शाखा के शाखा प्रबंधक विजय शर्मा, मुख्य प्रबंधक मुकेश गर्ग असिस्टेंट मैनेजर गजानंद मित्तल और असिस्टेंट मैनेजर लिली गैपुरिया ने भी परिवार को सांत्वना दी और इस कठिन समय में बैंक की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक विजय शर्मा ने कहा कि अजीत सिंह एक बहुत ही साधारण परिवार से थे, लेकिन उनकी दूरदर्शिता ने आज उनके पीछे उनके परिवार को एक बड़ा आर्थिक सहारा दिया है।

बीबीएमबी ने गर्व और उत्साह से 51वां स्थापना दिवस मनाया

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड (बीबीएमबी) ने आज मई, 2026 को पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में अपना 51वां स्थापना दिवस बड़े ही भव्यता, गरिमा और उत्साह के साथ मनाया, जो की बीबीएमबी की स्थापना के गौरवशाली 50 वर्ष पूरे होने का भी अवसर था। यह स्वर्णिम अवसर बीबीएमबी की पाँच दशकों की समर्पित सेवा, तकनीकी उत्कृष्टता, राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान और जन कल्याण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता का एक प्रेरणादायक प्रतीक था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय विद्युत, आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल उपस्थित रहे। हरियाणा के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी; पंजाब के जल संसाधन मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल और राजस्थान के जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। पंजाब के मुख्य सचिव, बीबीएमबी बोर्ड के सदस्यों, वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों, विद्युत निगमों के उटऊ२/टऊ२, बीबीएमबी के पूर्व अध्यक्षों और पूर्व पूर्णकालिक सदस्यों, तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम की शोभा और बढ़ा दी।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद बीबीएमबी के अध्यक्ष श्री मनोज त्रिपाठी ने स्वागत भाषण दिया। अपने संबोधन में उन्होंने बीबीएमबी की ऐतिहासिक उपलब्धियों, उसकी उत्कृष्टता की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बीबीएमबी ने विद्युत उत्पादन, जल प्रबंधन और पर्यावरणीय संतुलन के क्षेत्रों में उल्लेखनीय कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस अवसर पर, ने बीबीएमबी की गौरवशाली विरासत, ऐतिहासिक उपलब्धियों, नई पहलों और भविष्य की योजनाओं को समर्पित एक 'कॉफी टेबल बुक' का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम के दौरान, केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने राष्ट्र निर्माण में बीबीएमबी की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने बीबीएमबी के उल्लेखनीय योगदानों का वर्णन करते हुए कहा कि इसने न केवल विद्युत और सिंचाई के क्षेत्रों में, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास, कृषि उन्नति और संतुलित क्षेत्रीय विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी कहा कि बीबीएमबी जल और विद्युत संसाधनों के समन्वित प्रबंधन के माध्यम से सभी भागीदार राज्यों की आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा कर रहा है।

इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण बीबीएमबी डीएवी स्कूल, नंगल के छात्रों द्वारा प्रस्तुत भव्य और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम था। अपने मनमोहक प्रदर्शनों के माध्यम से, छात्रों ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को खूबसूरती से दशार्या। सार्थक राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के छात्रों ने भी एक अनुशासित पाइप बैंड प्रदर्शन के साथ सभी मेहमानों का स्वागत करके इस कार्यक्रम में अपना योगदान दिया। बीबीएमबी का यह स्वर्णिम मील का पत्थर संगठन के समर्पण, व्यावसायिकता और राष्ट्र के प्रति अनुकरणीय सेवा का प्रमाण है।

पंचकूला में अवैध कॉलोनियों पर बड़ी कार्रवाई, 4 कालोनियां ध्वस्त

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन में डीटीपी श्रीमती बबीता गुप्ता के नेतृत्व में जिला नगर योजनाकार, पंचकूला की टीम द्वारा अर्बन एरिया पंचकूला में बड़ी कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में गांव परगियन, खेरावाली, कोना और लहरोंड़ी में 4 अवैध कॉलोनियों में 40 डीपीसी व सड़क नेटवर्क को जेसीबी द्वारा ध्वस्त किया गया। उक्त कार्यवाही ड्यूटी मैजिस्ट्रेट, श्री मनदीप, एसडीई, पीएचईडी कालका, श्री अशोक कुमार, सहायक नगर योजनाकर, पंचकूला एवं भारी पुलिस बल की उपस्थिति में संपन्न हुई।

जानकारी देते हुए डीटीपी श्रीमती बबीता गुप्ता ने बताया कि कोई भी निर्माण या कॉलोनी विकसित करने से पहले निदेशक, नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा से अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। यदि कोई व्यक्ति बिना अनुमति से किसी प्रकार का अवैध निर्माण या कॉलोनी विकसित करता पाया गया तो उसके विरूद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही जारी रखी जाऐगी। उन्होंने आम जनता से अनुरोध करते हुए कहा की विभाग से सीएलयु/लाईसेंस की अनुमति लिए बिना कोई भी निर्माण व अनाधिकृत कॉलोनी विकसित न करें।

श्री अजय कुमार घनगस, सीजेएम ने छात्रों को बताए कानूनी अधिकार और सुरक्षा उपाय

चितकारा स्कूल में पॉक्सो एक्ट पर विधिक जागरूकता सत्र आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

अजय कुमार घनगस, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला ने बताया कि आज चितकारा स्कूल, सेक्टर-28, पंचकूला में एक विधिक जागरूकता और संवाद सत्र आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों के बीच 'यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012' (ढडउरड अू३) के प्रावधानों और बच्चों के कल्याण तथा संरक्षण के लिए लागू की जा रही विभिन्न बाल-हितैषी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना था।

यह कार्यक्रम जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के मार्गदर्शन में और हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्ययोजना के अनुपालन में आयोजित किया गया था। इसका मकसद छात्रों को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा और कानून के तहत उपलब्ध संरक्षण तंत्रों के बारे में शिक्षित करना था। श्री अजय कुमार घनगस, सीजेएम-सह-सचिव, डीएलएसए पंचकूला ने इस शिविर में भाग लिया और छात्रों के साथ अत्यंत जानकारीपूर्ण और उत्साहवर्धक तरीके से संवाद किया। स्कूल प्रशासन और छात्रों ने न्यायाधीश का गर्मजोशी से स्वागत किया और स्कूली बच्चों के लाभ के लिए इतने महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करने हेतु उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

संवाद सत्र के दौरान, श्री घनगस ने बच्चों की सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को पॉक्सो अधिनियम के तहत उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने समझाया कि पॉक्सो अधिनियम एक विशेष कानून है, जिसे बच्चों को यौन अपराधों, उत्पीड़न और शोषण से बचाने तथा ऐसे मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है। उन्होंने छात्रों को आगे यह भी बताया कि किसी भी अनुचित व्यवहार, उत्पीड़न या दुर्व्यवहार की सूचना अपने माता-पिता, शिक्षकों या पुलिस अधिकारियों को देने में बच्चों को बिल्कुल भी संकोच नहीं करना चाहिए।

उन्होंने बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए उपलब्ध विभिन्न बाल-हितैषी योजनाओं और तंत्रों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। छात्रों को देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को सहायता और सहयोग प्रदान करने में बाल कल्याण समितियों, किशोर न्याय बोर्डों, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और विधिक सेवा प्राधिकरणों की भूमिका के बारे में सूचित किया गया। न्यायाधीश ने छात्रों को जागरूक, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बने रहने के लिए प्रेरित किया, और उन्हें किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार या शोषण के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री रजत हांडा और सुश्री मेघा शर्मा, जो डीएलएसए पंचकूला के पैनल अधिवक्ता हैं, इस कार्यक्रम के दौरान रिसोर्स परसन्स के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों और निहितार्थों पर विस्तृत व्याख्यान दिए, तथा बच्चों के संरक्षण और सुरक्षा से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों से बातचीत भी की और बच्चों के लिए उपलब्ध कानूनी सुरक्षा उपायों से जुड़े उनके सवालों के जवाब दिए।

वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों को रोकने और स्कूलों तथा समाज में एक सुरक्षित व महफूज माहौल बनाने के लिए छात्रों के बीच जागरूकता होना बेहद जरूरी है। छात्रों ने इस सत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और ऐसे शैक्षिक व जागरूकता-आधारित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए डीएलएसए पंचकूला के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के समापन पर, स्कूल प्रशासन ने डीएलएसए पंचकूला का आभार व्यक्त किया और छात्रों व पूरे समाज के कल्याण के लिए भविष्य में होने वाली कानूनी साक्षरता व जागरूकता गतिविधियों में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।